बॉबमैत्री
Bobmaitri

जुलाई - सितम्बर • July - September 2020

बैंक ऑफ़ बड़ौदा
Bank of Baroda

गृह पत्रिका House Journal

Bank Celebrates 113th Foundation Day

On the occasion of its 113th Foundation Day the Bank felicitated five eminent personalities and conferred them with the Baroda Sun Achievement Award. These personalities i.e. Ms Samta Singh (Banker), Mr. Vijay Balkrishna Madave (Police Dept), Dr. Ranjana Totewad (Doctor), Ms. Paramshree Gawande (Paramedic), Mr. Dattaram Karanje (Sanitation Worker) were recognized for the passion and determination with which they have pursued their responsibilities during COVID-19. A digital event was organized for Foundation Day 2020 in presence of MD & CEO Shri Sanjiv Chadha, all Executive Directors and Top Executives at Baroda Corporate Centre, Mumbai.

जयपुर अंचल द्वारा मुख्यमंत्री सहायता कोष (राजस्थान) में अंशदान

जयपुर अंचल द्वारा 04 जुलाई, 2020 को अंचल प्रमुख एवं संयोजक–राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति श्री महेन्द्र सिंह महनोत द्वारा मुख्यमंत्री सहायता कोष में रु. 70 लाख की राशि का चेक राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत को भेंट किया गया. इस अवसर पर एसएलबीसी के सहायक महाप्रबंधक श्री सी पी अग्रवाल भी उपस्थित रहे.

कॉर्पोरेट कार्यालय, मुंबई में स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन

15 अगस्त, 2020 को कॉर्पोरेट कार्यालय, मुंबई में स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस अवसर पर प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री संजीव चड्ढा, कार्यपालक निदेशक श्री मुरली रामास्वामी, श्री शांतिलाल जैन तथा श्री विक्रमादित्य सिंह खीची एवं अन्य वरिष्ठ कार्यपालकगण उपस्थित थे. कार्यक्रम का शुभारंभ ध्वजारोहण के साथ हुआ.

संजीव चड्ढा / Sanjiv Chadha

प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी का संदेश

Managing Director & Chief Executive Officer's Message

प्रिय साथियो,

बॉबमैत्री के इस अंक के माध्यम से सभी बड़ौदियनों के साथ संवाद करते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है. इस वर्ष कुछ अप्रत्याशित चुनौतियां रही हैं. हम सभी ने इनका डटकर सामना किया है और बैंकिंग परिचालन को निरंतर जारी रखा है. मैं आप सभी के द्वारा किए गए प्रयासों की हृदय से सराहना करता हूं.

सरकार और फ्रंट लाइन स्वास्थ्य कर्मियों ने लोगों के स्वास्थ्य की दिशा में अभूतपूर्व योगदान दिया है. भारत में कोविड –19 का प्रसार अब घट रहा है. अर्थव्यवस्था भी जून 2020 को समाप्त तिमाही के दौरान आए तीव्र दबाव से उभरकर लगातार मजबूत हो रही है. जीएसटी संग्रहण, विद्युत उत्पादन और वाहन उत्पादन अब पिछले साल की तुलना में बढ़ रहा है.

सितंबर, 2020 को समाप्त तिमाही के बैंक के परिणाम भी आर्थिक गतिविधियों में तेजी को दर्शा रहे हैं. बैंक द्वारा सितंबर, 2020 को समाप्त तिमाही में मंजूर किए गए रिटेल ऋण जून, 2020 को समाप्त तिमाही की अपेक्षाकृत लगभग तीन गुना हैं. कम लागत वाली कासा जमाराशियों में स्थिर वृद्धि के साथ घरेलू निवल ब्याज मार्जिन में 2.96% का सुधार हुआ है तथा ट्रेजरी एवं शुल्क आय दोनों के योगदान से गैर–ब्याज आय जून, 2020 को समाप्त तिमाही से लगभग रु. 1000 करोड़ अधिक रही है.

बैंक का परिचालनगत लाभ जून, 2020 को समाप्त तिमाही के रु. 4,320 करोड़ की तुलना में बढ़कर रु. 5,552 करोड़ हो गया है. स्लिपेज में कमी के साथ अनर्जक ऋणों के प्रावधान में भी कमी आई है. इसके परिणामस्वरूप, बैंक ने जून, 2020 को समाप्त तिमाही में रु. 864 करोड़ की हानि की तुलना में रु. 1,679 करोड़ का निवल लाभ दर्ज किया है.

सितंबर 2020 तिमाही के साथ अधिस्थगन का चरण– II भी समाप्त हो गया है जिसमें बैंक ने रु. 10 लाख से कम बकाया वाले सभी ग्राहकों को अधिस्थगन का लाभ दिया है. इस माह में संग्रहण क्षमता अधिस्थगन की शुरुआत से पहले के 94% की तुलना में 91% रही है. इससे यह स्पष्ट है कि बैंक को संग्रहण क्षमता को और बेहतर बनाने पर निरंतर ध्यान देना होगा.

इस तिमाही में नया स्लिपेज भी रु. 899 करोड़ रुपये के साथ अपेक्षाकृत कम रहा है. बैंक ने माननीय सर्वोच्च न्यायालय के अंतरिम आदेश का पालन किया है जिसके कारण रु. 1,485 करोड़ की राशि के खातों को डिग्रेड नहीं किया गया है. अंतिम फैसला आने पर स्लिपेज बढ़ सकता है और जिन ग्राहकों की आय प्रभावित हुई है वे भी रिस्ट्रक्चरिंग का विकल्प चुन सकते हैं. हमें स्लिपेज को कम करने और वसूली को बढ़ाने की दिशा में हर संभव प्रयास करने होंगे.

महामारी के दौरान डिजिटल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना प्रमुख अवसरों के रूप में उभर कर आया है. बैंक के डिजिटल इकोसिस्टम में भी यही प्रदर्शित हो रहा है. मूल्य और मात्रा दोनों की दृष्टि से यूपीआई से लेनदेन पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में सितंबर 2020 तिमाही में दोगुने से अधिक हो गए हैं. मोबाइल बैंकिंग सक्रियण और पंजीकरण भी दोगुने से अधिक हो गए हैं. बैंक का प्रयास मोबाइल बैंकिंग को अपनी डिजिटल कार्यनीति का प्रमुख केंद्रबिन्दु बनाना है.

बैंक डिजिटल प्लेटफॉर्मों पर ऋण देने में भी अच्छा प्रदर्शन कर रहा है. स्ट्रीट वेंडर्स के लिए हालिया शुरू किए गए प्रधानमंत्री स्वनिधि ऋण प्लेटफॉर्म पर बैंक की 10% बाजार हिस्सेदारी है. ऑनलाइन ऋण प्लेटफॉर्म पीएसबी59 पर संवितरण में बैंक की 23% बाजार हिस्सेदारी है. बैंक की विश्लेषण पर आधारित आंतरिक क्रॉस–सेल भी समग्र उत्पादों में 3–5% के कनवर्ज़न अनुपात के साथ प्रति तिमाही 2.5 लाख की लीड जनरेट कर रही है.

बैंक अपने ग्राहकों के लिए ऋण प्रक्रिया को डिजिटल बनाने की दिशा में प्रयासरत है. इससे ग्राहक अनुभव और कार्य क्षमता में वृद्धि होगी. लगभग 85% पात्र खाते टैब बैंकिंग के माध्यम से पेपरलेस फॉर्मेट में खोलने के साथ ग्राहकों के ऋण खाते जुटाने में भी वृद्धि हुई है.

चूंकि बैंक ने अपने डिजिटल निवेशों को बढ़ाया है और डिजिटल आस्तियां विकसित की हैं अतः हर पैमाने पर लागत को कम करने के लिए समामेलन का पूरा लाभ उठाया जाना चाहिए. पूर्ववर्ती विजया की सभी शाखाओं का आईटी माइग्रेशन हो चुका है और दिसंबर 2020 तक पूर्ववर्ती देना की शाखाओं का माइग्रेशन भी पूरा कर लिया जाएगा. बैंक अपने शाखा नेटवर्क का इष्टतम उपयोग कर रहा है और व्यवसाय प्रतिनिधियों के माध्यम से ग्राहकों तक अपनी पहुंच को बढ़ा रहा है.

महामारी के बाद आने वाले समय में सफलता के लिए नए परिचालन मॉडल की आवश्यकता होगी. इससे बैंक में भौतिक और डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर बराबर मात्रा में उपलब्ध होगा. शाखाएँ बिक्री उन्मुख और राजस्व जुटाने वाली भूमिका में होंगी जिससे उत्पादकता बढ़ेगी. ग्राहक डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर का ज्यादा उपयोग करेंगे. कार्यालय की कार्यशैली के समान रिमोट वर्किंग वाले सहज कार्य परिवेश के साथ कर्मचारी भी काफी राहत महसूस करेंगे. यह बैंक को उपलब्ध सभी प्रकार के टैलेंट पूल को आकर्षित करने और प्रतिस्पर्धी बने रहने में सक्षम बनाएगा.

त्यौहारों के इस मौसम में, मैं आपको और आपके परिवार को दीवाली की हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ.

शुभकामनाओं सहित

(संजीव चड्ढा)

Dear Friends,

It is indeed a pleasure to connect with all Barodians through this edition of Bobmaitri. This year has had some unprecedented challenges. Each and every one of us has stood up and ensured that the Bank remained functional. I sincerely appreciate the efforts put in by each one of you.

The Government and the front line health workers have put in tremendous effort in managing the health of the population. India's covid-19 curve is now reducing. The economy is also steadily rebounding from sharp contraction seen in quarter ending June 2020. GST collections, electricity output and vehicle output are now higher over the last year.

The Bank's results for quarter ending Sept 2020 are also reflecting the pick-up in the economic momentum. Bank's retail loan sanctions in quarter ending Sept 2020 are almost three times the size in quarter ending June 2020. With steady accretion to low cost CASA deposits, domestic net interest margins have improved to 2.96% and non-interest income is higher by almost Rs. 1,000 crore over quarter ending June 2020 contributed both by treasury and fee income.

The operating profit of the Bank increased to Rs 5,552 crore compared with Rs 4,320 crore in quarter ending June 2020. Provision for non-performing loans were also lower in-line with decline in slippages. As a result, the Bank posted a net profit of Rs 1,679 crore compared with a loss of Rs 864 crore in quarter ending June 2020.

The Sept 2020 quarter also coincided with end of phase-II of moratorium in which Bank had extended moratorium to all customers with outstanding of less than Rs 10 lakh. The collection efficiency in the month was at 91% as against 94% before the start of moratorium. This shows that the Bank needs to continue to focus on improving collection efficiency further.

Fresh Slippages in the quarter were also relatively low at Rs 899 crore. The Bank abided by the Honourable Supreme Courts' interim order because of which accounts amounting to Rs 1,485 crore were not degraded. Once the final verdict is given, slippages may increase and customers whose incomes have been impacted may also opt for restructuring. We should make every effort towards reducing slippages and increasing recovery.

One of the underlying trends seen during the pandemic is the boost to the digital economy. The same is visible in the Bank's digital eco system. UPI transactions both by value and volume have more than doubled in the quarter ending Sept 2020 over the same period last year. Mobile banking activation and registrations too have more than doubled. The Bank's endeavour is to make mobile banking the centre piece of its digital strategy.

The Bank also continues to do well in lending across digital platforms. The Bank has a 10% market share in recently launched PM SVANidhi lending platform for street vendors. It has a 23% market share in disbursements in PSB59 online lending platform. The Bank's internal cross-sell based on analytics is also generating leads of 2.5 lakh per quarter with a conversion ratio of 3-5% across products.

The Bank's endeavour is to digitise the lending process for its customers. This will result in enhanced customer experience and throughput. The customer on-boarding for liabilities accounts has gained further traction with as many as 85% of eligible accounts opened in the paperless format through Tab Banking.

As the Bank gears up its digital investments and builds digital assets, every bit of cost synergy should be harnessed from the merger. IT migration of all eVijaya branches has been done and eDena branches will be completed by December 2020. The Bank continues to optimise its branch network and increasing customer outreach through Business Correspondents.

The success in the post pandemic world requires a new operating model which allows bank to have the right mix of physical and digital infrastructure. Branches would be oriented towards sales and revenue generating roles that would enhance productivity. Customers will be increasingly using digital infrastructure. Employees too will be better off with a flexible working environment with remote working as efficient as office setting. This will also allow the Bank to attract all types of talent pool available and remain competitive.

As the festive season starts, I wish you and your families a very Happy Diwali.

With best wishes

Sanjiv Chadha

संपादक मंडल Editorial Board

कार्यकारी संपादक/Executive Editor

के. आर. कनोजिया / K. R. Kanojia

विषय–वस्तु प्रबंधन टीम
Content Management Team

संजय कुमार Sanjay Kumar
जयदीप दत्ता राय Joydeep Dutta Roy
के सत्यनारायण राजू K Satyanarayana Raju
रोहित पटेल Rohit Patel
सुब्रत कुमार Subrat Kumar
सुधाकर डी नायक ए Sudhakar D Nayak A
अर्चना पाण्डेय Archana Pandey
सुधांशु सिंह Sudhanshu Singh
रवीन्द्र सिंह नेगी Ravindra Singh Negi
समीर नारंग Sameer Narang

संपादक/Editor

पुनीत कुमार मिश्र Punit Kumar Mishra

सहायक संपादक/Assistant Editor

महीपाल चौहान Mahipal Chauhan

सहयोग/Associate

बिक्रम सिंह Bikram Singh

अंचल संवाददाता–Zonal Correspondents

अहमदाबाद	Ahmedabad	वंदना जैन
बड़ौदा	Baroda	अमर साव
बेंगलुरू	Bengaluru	पद्मसुधा सी एस
भोपाल	Bhopal	सोमेन्द्र यादव
चंडीगढ़	Chandigarh	डॉ. स्वाती ठाकुर
चेन्नै	Chennai	गौरी वी एम
एर्णाकुलम	Ernakulam	नीना देवस्सी एम
हैदराबाद	Hyderabad	जगदीश प्रसाद
जयपुर	Jaipur	प्रीति राउत
कोलकाता	Kolkata	डॉ कियाम बेमबेम देवी
लखनऊ	Lucknow	मंधीर चौधरी
मंगलुरु	Mangaluru	राजेश्वरी पी
मेरठ	Meerut	अमित चौधरी
मुंबई	Mumbai	रेश्मा जलगांवकर
नई दिल्ली	New Delhi	मोनिका सिंह
पटना	Patna	चंदन वर्मा
पुणे	Pune	अनुमिता सिंह
राजकोट	Rajkot	चन्द्रवीर सिंह राठौड़
एपेक्स अकादमी	Apex Academy	अमित चौधरी

बैंक ऑफ़ बड़ौदा के लिए **पुनीत कुमार मिश्र, सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा एवं संसदीय समिति)** द्वारा प्रधान कार्यालय, बड़ौदा भवन, आर सी दत्त रोड, अलकापुरी, बड़ौदा – 390007 से संपादित एवं प्रकाशित.

फोन नं. – 0265 2316581, ई-मेल : bobmaitri@bankofbaroda.co.in

Edited and published by **Punit Kumar Mishra, Assistant General Manager (Official Language & Parliamentary Committee)** for Bank of Baroda at Head Office, Baroda Bhavan, R C Dutt Road, Alkapuri, Baroda - 390007.
Phone No. - 0265 2316581,
E-mail : bobmaitri@bankofbaroda.co.in

इस अंक में Contents

जुलाई - सितम्बर • July - September 2020

03	प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी का संदेश
05	कार्यकारी संपादक की कलम से
06	Highlights of 113th Foundation Day
08	Let's Start a Think Tank on New Labour Codes
11	भारत की बैंकिंग प्रणाली की चुनौतियाँ
17	मानव जीवन का आभूषण – प्रकृति
18	साक्षात्कार – श्री बी आर पटेल, महाप्रबंधक–मुख्य समन्वयन (सेवानिवृत्त)
20	Monetary Policy and Way Ahead
21	Bank of Baroda Eterna Credit Card: Designed for High Performers
28	बैंक और सोशल मीडिया के पारस्परिक संबंध...
30	डिजिटल उत्पादों का उपयोग – कितना सार्थक
32	Turn Vegan with Plant Based Meat, Egg, Milk and Milk Products
38	साक्षात्कार – श्री आर के मिगलानी, महाप्रबंधक–मुख्य समन्वयन (सेवानिवृत्त)
46	कहानी–एक सोच ऐसी भी
48	साक्षात्कार – श्री वीरेंद्र कुमार, महाप्रबंधक–मुख्य समन्वयन (सेवानिवृत्त)
56	अनुपालन : जोखिम प्रबंधन का मूल आधार
58	फाइनेंसियल डॉक्टर
60	The Land of the Lemurs: Madagascar the Red Island
62	गैर–बैंकिंग वित्तीय कंपनियां : सम्पूर्ण अवलोकन
65	पदोन्नतियां
66	Highlights of Bank's Financial Results for Q2 FY 2021

बॉबमैत्री, बैंक ऑफ़ बड़ौदा के सभी कर्मचारियों में निःशुल्क वितरण के लिये जारी की जाती है. इसमें व्यक्त विचारों से बैंक का सहमत होना आवश्यक नहीं है.

BOBMAITRI is issued for free distribution to all employees of Bank of Baroda. The views expressed in it do not necessarily represent those of the Bank.

रूपांकन एवं मुद्रण : सॅप प्रिंट सोल्युशन्स प्रा. लि., 28, लक्ष्मी इंडस्ट्रीयल इस्टेट, एस.एन. पथ, लोअर परेल (प), मुंबई – 400 013, महाराष्ट्र, भारत.

Designed & printed at SAP Print Solutions Pvt. Ltd., 28, Lakshmi Industrial Estate, S. N. Path, Lower Parel (W), Mumbai-400 013. Maharashtra, India.

कार्यकारी संपादक की कलम से/The Executive Editor Speaks

के. आर. कनोजिया, कार्यकारी संपादक । **K. R. Kanojia,** Executive Editor

प्रिय पाठको,

बैंक की गृह पत्रिका 'बॉबमैत्री' का नवीनतम अंक आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है. यह तिमाही बैंक के 113वें स्थापना दिवस और हिन्दी दिवस कार्यक्रमों के साथ विशेष गतिविधियों से परिपूर्ण रही है. यह तिमाही हमारे लिए इसलिए भी सुखद रही कि हमारे बैंक को राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में श्रेष्ठ कार्यनिष्पादन हेतु भारत सरकार की ओर से "राजभाषा कीर्ति पुरस्कार" योजना के अंतर्गत लगातार चौथी बार पुरस्कार प्राप्त हुआ. साथ ही, हमारी हिन्दी पत्रिका 'अक्षय्यम्' को भी भारत सरकार से "राजभाषा कीर्ति पुरस्कार" प्राप्त हुआ.

कोविड–19 वैश्विक महामारी ने विश्व की लगभग सभी अर्थव्यवस्थाओं को पीछे धकेल दिया है अतः इस चुनौतीपूर्ण मौजूदा परिदृश्य में बैंकिंग उद्योग को पिछले दस वर्षों की तुलना में सामान्य होने के लिए तैयार रहना होगा. बैंकों को अपना पूंजीगत बफ़र बनाए रखना होगा और आगामी वर्षों में इसमें वृद्धि करने के लिए अपनी कार्यनीतियों में बदलाव करना होगा. हमें वसूली प्रयासों को बढ़ाने के साथ–साथ नया व्यवसाय कैनवास करने पर भी ध्यान केन्द्रित करना होगा. समय के साथ–साथ ग्राहकों की जरूरतें भी बदल रही हैं, अतः हमें ग्राहकों की आवश्यकताओं के अनुसार अपने उत्पाद सुलभ कराने चाहिए. हमें डिजिटलीकरण की तरफ ज्यादा ध्यान देना होगा क्योंकि डिजिटल उत्पाद न केवल बैंकिंग अनुभवों को सरल बनाते हैं बल्कि समय एवं पैसे की बचत भी करते हैं. हमें एटीएम, डेबिट कार्ड, मोबाइल बैंकिंग, इंटरनेट बैंकिंग, कैश रिसाइकलर, सेल्फ सर्विस पासबुक प्रिंटर, ई–लॉबी एवं नकदी प्रबंधन सेवाओं जैसे वैकल्पिक डिलिवरी चैनलों के प्रयोग को लेकर ग्राहकों को जागरूक करना होगा.

साथियो, बॉबमैत्री के इस अंक में हमने पूरे देश में आयोजित स्थापना दिवस तथा हिन्दी दिवस समारोह की झलकियों को प्रमुखता से प्रकाशित किया है. तिमाही के दौरान अखिल भारतीय स्तर पर हमारे विभिन्न कार्यालयों द्वारा आयोजित 'कार्पोरेट सामाजिक दायित्व' संबंधी गतिविधियों के साथ–साथ बैंक के तिमाही परिणामों के प्रमुख अंश भी इस अंक में प्रकाशित किए हैं. हमने इस अंक में श्री जीवन वी एल का आलेख **'Let's start a Think Tank on New Labour Code'** प्रकाशित किया है जो पाठकों को नई श्रमिक संहिता को समझने का अवसर प्रदान करेगा. श्री आर के सिन्हा का आलेख **'भारत की बैंकिंग प्रणाली की चुनौतियाँ'** भी हमारे सहकर्मियों के लिए बैंकिंग क्षेत्र की मौजूदा चुनौतियों को समझने में उपयोगी सिद्ध होगा. इसके अलावा, इस अंक में कृषि उत्पाद आधारित श्री कृत्ति सुंदर पात्रा का आलेख **'Turn Vegan with Plant Based Meat, Egg, Milk and Milk Products'** भी शामिल किया गया है. सुश्री हिमाली कपूर का आलेख **'Monetary Policy and Way Ahead'** हमारे पाठकों के लिए सूचनाप्रद साबित होगा. साथ ही, इस अंक में यात्रा संस्मरण **'The Land of the Lemurs : Medagascar the Red Island'** और सुश्री जया मिश्रा का आलेख **'गैर–बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ : सम्पूर्ण अवलोकन'** भी शामिल किया गया है. हिन्दी दिवस के अवसर पर आयोजित आलेख प्रतियोगिता के पुरस्कृत आलेख **'डिजिटल उत्पादों का उपयोग – कितना सार्थक'** को भी हमने इस अंक में प्रकाशित किया है. हमने इस अंक में अपने सेवानिवृत्त महाप्रबंधक–मुख्य समन्वयन श्री बी आर पटेल, श्री आर के मिगलानी और श्री वीरेंद्र कुमार के साक्षात्कार भी शामिल किए हैं जिनके अनुभवों से हमारे युवा साथी प्रेरित होंगे.

इस अंक में नियमित स्तंभों के अंतर्गत विभिन्न रिपोर्ट, समाचार, कार्यक्रम आदि प्रकाशित किए हैं. मुझे विश्वास है कि उपर्युक्त मिश्रण हमारे पाठकों के लिए इस अंक को और अधिक रोचक बनाएगा. मैं अपने सुधी पाठकों से अनुरोध करता हूँ कि पत्रिका में रचनात्मक योगदान करते रहें और अपनी प्रतिक्रियाओं/ सुझावों से हमें अवगत कराएं ताकि हम इसे और बेहतर बना सकें.

हार्दिक शुभकामनाओं सहित,

के. आर. कनोजिया

Dear Readers,

I am happy to present you the latest issue of Bank's house journal 'Bobmaitri'. Along with the programmes conducted on Bank's 113th Foundation Day and Hindi Day, the quarter was full of diversified activities. This quarter was also momentous for the reason as our Bank received prize for the fourth consecutive year under the "Rajbhasha Kirti Puraskar" scheme of Govt. of India for outstanding performance in the area of Official Language Implementation. Our Hindi magazine 'Akshayyam' also received "Rajbhasha Kirti Puraskar" under the scheme.

Global pandemic COVID-19 has adversely affected almost all economies of the world, so in the current challenging scenario, banking industry has to be prepared to be normal in comparison of last ten years. Banks will have to maintain their capital buffer and to change their strategies to increase the same in the coming years. Along with the extended recovery efforts, we will also have to focus on new business canvassing. The needs of customers are changing with the pace of time, so we should align our products according to the requirements of our customers. We have to pay more attention on digitalization as digital products not only simplify banking experiences but also save time and money. We will have to make customers aware about the use of alternative delivery channels like ATM, Debit Card, Mobile Banking, Internet Banking, Cash Recycler, Self Service Passbook Printer, E-Lobby and Cash Management Services etc.

Friends, in this issue of Bobmaitri, we have prominently published the highlights of Foundation Day and Hindi Day celebrations organized across the Bank. The report of pan India CSR activities conducted by our various offices during the quarter and highlights of Bank's quarterly financial results have also been published in this issue. We have published an article of Shri Jeevan V L **'Let's start a Think Tank on New Labour Code'** in this issue which will provide an opportunity to our readers to understand the new labour code. Shri R K Sinha's article **'भारत की बैंकिंग प्रणाली की चुनौतियाँ'** will also be useful for our colleagues to understand the current challenges of Banking sector. Also, agricultural products based article **'Turn Vegan with Plant Based Meat, Egg, Milk and Milk Products'** by Shri Krutti Sundar Patra has been included in this issue. Ms. Himali Kapoor's article **'Monetary Policy and Way Ahead'** will prove informative for our readers. Also, the travelogue **'The Land of the Lemurs: Medagascar the Red Island'** and Ms. Jaya Mishra's article **'गैर–बैंकिंग वित्तीय कंपनियां : सम्पूर्ण अवलोकन'** are included in this issue. We have published the Hindi Day award winning article **'डिजिटल उत्पादों का उपयोग – कितना सार्थक!'** also in this issue. We have covered the interviews of our retired General Managers-CC Shri B R Patel, Shri R K Miglani and Shri Virendra Kumar whose experiences will inspire our young Barodian.

In this issue, various reports, news, programs etc. have been published under regular columns. I trust, the blend of above inclusions will make this issue more interesting for our readers. I request our fellow readers to keep on sending their contributions and feedback so as to ensure continuous improvement of this journal.

With Seasons' Greetings,

K. R. Kanojia

HIGHLIGHTS OF 113TH FOUNDATION DAY CELEBRATIONS ON JULY 20, 2020 AT BARODA CORPORATE CENTRE, MUMBAI.

Keeping in view the unprecedented times of COVID-19, a digital event was organized for Foundation Day 2020. The event was organized virtually and a live webcast was arranged to all staff members. The event included speech by MD & CEO, special wishes by Bank's brand endorser Ms. P V Sindhu, an AV depicting the highlights of the Bank under various segments and felicitation of COVID warriors.

This year too Bank felicitated five eminent personalities and conferred them with the Baroda Sun Achievement Award. However, this year, it was decided to recognize and reward COVID warriors who are making a positive change in our society every day. COVID Warriors were identified from Police Dept, Doctors, Para- Medical staff, Sanitation workers and Bankers. A total of 630 awardees Pan India were felicitated across all Zones and Regions. These personalities were recognized for the passion and determination with which they have persued their responsibilities during these difficult time. The felicitation of these personalities were done by the executives of Marketing Department, BCC.

Mr. Vijay Balkrishna Madave
(Police Dept)

Dr. Ranjana Totewad
(Doctor)

Ms. Paramshree Gawande
(Paramedic)

Ms. Samta Singh
(Banker)

Mr. Dattaram Karanje
(Sanitation Worker)

प्रधान कार्यालय, बड़ौदा में 113वें स्थापना दिवस का आयोजन

बैंक के 113वें स्थापना दिवस को बड़ौदा भवन, बड़ौदा में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया तथा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया. कार्यक्रम की शुरुआत बड़ौदा शहर में ''वृक्ष सुरक्षा जीवन रक्षा'' थीम पर चलाये जा रहे अभियान के साथ की गई. इस अभियान का उद्देश्य पर्यावरण के प्रति जागरूकता पैदा करना है जिसमें वृक्षों को वेदना मुक्त करने की पहल की जा रही है. इस अभियान में बड़ौदा शहर की मेयर डॉ. जिगीशा सेठ, सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा एवं संसदीय समिति) श्री पुनीत कुमार मिश्र, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा स्टाफ सदस्यों ने सहभागिता की.

इसके पश्चात प्रधान कार्यालय, बड़ौदा भवन में केक कटिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें बैंक के निदेशक डॉ. भरत कुमार डांगर ने सभी बड़ौदियनों को स्थापना दिवस की शुभकामनाएँ दी और वैश्विक महामारी में ग्राहकों को निर्बाध बैंकिंग सेवाएँ उपलब्ध कराने के लिए सराहना की. इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक द्वय श्री रोहित पटेल तथा श्री के सत्यनारायण राजू, महाप्रबंधक श्री के आर कनोजिया, श्री जी के पानेरी, श्री एम वी मुरलीकृष्णा, श्री पी एस रेड्डी तथा बड़ौदा अंचल के अंचल प्रमुख श्री ए कुमार खोसला एवं वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

Overseas News

Bank of Baroda (Uganda) Ltd. celebrates Foundation Day

Bank of Baroda (Uganda) Ltd. celebrated the foundation day of parent Bank with Customer meetings and cake cutting at different Branches. Head Office and Branches also contributed to the social cause by conducting Blood donation camps and tree plantation activities. Managing Director Shri R K Meena along with staff & valued customers were present on the occasion.

Bank of Baroda (Kenya) Ltd. inaugurates "Baroda Mobi Kenya"

Bank of Baroda (Kenya) Ltd. introduced mobile banking services as "Baroda Mobi Kenya". The product was launched by Shri V S Khichi, (Chairman – Bank of Baroda (Kenya) Ltd. via a virtual launch event. Chief General Manager Shri Sunil Srivastava, General Manager Shri Venugopal Menon, Shri K B Gupta, Dr. M K Chary, Shri Sanjay Mudaliar along with Managing Director of BOB (K) Ltd Shri Saravana Kumar A were also present on the occasion.

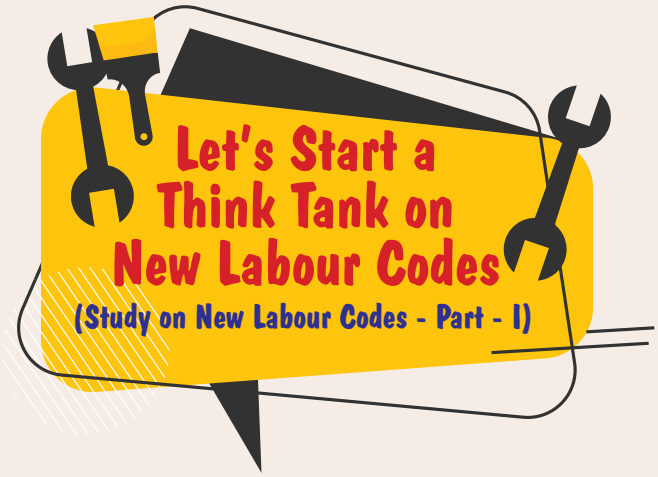

Parliament of India has recently passed four labour code bills. Subsequently these bills received Presidential assent, notified in the Government of India Gazette and became laws / acts of India. These enactments are a major milestone in labour law reforms over three decades. These 4 new codes will consolidate and replace present 29 Central labour laws / acts. By these new Codes the Union Government is aiming at reduced complexities, improved ease of compliance, more transparency and accountability, and also to help both the employers and workers. The 4 new codes and its related earlier acts are:

New Code	Replacing acts
The Code on Wages, 2019 (No 29 0f 2019)	• The Payment of Wages Act, 1936 • The Minimum Wages Act, 1948 • The Payment of Bonus Act, 1965 • The Equal Remuneration Act, 1976
The Industrial Relations Code, 2020 (No. 35 of 2020)	• The Trade Unions Act, 1926 • The Industrial Employment (Standing Orders) Act, 1946 • The Industrial Disputes Act, 1947
The Code on Social Security, 2020 (No. 36 of 2020)	• The Employees' Compensation Act, 1923 • The Employees' Stae Insurance Act, 1948 • The Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 • The Employees Exchange (Compulsory Notification of Vacancies) Act, 1959 • The Maternity Benefit Act,1961 • The Payment of Gratuity Act, 1972 • The Cine Workers Welfare Fund Act, 1981 • The Building and other Construction Workers' Welfare Cess Act, 1996 • The Unorganised Workers' Social Security Act, 2008
The Occupational Safety, Health and Working Conditions Code, 2020 (No. 37 of 2020)	• The Factories Act, 1948 • The Plantations Labour Act, 1951 • The Mines Act, 1952 • The Working Journalist and other News Paper Employees (Conditions of Service) and Miscellanious Provisions Act, 1955 • The Working Journalists (Fixation of Rate of wages) Act, 1958 • The Motor Transport Workers Act, 1961 • The Beedi and Cigar Workers (Conditions of Employment) Act, 1966 • The Contract Labour (Regulation and Abolition) Act,1970 • The Sales Promotion Employees (Condition of Service) Act, 1976 • The Inter-State Migrant workmen (Regulation of Employment and Conditions of Service) Act, 1979 • The Cine-Workers and cinema Theatre workers (Regulation of Employment) Act 1981 • The Dock Workers (Safety, Health and Welfare) Act, 1986 • The Building and other Workers (Regulation of Employment and Conditions of Service) Act, 1996

As per the Union Government, the New Labour Codes will be implemented from the coming fiscal i.e. April 1, 2021. The Draft rules on the Code on Wages, 2019 were published in the gazette on 7th July 2020. Further, the Central Government has asked the State Governments to make rules as they will have jurisdiction over most of the establishments. So, there will be Central rules and States rules with respect to these codes. The remaining Draft rules may be published by Oct. - Nov. 2020.

Thus, the Human Resource functionaries and all other business users like Office Administration, Accounts, IT, Legal, Security, etc. must use this time in hand to familiarise themselves with the new labour code for evaluating the potential impact on their operational area before the relevant rules are rolled out. Further, they can also give their comments, when the draft rules are published by the respective governments.

A look at the new Codes on Bank's perspective

➤ The Code on Wages (CW), 2019

- New Term 'Floor Wage' introduced.
- The Contract / Outsourced employees are to be paid with eligible Minimum wages as fixed by the respective Government based on the 'Floor Wage' fixed by the Central Government.
- If the Contract / Outsourced employee fail to get the Pay / Minimum Wages / Bonus, the Principal employer will be responsible for any such payments.
- Any payment / claim due to an employee (any type of employee), which not paid / not able to pay (Employee not traceable / Death / nominee not available, etc.), shall be deposited by the employer with the Chief Labour Commissioner (C) having jurisdiction, with in 3 months (in case of bonus it is 6 months) of such failure of payment.

- Code prescribes a limitation period of three years (calculated from the date on which claims arose) for filing of claims by an employee as against the existing time period varying from 6 months to 2 years.
- The Code now allows the trade union of which the employee is a member to file claims.
- The Code places the burden of proof on an employer to prove that the amount / due payments claimed by the employee have been paid, with reference to any un paid payments / bonus.

➤ The Industrial Relations Code (IRC), 2020

- Introduced provisions of Fixed Term Employment (FTE).
- FTE would be eligible for gratuity, if he renders service under the contract for a period of one year.
- New feature of "Recognition of Negotiating Union" or 'negotiating council' introduced.
- In case of multiple trade unions, the trade union with support of at least 51% of workers on the muster roll of that establishment will be recognised as the sole negotiating union by the employer.
- An industrial disputes can be voluntarily referred to arbitration by the employer as well as the workers. The parties to the dispute are required to execute a written agreement referring the dispute to an arbitrator.
- Definition of Industrial Dispute is modified to include the dispute arising out of discharge, dismissal, retrenchment or termination.
- Employee can raise Industrial dispute with the employer within the time limit of only 2 years instead of earlier 3 years.
- Notice of Strike to be served 14 days before going on strike.
- In case any worker is suspended by the employer pending investigation or inquiry, the amount of subsistence allowance is payable at 50% of the wages for the first 90 days of suspension and 75% of wages for the remaining period.

➤ The Code on Social Security (CSS), 2020

- Definition of wages and related provisions is revised same as that of the Code on Wages.
- Principal employer is responsible for ensuring deduction of employee contribution from salary and depositing same to EPFO along with employer contribution, in case of Contract / Outsourced employees.
- Fixed Term Employment is covered for payment of Gratuity.
- Any employment less than 90 days etc. is required to be notified the vacancies to career centres electronically or otherwise.

➤ The Occupational Safety, Health and Working Conditions Code (OSHWCC), 2020

- Key definitions of term Banking Company is inserted among others.
- Code provides single registration for an establishment instead of multiple registrations. This will design a centralized database and develop an ease of doing business.
- Appointment letter made Statutory.
- Principal employer to provide welfare facilities, where the contract / outsource labour is deployed.
- Principal employer shall be liable to ensure payment of wages to the contract / outsourced employees.

We will get more clarity about these codes on Banking business prospective, when the Rules on the Code on Social Security, 2020, the Industrial Relations Code, 2020 & the Occupational Safety, Health and Working Conditions Code, 2020, will be published, especially when the term Banking Company is inserted in Definitions of OSHWCC.

- **The Code on Wages (CW), 2019**
- **The Code on Wages (Central) (Draft) Rules, 2020**

Draft Rule	Point
Rule-3	Calculation of Rate of Minimum Wages
Rule-4	**The Minimum rates would be fixed by the Central Govt. by dividing each geographical area into three categories: – metropolitan area, non - metropolitan area, and rural area**
Rule-5	The Dearness Allowance (DA) would be revised once before 1st April and then before 1st October in every year on the minimum wages payable to the employees
Rule-6	Working hours - The normal working day shall be comprised of eight hours of work and one or more intervals of rest which in total shall not exceed one hour with spread over of not more than 12 hours on any day inclusive of the interval of rest
Rule-7	Weekly holiday - An employee shall be allowed a day of rest every week which shall ordinarily be Sunday but with an option to the employer to fix any other day of the week as the rest day

Rule-11	**The Central Government would fix a national Floor Wage** by considering the minimum living standards including the food, clothing, housing and any other factors in consultation with State Govts. The Government may revise floor wages thus fixed at an interval not exceeding five years. Under no circumstance, the respective Government can fix a Minimum wage rate which is lower than the floor wage determined by the Central Government. However, if the existing minimum wages fixed by the appropriate Government is higher than the floor wage, they cannot reduce the minimum wages.
Chapter-IV (Rule 13-20)	This chapter prescribes various compliances for Payment of Wages including deductions, recovery, exhibition of notice, intimation to Inspector-cum-Facilitator, etc.
Chapter-V (Rule 21-27)	Payment of Bonus - (i) Calculation of set on or set off for the sixth & seventh accounting year as per Schedule A, (ii) Computation of gross profits as per Schedule C, (iii) Further Deductions from Gross Profits as per Schedule B
Chapter-VII	**Any amount (payment / claim) due to an employee, which is not paid / not able to pay (Employee not traceable / Death / nominee not available, etc.), shall be deposited by the employer with the Chief Labour Commissioner (C) having jurisdiction with in 3 months (in case of bonus it is 6 months)**
Rule-55	Fixing responsibility for timely payment of wages to the contract employees on the principal employer
Rule-56	**Where the contractor fails to pay minimum bonus to his / her employee, the Principal employer shall be responsible for such payment.**
Schedule E	Categorization of occupations of the employees into four: – unskilled, semi-skilled, skilled, and highly skilled
At present altogether 10 Registers are to be maintained with respect to the 4 acts, which is consolidated to make the Code on Wages, 2019. Now with the new Code on wages, there are only 2 Registers; (1) Register of Wages, Overtime, Fines, Deductions for damage and loss under Form-I (2) Employee Register under Form-IV.	
And only a single return to be filed, that covers all the components under the 4 different acts.	

Web portal "Shram Suvidha"- a One-Stop-Shop for Labour Law Compliance

- For better implementation of the provisions of new Codes, the **Ministry of Labour & Employment has started a web portal "Shram Suvidha", a One-Stop-Shop for Labour Law Compliance,** with an objective to consolidate information of Labour Inspection and its enforcement. which will lead to transparency and accountability in inspections, reduce complexity, better compliance, and also to help both the employers and workers.
- **The compliances would be reportable in Single Harmonized Form which will make it simple and easy for those filing such forms.**
- **It also promotes the use of a common Labour Identification Number (LIN) by all Implementing agencies.**

We may need to do…

- Registration at Shram Suvidha web portal and obtain LIN
- Ensure all type of our outsourced work owners / contractors are registered at Shram Suvidha web portal and obtained LIN
- While issuing any type of outsource work / contract work, suitable measures to be taken for recovery from the contactor for any unpaid payments / bonus payments to the contract / outsourced employees, if the contactor fails to pay.
- Ensure timely deposit of amount (payment / claim) due to an employee, which is not paid / not able to pay (Employee not traceable / Death / nominee not available, etc.) with the Chief Labour Commissioner (C) having jurisdiction, to avoid legal complications and penalty.
- The aforementioned rule is applicable to all type of employees, job workers, workers engaged through outsource / contractor, hence as principal employee Bank should ensure deposit of the amount on time by the outsourced work owners / contractors.
- All business users should ensure statutory payments viz. Employees Provident Fund, Employee State Insurance Corporation contributions are timely made by the outsourced work owners / contractors, with support of proof, before making bill payments to outsourced work owners / contractors.
- Explore extended use of HR Connect for compliance of new code/s provisions, e.g. for monitoring / maintaining records of amount (payment / claim) due to an employee, which is not paid / not able to pay (Employee not traceable / Death / nominee not available, etc.)
- All business users should watch out for issuance of relevant Central / State specific / Business specific rules by the Central and State Governments.
- All business users like HR, Office Administration, Accounts, IT, Legal, Security, etc. must use this time in hand to familiarise themselves with the new labour code for evaluating the potential impact on their operational area.

❖❖❖

Jeevan V L
AGM (HR)
Head Office, Baroda

भारत की बैंकिंग प्रणाली की चुनौतियाँ

हम जानते हैं कि कई बड़े ऋणकर्ताओं ने भारतीय बैंकों को करोड़ों का नुकसान पहुंचाया है. वास्तविक रूप में धोखाधड़ी कई लाख करोड़ रुपए के आँकड़े में है. एनपीए का एक बहुत बड़ा हिस्सा कॉर्पोरेट जगत की फर्मों को प्रदान किया गया है. यहाँ यह स्पष्ट कर देना अत्यंत आवश्यक है कि खुदरा उधारकर्त्ताओं द्वारा किये गए डिफ़ॉल्ट का मूल्य इन बड़ी शेयरधारक कंपनियों और उद्योग जगत के बड़े-बड़े घरानों की तुलना में बहुत कम है. इससे यह स्पष्ट है कि डिफॉल्टर्स द्वारा बैंकिंग सिस्टम का शोषण किया जा रहा है. ये बेईमान उधारकर्त्ता बैंकिंग प्रणाली में विद्यमान अक्षमता का दुरुपयोग कर इस काम को अंजाम देते हैं. पिछले कुछ समय से चर्चा का विषय बनी ये अनर्जक आस्तियां अथवा एनपीए का देश की अर्थव्यवस्था पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है.

क्या हैं अनर्जक आस्तियां?

अनर्जक आस्तियों से तात्पर्य ऐसे ऋण से है, जिसका लौटना संदिग्ध हो. बैंक अपने ग्राहकों को जो ऋण देता है वह उसे अपने खाते में संपत्ति के रूप में दर्ज़ करता है, परन्तु यदि किसी कारणवश बैंक को यह आशंका होती है कि ग्राहक यह ऋण नहीं लौटा पाएगा, तो ऐसी संपत्ति को ही अनर्जक संपत्ति कहा जाता है. यह किसी भी बैंक की वित्तीय अवस्था को मापने का पैमाना है. यदि इसमें वृद्धि होती है, तो यह बैंक के लिये चिंता का विषय बन जाता है.

अनर्जक आस्तियां (एनपीए) किसी भी अर्थव्यवस्था के लिये बोझ होती हैं. ये देश की बैंकिंग अर्थव्यवस्था को रुग्ण बनाती हैं. गौरतलब है कि पिछले कुछ वर्षों से 'बैड लोन' और 'बैड एसेट' (ख़राब आस्तियां) में बेतहाशा वृद्धि हुई है. विदित हो कि 'अनर्जक आस्तियां', बैड लोन और बैड एसेट से ही मिलकर बनती हैं. बैड लोन से बैंकों के लाभांश में कमी आती है, फलस्वरूप बैंक के लिये ऋण देना मुश्किल हो जाता है. जब बैंकों के लिए ऋण देना मुश्किल हो जाता है, तो फिर निवेश में कमी आने लगती है और जब निवेश में कमी आने लगे तो अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर पर प्रतिकूल प्रभाव देखने को मिलता है. इस प्रकार से एनपीए किसी भी अर्थव्यवस्था के लिये बड़ी चिंता का विषय है.

यदि किसी बैंक ने किसी संस्था को ऋण दिया था तब तो परिस्थितियाँ ऐसी थीं कि संस्था द्वारा ऋण राशि को चुकाया जाना आसान लग रहा था. लेकिन बाद में प्रतिकूल परिस्थितियों में संस्था ऋण चुकाने में असमर्थ हो गई. यदि बैंक उसे वित्तीय संकटों से उबारने के उद्देश्य से और ऋण देता है, तो इस बात का डर लगातार बना रहता है कि कहीं बाद में दिया गया ऋण भी न डूब जाए. स्पष्ट है कि एनपीए को पूरी तरह से खत्म करना संभव नहीं है. लेकिन दो ऐसे क्षेत्र हैं, जिनमें संरचनात्मक सुधार करके निश्चित रूप से इस स्थिति में सुधार लाया जा सकता हैं: पहला है पब्लिक सेक्टर बैंक का प्रबंधन करके और दूसरा जाँच एजेंसियों द्वारा बैंक धोखाधड़ी के मामलों को संभालने से संबंधित है.

एनपीए का प्रबंधन:

यदि लेनदारों द्वारा तय समय पर ऋण नहीं चुकाया जाता है, तो बैंक ऋण के बदले गिरवी रखी गई संपत्ति को ज़ब्त कर सकता है और फिर उस संपत्ति को बेच सकता है. एनपीए की गंभीर होती समस्या के समाधान के लिये भारतीय रिज़र्व बैंक ने सामरिक ऋण पुनर्गठन योजना शुरू की थी. एसडीआर के तहत, यदि कोई कंपनी या संस्था ऋण नहीं चुका पा रही है, तो उस डिफॉल्टर कंपनी के प्रबंधन में बैंक बड़ी भूमिका निभा सकते हैं. यहाँ तक कि एसडीआर योजना के तहत बैंक, कंपनी के प्रमोटरों को भी बदल सकते हैं. बैंक, बैड लोन का पुनर्गठन भी कर सकते हैं, जिससे कि लेनदारों को उधार चुकाना थोड़ा आसान हो जाए. बैंक, अनर्जक आस्तियों को डिस्काउंट पर परिसंपत्ति पुनर्गठन कंपनियों को बेचकर भी स्वयं का ऋण चुकता कर सकते हैं.

एनपीए के प्रबंधन की राह में निहित बाधाएं:

आस्तियों की ज़ब्ती के माध्यम से स्वयं का ऋण चुकता करना बैंकों के लिये प्रायः फायदेमंद नहीं होता, क्योंकि ज़ब्त की गई आस्तियों को प्रायः कम दाम पर बेचना पड़ता है, जो कि दिये गए ऋण की तुलना में बहुत ही कम होती है. अनर्जक आस्तियों के पुनर्गठन में दो समस्याएँ आती हैं. पहला हो सकता है बैंक के प्रबंधक ने अवैध तरीके से कंपनियों की अनर्जक आस्तियों का मूल्य बहुत ही कम कर दें, ताकि वे अवैध लाभ कमा सकें. दूसरी समस्या यह है कि यदि अनर्जक आस्तियों को डिस्काउंट दर पर बेचा जाता है, तो सीधे इसका प्रतिकूल प्रभाव बैंकों के लाभांश पर देखने को मिलेगा.

बेसल नियम:

स्विट्ज़रलैंड में एक शहर है बेसल जहाँ अंतर्राष्ट्रीय निपटान ब्यूरो (बीआईएस) का मुख्यालय भी है. बीआईएस, केंद्रीय बैंकों के बीच वित्तीय स्थिरता के समान लक्ष्य और बैंकिंग नियमों के आम मानकों के साथ सहयोग को बढ़ावा देता है. बैंकिंग पर्यवेक्षण पर बासेल समिति द्वारा बैंकों और वित्तीय प्रणाली के लिये जोखिम संबंधी केंद्रित समझौतों के सेटों को बासेल नियम कहा जाता है.

बेसल नियम का उद्देश्य:

बेसल का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि दायित्वों को पूरा करने और अप्रत्याशित हानि को सहन करने के लिये वित्तीय संस्थानों के पास पर्याप्त पूंजी होनी चाहिये. भारत ने अपनी बैंकिंग प्रणाली के लिये बासेल नियमों को स्वीकार किया है. अब तक तीन बासेल नियम (1, 2, 3) जारी हो चुके हैं.

बेसल-3 की समय-सीमा में वृद्धि:

बैंकों की अनर्जक संपत्तियों के अस्वीकार्य स्तर (बहुत अधिक) पर पहुँचने की स्थिति को देखते हुए वित्त मंत्रालय, बैंकों में बेसल-3 नियमों को लागू करने की समय-सीमा को आगे बढ़ाने के

पक्ष में है. वित्त मंत्रालय का कहना है कि बैंकों को इस समस्या से निपटने के लिये काफी पूंजी की आवश्यकता होगी. रिज़र्व बैंक बेसल–3 पूंजी नियमों को चरणबद्ध तरीके से लागू कर रहा है तथा इन नियमों को 31 मार्च, 2019 तक पूर्णतः लागू किया जाना था. बासेल–3 नियमों की समय–सीमा बढ़ा देने से बैंकों को अपनी पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद मिलेगी और उत्पादक क्षेत्रों को अधिक ऋण दिया जा सकेगा.

बैड बैंक:

जब किसी बैंक की अनर्जक आस्तियां सीमा से अधिक हो जाती हैं, तब राज्य के आश्वासन पर एक ऐसे बैंक का निर्माण किया जाता है, जो मुख्य बैंक की देयताओं को एक निश्चित समय के लिये धारण कर लेता है. बैड बैंक एक आर्थिक अवधारणा है,

जिसके अंतर्गत आर्थिक संकट के समय घाटे में चल रहे बैंकों द्वारा अपनी देयताओं (एसेट्स) को एक नए बैंक को स्थानांतरित कर दिया जाता है. बैड बैंक कर्ज़ में फंसे बैंकों की राशि को खरीद लेगा और उससे निपटने का काम भी इसी बैंक का होगा.

बैड बैंक का सिद्धांत:

बैड बैंक या एआरसी (एसेट रीकन्सट्रक्शन कंपनी) परिसंपत्ति पुनर्गठन कंपनियों की तरह काम करेगा. बैड बैंक एक ऐसा बैंक होगा, जो दूसरे बैंकों के डूबते कर्ज़ को खरीदेगा. बैड बैंक का नाम 'पब्लिक सेक्टर एसेट रिहैबिलिटेशन एजेंसी' यानी पीएआरए होगा और यह प्रयोग जर्मनी, स्वीडन, फ्रॉन्स जैसे देशों में सफल रहा है. दरअसल, बैंकों (खासकर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों) की अनर्जक आस्तियां तेज़ी से बढ़ी हैं. बैड बैंक के आने से दूसरे बैंकों से डूबते कर्ज़ को वसूलने का दबाव हट जाएगा. दूसरे बैंक नए ऋण देने पर ध्यान केन्द्रित कर पाएंगे. बैंकों को अपने डूबते कर्ज़ बैड बैंक को बेचने की सुविधा मिलेगी. डिफॉल्टर कंपनियों की संपत्ति बेचने के काम में तेज़ी आएगी. बैंक अधिकारी आस्तियों की ज़ब्ती की जगह बैंकिंग गतिविधियों को सुचारु ढंग से चला पाएंगे.

बैड बैंक की समस्याएं:

बैड बैंक की स्थापना में सबसे बड़ी समस्या बैंक में हिस्सेदारी को लेकर है. यह जानना दिलचस्प है कि समस्या निजी और सार्वजनिक दोनों ही क्षेत्रों के अधिकतम भागीदारी से है. बैंकों की अनर्जक आस्तियां इतनी अधिक हो गई हैं कि बैड बैंक के माध्यम से इनकी खरीद पर सरकार को उल्लेखनीय व्यय करना पड़ सकता है. साथ ही, एक सरकारी बैड बैंक को उन्हीं समस्याओं का सामना करना पड़ेगा जिनका सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक अनर्जक आस्तियों के सन्दर्भ में कर रहे हैं.

यदि बैड बैंक को निजी क्षेत्र के हवाले कर दिया गया, तो सबसे बड़ी समस्या अनर्जक आस्तियों के मूल्य को लेकर हो सकती है. निजी क्षेत्र का बैड बैंक अपने लाभ को ध्यान में रखते हुए अनर्जक आस्तियों का मूल्य तय करेगा.यदि यह मूल्य बहुत अधिक हुआ, तो बैड बैंक का कोई अर्थ नहीं रह जाएगा और यदि यह मूल्य बहुत ही कम हो गया, तो बैंकों को उनकी ऋण देयता के अनुपात में राशि नहीं मिल पाएगी. आर्थिक विशेषज्ञों द्वारा इस समस्या के समाधान हेतु निम्नलिखित पक्षों पर ध्यान केंद्रित किया गया है–

सर्वप्रथम, शीर्ष अधिकारियों की नियुक्ति और चयन व्यवस्था में बदलाव किये जाने की आवश्यकता है. इसके अंतर्गत कार्यकारी निदेशकों, बोर्ड के सदस्यों से लेकर अध्यक्ष तक सबके संदर्भ में बदलाव किये जाने की आवश्यकता है. इस परिवर्तन का आधार यह है कि शीर्ष स्तर पर मौजूद कोई भी व्यक्ति एक संगठन को बना भी सकता है और उसे बर्बाद भी कर सकता है. शीर्ष प्रबंधन की गुणवत्ता पीएसबी की मुख्य समस्याओं में से एक है. इसका सबसे अहम् कारण यह है कि चयन प्रक्रिया में राजनीतिक हस्तक्षेप बहुत अधिक होता है, जिसके चलते एक निष्पक्ष चुनाव नहीं हो पाता है.

ऐसे में राजनीतिक दबाव की स्थिति में ऐसे अधिकारी बिना किसी उचित क्रेडिट मूल्यांकन के ही ऋण को मंज़ूरी दे देते हैं. ज़ाहिर सी बात है ऐसे बहुत से ऋण आगे चलकर एनपीए बन जाते हैं. हाल की बहुत सी घटनाओं में यह बात सामने आई है. स्पष्ट रूप से व्यावहारिक रूप से बैंकों में कोई जवाबदेही प्रणाली मौजूद नहीं है, जो एनपीए की समस्या को बढ़ावा देने में एक भूमिका निभाती है.

1. इंद्रधनुष योजना : देश के सरकारी बैंकों की हालत सुधारने के लिये सरकार ने वर्ष 2015 में एक सात सूत्रीय इंद्रधनुष योजना बनाई थी.

'इंद्रधनुष' योजना का उद्देश्य चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता लाना, एनपीए में कमी करना और बैंकों का प्रदर्शन सुधारना है. 'इंद्रधनुष' के अंतर्गत, पुनर्पूंजीकरण के उपाय किये जा रहे हैं और अनर्जक आस्तियों (एनपीए) को कम करने में मदद की जा रही है.

'इंद्रधनुष' के 7 सूत्र इस प्रकार हैं:

- नियुक्तियाँ.
- बैंक बोर्ड ब्यूरो.
- पूंजीकरण.
- सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों पर दबाव हटाना.
- सशक्तीकरण.
- जवाबदेही की योजना बनाना.
- प्रशासनिक सुधार: वरिष्ठ कर्मचारियों को आवश्यक ट्रेनिंग उपलब्ध कराना

2. मूल्यांकन प्रकिया: दूसरे कदम के तौर पर वरिष्ठ बैंक कर्मचारियों के लिये मूल्यांकन परियोजना के तहत, आवश्यक प्रशिक्षण सुनिश्चित किया जाना चाहिये. नियमित बैंकिंग परिचालन की अपेक्षा वित्तीय परियोजनाओं में विभिन्न तरह के कौशल की आवश्यकता होती है.

यहाँ पर अधिकांश लेंडिंग बैलेंस शीट के माध्यम से होता है जिसकी अपनी समस्याएँ होती हैं. कुछ मामलों में यह देखा गया है कि ऐसे शाखा प्रबंधक या अधिकारी, जिनका कॅरियर ज्यादातर शाखा स्तर पर ही आधारित या निर्भर होता है, वे बगैर किसी विशिष्ट जाँच–पड़ताल के बड़े ऋण को पास कर देते हैं. भले ही कितनी ही ईमानदारी और नेक नियति से काम का प्रबंधन किया जाए लेकिन आवश्यक कौशल के अभाव में ऋण को एनपीए में परिवर्तित होने से नहीं रोका जा सकता है. इसके लिये ज़रूरी है कि बैंकिंग व्यवस्था के प्रत्येक स्तर पर नियमित प्रशिक्षण की व्यवस्था की जानी चाहिये.

3. सतर्कता को सुदृढ़ बनाना:

तीसरा कदम सतर्कता विभागों को सुदृढ़ करने का होना चाहिये. वर्तमान समय में पीएसबी में कोई प्रभावी सतर्कता तंत्र मौजूद नहीं है.सतर्कता विभाग द्वारा केवल छोटे–छोटे मामलों के संदर्भ में कार्यवाही की जाती है, जहाँ कई मध्य–स्तर या जूनियर अधिकारियों को छोटी प्रक्रियात्मक चूक के लिये दंडित किया जाता है. लेकिन, इसके इतर भले ही शीर्ष अधिकारियों के स्तर पर कितनी बड़ी चूक क्यों न हुई हो, सतर्कता विभागद्वारा उनके संबंध में शायद ही कभी कोई रिपोर्ट दर्ज़ की जाती है. स्पष्ट रूप से सतर्कता विभाग को सुदृढ़ किये जाने की दिशा में कार्य किया जाना चाहिये, ताकि प्रबंधन

के स्तर पर होने वाली चूक को समय रहते सुधारा जा सके और किसी बड़ी परेशानी से बचा जा सके.

4. समयबद्ध जाँच की व्यवस्था की जानी चाहिये:

इस संबंध में चौथा कदम समयबद्ध जाँच की व्यवस्था होनी चाहिये. बड़े स्तर पर एनपीए के कुछ मामले ऐसे भी हैं जो सार्वजनिक डोमेन में हैं या जहाँ जान-बुझकर चूक किये जाने के प्रमाण मौजूद हैं, ऐसे मामलों को केंद्रीय जाँच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप देना चाहिये, ताकि निष्पक्ष एवं समयबद्ध जाँच की जा सके. कई मामलों में ऐसा भी होता है, जहाँ बैंकों द्वारा कार्यवाही किये जाने में इतना अधिक समय लग जाता है कि या तो तब तक कई गवाह सेवानिवृत्त हो चुके होते हैं या फिर उनकी मृत्यु हो जाती है अथवा उस पूरे मामले को ही भुला दिया जाता है. यहाँ सबसे अधिक ज़रूरी है कि यह अनिवार्य कर देना चाहिये कि कोई भी मामला दो साल के भीतर समाप्त हो जाना चाहिये. असाधारण (अधिक जटिल मामलों) स्थितियों में, इस समय-सीमा को तीन साल तक बढ़ाया जा सकता है.

5. जवाबदेही को बढ़ाना:

पाँचवां, किसी भी पीएसबी का मालिकाना हक़ सरकार के पास होता है और इसके प्रबंधन में भी सरकार की भूमिका बहुत अहम् होती है. आम तौर पर, बैंक बोर्ड की बैठकों में सरकार का प्रतिनिधित्व वित्त मंत्रालय के नौकरशाहों द्वारा किया जाता है. यह कोई अनिवार्य घटक नहीं है कि इन अधिकारियों के पास बैंकिंग व्यवस्था से संबंधित अनुभव या ज्ञान होना आवश्यक हो. ऐसे में इनके द्वारा लिये जाने वाले निर्णय और की जाने वाली कार्यवाही की जवाबदेहिता का प्रश्न बहुत अहम् हो जाता है. इसमें कोई दो राय नहीं है कि ये अधिकारी अद्भुत व्यक्तित्व के स्वामी हों अथवा दूसरे क्षेत्रों में अनुभव असाधारण रहा हो लेकिन, जब तक ये बैंकिंग और वित्तीय सेवाओं के विषय में प्राथमिक सबक सीखते हैं, तब तक या तो इनकी सेवा समाप्ति का समय हो जाता है या फिर इनका स्थानान्तरण हो जाता है.

एनसीएलटी (प्रतिभूति हित प्रवर्तन एवं ऋणों की वसूली) कानून एवं विविध प्रावधान (संशोधन) कानून, 2016

इस कानून के तहत, बैंकों को ऋण अदायगी नहीं किये जाने पर गिरवी रखी गई संपत्ति को कब्ज़े में लेने का अधिकार दिया गया है. खेती की ज़मीन को इस कानून के दायरे से बाहर रखा गया है. शिक्षा ऋण की अदायगी में हुई चूक को बट्टे खाते में नहीं डाला जाएगा तथा इसकी वसूली में 'सहानुभूति का दृष्टिकोण' अपनाया जाएगा. उपरोक्त कानून के ज़रिये चार मौजूदा कानूनों- **1.** प्रतिभूतिकरण एवं वित्तीय संपत्तियों का पुनर्गठन एवं प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 (सरफेसी कानून), **2.** ऋण वसूली न्यायाधिकरण अधिनियम 1993, **3.** भारतीय स्टांप शुल्क अधिनियम, 1899 और **4.** डिपॉजिटरी अधिनियम, 1996 के कुछ प्रावधानों में संशोधन किये गए हैं, ताकि ऋण वसूली की व्यवस्था को और कारगर बनाया जा सके.

अन्य उपाय:

स्पष्ट रूप से सिस्टम को बदलने की ज़रूरत है. इसका एक तरीका यह हो सकता है कि मंत्रालय के अंतर्गत अधिकारियों को नियुक्त करने और उन्हें बैंकिंग एवं वित्तीय सेवाओं में प्रशिक्षण प्रदान करने का एक व्यवस्थित तरीका होना चाहिये. इसके अतिरिक्त बैंकिंग व्यवस्था के तहत, पेशेवरों को शामिल किये जाने पर बल दिया जाना चाहिये, ताकि बैंकिंग कार्यप्रणाली में आवश्यक विशेषज्ञता को शामिल किया जा सके.

अंत में नियामक के रूप में भारतीय रिज़र्व बैंक को प्रमुख भूमिका निभानी होगी. स्पष्ट रूप से यह किसी भी धोखाधड़ी की घटना के तुरंत बाद कुछ निश्चित उपायों की घोषणा करके अपनी नियामकीय ज़िम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकता है. जब कभी जमाकर्ताओं के पैसे की सुरक्षा की बात आती है, तो आरबीआई के पास बैंक बोर्ड को बदलने संबंधी पर्याप्त शक्तियाँ मौजूद हैं. अत: इस समस्या के संदर्भ में आरबीआई की भूमिका बहुत महत्त्वपूर्ण होती है.

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के लिये आगे की राह

इस संदर्भ में देश की वर्तमान स्थिति और आवश्यकताओं को मद्देनज़र रखते हुए तीन बिंदुओं पर विशेष रूप से ध्यान देने की ज़रूरत है.

1. सर्वप्रथम, जहाँ सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के पास इक्विटी पूंजी की किल्लत है वहीं उन्हें सरकार का समर्थन भी हासिल है. जिसके परिणामस्वरुप उनके पास कारोबार की कमी नहीं है.
2. ग्राहक सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों पर भरोसा करते हैं. इस भरोसे के दम पर ही ग्राहकों से मिलने वाले सस्ते जमा के तौर पर बैंकों को भारी मात्रा में सब्सिडी प्राप्त होती है.
3. निजी बैंकों की अपेक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की संगठनात्मक क्षमताएँ काफी भिन्न होती हैं. उदाहरण के तौर पर भारतीय स्टेट बैंक तथा बैंक ऑफ बड़ौदा का संचालन काफी बेहतर तरीके से होता है, यही कारण है कि वह निजी क्षेत्र के बैंकों से भी बेहतर कार्य करते हैं. वहीं दूसरी ओर बहुत से ऐसे भी बैंक हैं, जिनकी प्रबंधन प्रणाली बेहद जीर्ण है.

सरकारी एजेंसियों tripple C (सीबीआई, सीवीसी और सीएजी) की कार्य प्रक्रियाओं में भी महत्त्वपूर्ण बदलाव किये जाने चाहिये ताकि वर्तमान आवश्यकताओं के संदर्भ में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की कार्यप्रणाली एवं प्रबंधन व्यवस्था को और अधिक कारगर बनाया जा सके. निम्न क्षमता वाले सार्वजनिक बैंक के संदर्भ में यह व्यवस्था की जानी चाहिये कि वह अपने बकाया कर्ज़ को खुली नीलामी के ज़रिये बेच सके. इसके लिये परिसंपत्ति पुनर्गठन कंपनियों (एआरसी) के विशेष दर्जे को खत्म करना बेहद ज़रूरी है, ऐसा इसलिये ताकि कोई भी वित्तीय निवेशक इन आस्तियों की खरीद के लिये समान स्तर पर बोली लगा सके. इसके अतिरिक्त, निजी इक्विटी फंड और ऋणग्रस्त परिसंपत्ति फंडों का एक बड़ा पूल तैयार किया जाना चाहिये, ताकि इन बॉन्ड या बकाया कर्जों की खरीद में प्रतिस्पर्द्धा का माहौल तैयार किया जा सके. इससे सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की मूल्य वसूली और अधिक बेहतर हो सकेगी.

निष्कर्ष:

भारत की बैंकिंग प्रणाली ऐसी चुनौती भरी पृष्ठभूमि में अपेक्षाकृत लंबे समय से कार्य कर रही है, जिसके कारण सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की आस्ति गुणवत्ता, पूंजी पर्याप्तता तथा लाभ पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है. इनके मद्देनज़र सरकार सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में वैश्विक जोखिम मानदंडों के अनुरूप उनकी पूंजी ज़रूरतों को पूरा करने और क्रेडिट ग्रोथ को बढ़ावा देने के लिये पूंजी लगा रही है. यह भी स्पष्ट है कि एनपीए को कम करने का उपाय उसके मर्ज़ में छिपा है. बैंक में व्याप्त अंदरूनी तथा अन्य खामियों का इलाज, बैंक के कार्यकलापों में बेवज़ह दखलंदाज़ी पर रोक, मानव संसाधन में बढ़ोतरी आदि की मदद से बढ़ते एनपीए पर निश्चित रूप से काबू पाया जा सकता है.

❖❖❖

आर के सिन्हा
मुख्य प्रबंधक
पंजाबी बाग़ शाखा
पश्चिमी दिल्ली क्षेत्र

स्थापना दिवस / FOUNDATION DAY

बैंक का 113वां स्थापना दिवस समारोह देश-विदेश में फैले हमारे सभी कार्यालयों/ शाखाओं में धूम-धाम से मनाया गया. विभिन्न अंचलों, क्षेत्रीय कार्यालयों तथा प्रशासनिक कार्यालयों द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की झलकियाँ हम पाठकों की जानकारी के लिए प्रस्तुत कर रहे हैं - संपादक

अंचल एवं क्षेत्रीय कार्यालय, नई दिल्ली

बैंक के 113 वें स्थापना दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण सहित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया. इस अवसर पर महाप्रबंधक (मुख्य समन्वयन) श्री आर के मिगलानी, अंचल प्रमुख श्रीमती सम्मिता सचदेव, महाप्रबंधक (सरकारी कारोबार, नई दिल्ली), उप अंचल प्रमुख श्री आर.पी. बब्बर, सहायक महाप्रबंधक श्री शशि मोहन, क्षेत्रीय प्रमुख (दिल्ली मेट्रो क्षेत्र-2) श्री संजय वर्मा तथा अन्य कार्यपालक एवं स्टाफ सदस्य उपस्थित.

अंचल एवं क्षेत्रीय कार्यालय, पुणे

अंचल एवं क्षेत्रीय कार्यालय, पुणे द्वारा बैंक के 113वें स्थापना दिवस के अवसर पर अंचल प्रमुख श्री के के चौधरी ने निर्बाध बैंकिंग सेवाएँ प्रदान करने हेतु अंचल/ क्षेत्रीय कार्यालय के विभिन्न स्टाफ सदस्यों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया. इस अवसर पर सेवानिवृत्त मुख्य महाप्रबंधक श्री के वी तुलसीबागवाले को भी सम्मानित किया गया. इस कार्यक्रम में वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

अंचल एवं क्षेत्रीय कार्यालय, अहमदाबाद

अहमदाबाद अंचल एवं अहमदाबाद क्षेत्र-2 में अंचल प्रमुख श्रीमती अर्चना पांडेय की अध्यक्षता में बैंक के 113वें स्थापना दिवस पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया. इस अवसर पर सम्मान समारोह के साथ वृक्षारोपण भी किया गया. इस कार्यक्रम में उप अंचल प्रमुख श्री मोतीलाल मीणा, गुजरात पुलिस के अधिकारी, क्षेत्रीय प्रमुख श्री गंगा सिंह, अहमदाबाद क्षेत्र-1 तथा क्षेत्रीय प्रमुख श्री संजय चौधरी, अहमदाबाद क्षेत्र-2 भी उपस्थित रहे.

अंचल कार्यालय, लखनऊ

बैंक के 113 वें स्थापना दिवस के अवसर पर लखनऊ अंचल में रंगोली प्रतियोगिता, स्टाफ सदस्यों एवं उनके बच्चों द्वारा गीत, कविता एवं नृत्य प्रस्तुति सहित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया. इन कार्यक्रमों में अंचल प्रमुख श्री ब्रजेश कुमार सिंह, उप अंचल प्रमुख श्री अजय प्रताप सिंह, उप महाप्रबंधक द्वय श्री बी एस लुथरा एवं श्री ए के सिंह, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे. साथ ही अंचल प्रमुख श्री ब्रजेश कुमार सिंह द्वारा विभूति खंड पुलिस कार्यालय में वृक्षारोपण भी किया गया.

अंचल एवं क्षेत्रीय कार्यालय, भोपाल

113वें स्थापना दिवस के अवसर पर अंचल एवं क्षेत्रीय कार्यालय, भोपाल द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए. इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री सुरेन्द्र शर्मा, उप अंचल प्रमुख श्री प्रमोद शर्मा, भोपाल उत्तर क्षेत्र प्रमुख श्री आर सी यादव सहित अंचल व क्षेत्रीय कार्यालय के स्टाफ़ सदस्य उपस्थित रहे.

अंचल कार्यालय, चंडीगढ़

बैंक के स्थापना दिवस के अवसर पर अंचल कार्यालय, चंडीगढ़ द्वारा व्यवसाय वृद्धि में सहयोग देने हेतु व्यवसाय प्रतिनिधि श्री देविन्दर पाल सिंह को सम्मानित किया गया. इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री एम.एल. रोहिल्ला, उप अंचल प्रमुख श्री ओ पी खटकड़ तथा अन्य वरिष्ठ कार्यपालकगण उपस्थित रहे.

अंचल कार्यालय, मेरठ

113वें स्थापना दिवस के अवसर पर अंचल कार्यालय, मेरठ द्वारा श्री शैलेश कुमार पांडे, एसएसपी, बरेली एवं श्री सुभाष चंद्र गंगवेर, एसएसपी ट्रैफिक पुलिस को सम्मानित किया गया. इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री अमरनाथ गुप्ता एवं उप महाप्रबंधक श्री हरदीप सिंह उपस्थित रहे.

अंचल कार्यालय, पटना

अंचल कार्यालय, पटना द्वारा उप अंचल प्रमुख श्री नरेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में बैंक का 113वां स्थापना दिवस मनाया गया. इस कार्यक्रम में अंचल कार्यालय के स्टाफ सदस्यों को बैंक की ओर से स्मृति चिह्न भेंट किया गया. इस अवसर पर सहायक महाप्रबंधक श्री संजीव कुमार तथा अन्य स्टाफ उपस्थित रहे.

अंचल कार्यालय, मुंबई

113वें स्थापना दिवस पर अंचल प्रमुख श्री मधुर कुमार की अध्यक्षता में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम में पंजाब नेशनल बैंक के मुख्य प्रबंधक श्री चन्दन कुमार और मुंबई पुलिस को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया. इस अवसर पर उप अंचल प्रमुख श्री पीतबाश पटनायक एवं अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

Ernakulam Zone

On the occasion of 113th Foundation Day, Ernakulam Zone honoured the contributions made by Policemen, Paramedical staff, Medical staff, Sanitation worker. Shri K Venkatesan, Zonal Head presented shield to Shri S Kaliraj Mahesh Kumar S, IPS, Deputy Inspector General of Police, Kochi Range, Kerala. Shri Ziyad Rahuman, Dy Zonal Head and other staff members were also present on this occasion.

अंचल कार्यालय, कोलकाता

कोलकाता अंचल द्वारा बैंक के 113वें स्थापना दिवस पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम में अंचल प्रमुख श्री विनोद कुमार रेड्डी, उप अंचल प्रमुख श्री पी के दास, अन्य वरिष्ठ कार्यपालकगण एवं स्टाफ सदस्य माइक्रोसॉफ्ट टीम्स के माध्यम से उपस्थित रहे.

अंचल कार्यालय, बड़ौदा

बैंक का 113वां स्थापना दिवस अंचल प्रमुख श्री ए. कुमार खोसला की अध्यक्षता में मनाया गया. इस अवसर पर अंचल कार्यालय के स्टाफ सदस्यों को सम्मानित किया गया. कार्यक्रम में उप अंचल प्रमुख श्री पी एस नेगी तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

Zonal Office, Bengaluru

Police, Doctor, Paramedic and Sanitary Department personnel were honoured by the Bengluru Zone on the occasion of 113th Foundation Day. Executive Director Shri Ajay Khurana, Zonal Manager Shri S A Sudarsan, General Manager Smt. T M. Mini, Deputy General Manager Shri S K Rastogi, Shri Sunil Kumar Sinha were present on the occasion.

अंचल कार्यालय, राजकोट

बैंक के 113 वें स्थापना दिवस के अवसर राजकोट अंचल द्वारा ट्रैफिक पुलिस को सम्मानित किया गया. इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री संजीव डोभाल द्वारा हेड कांस्टेबल (ट्रैफिक) श्री बी के जाडेजा को स्मृति चिन्ह एवं शॉल से सम्मानित किया गया.

मानव जीवन का आभूषण - प्रकृति

सूर्य उदय हो रहा है और केसरिया आसमान से सूर्य की पहली किरण पानी से भरे गड्ढे में गिरती है. ऐसा दृश्य प्रतीत होता है मानो हीरा चमक रहा है. फूल महकने लगे हैं, पेड़ लहराने लगे हैं और हर रोज की तरह पंछी घोसले से निकल पड़े हैं दाना जुटाने को. परंतु इन सब चीजों को अनदेखा करता हुआ एक प्राणी जो इनसे भिन्न है, यह कोई और नहीं बल्कि सबसे सर्वोच्च प्राणी मनुष्य है. आज सूर्य उदय होना इसके जीवन की नई घटना नहीं, यह तो प्रयत्नरत है अपने सरल-से जीवन को जटिल बना देने वाली खोजों में. लेकिन यह यहीं संतुष्ट नहीं, शायद यह प्राणी आसमान के दूधियापन को, धरती के मैलेपन को और पानी के कोरेपन को रंगों से भर देना चाहता है और ये रंग होंगे सिर्फ इसके बनाए हुए. इन अथक प्रयासों में जुटा हुआ, सिर्फ सामने देख रहा है और भूल रहा है अपने अगल-बगल की दुनिया को. सच तो यह है कि इस प्राणी के पास एक मशीन है जो अन्य प्राणियों के पास नहीं है और इस मशीन का नाम है मस्तिष्क. इस मशीन के बल पर यह परिवर्तन चाहता है, हर एक उस चीज में जो यहां उसके जीवन में पहले विद्यमान है. परिवर्तन तो अच्छा होता है, क्या यह सत्य नहीं? परंतु परिवर्तन में भी संतुलन का होना आवश्यक है. यह जीवन तो एक गोले की तरह है जिस बिंदु से शुरू करेंगे वहीं आकर पूरा होता है. सब कुछ याद रखता हुआ भी मनुष्य कुछ भूल रहा है और वह भूल इसके लिए चुनौती न बन जाए.

मनुष्य का स्वभाव बन गया है अपने द्वारा बनाई गई बहुमूल्य वस्तुओं और आभूषणों को संभाल कर रखने का, मगर वह आभूषण जो बहुमूल्य होते हुए इसके लिए आवश्यक भी है उसी को यह नजरअंदाज कर रहा है. क्योंकि यह सोचता है सब सही रहेगा. यह इतना चतुर जो है. इसी तरह जिंदगी की भागम्-भाग और नई चाह में दिन-रात गुजर रहे हैं.

आज फिर सूर्य उदय हो रहा है, मगर मनुष्य के लिए यह कुछ अलग है क्योंकि सूर्य की किरण आज खिड़की से घर में आ गई और मनुष्य उस खिड़की से झांक कर सूर्य को देखने की कोशिश कर रहा है. आज पहली बार इसने महसूस किया कि हवा कितनी सुहानी है, मगर यह स्वतंत्र उसमें खड़ा नहीं हो सकता. आज झीलों का पानी इतना साफ और कोरा है कि तलहटी के कंकड़ के रंग साफ नजर आ जाएं, मगर वह नजारा यह देख नहीं सकता, क्योंकि मनुष्य ने स्वयं ही अपने हाथों से एक गहरी खाई खोद दी है, जिसका नाम है कोरोना वायरस. अगर एक कदम घर से बाहर निकाला तो शायद यह कोरोना वायरस नामक खाई इसको निगल ना जाए.

अब इसे रुकना है, देखने के लिए नहीं बल्कि महसूस करने के लिए कि कितना मन-भावन, कितना सुखमय था इसके जीवन का असली आभूषण, जिसकी इसने परवाह ही न की और वह है मानव जीवन का आभूषण प्रकृति.

वह प्रकृति जो असीमित रूप में फैली होकर भी संतुलित रूप में सिमटी हुई जीवंत थी. जो एक छोटे कण से लेकर विशाल पर्वत तक, एक कली से लेकर वृक्ष तक और न जाने कितने छोटे से लेकर बड़े जीव-जंतुओं को स्वतंत्रता प्रदान करती हुई उनको अपने विकास के दायरे में बांधे हुए थी. इसने तो मनुष्य को कभी अलग नहीं समझा, परंतु मनुष्य ने स्वयं को इससे अलग समझ लिया. जिस तरह एक परिवार का कोई सदस्य विमुख हो जाए तो परिवार का संतुलन बिगड़ जाता है, अंदर ही अंदर रिश्तो में खिंचाव हो जाता है और उसका परिणाम सुखमय नहीं होता, उसी भांति प्रकृति रूपी परिवार के अन्य सदस्यों की स्वतंत्रता भंग करने वाला यह सदस्य मनुष्य है, जिसने अपने स्वार्थ के लिए हर जीव- जंतु और जल, थल, पवन के संतुलन में हस्तक्षेप किया, परंतु प्रकृति कितना सहन करती. अब इस चक्र को घूम कर वापस आना था इसलिए प्रकृति ने मनुष्य की गलती की सजा मनुष्य को दी. अब केवल मनुष्य ही सीमा-रेखा में एक सीमित दायरे में है. बाकी अन्य जीव-जंतु, पशु-पक्षी, यहां तक कि जल और वायु भी स्वतंत्रता महसूस कर रहे हैं, जो सीमा-रेखा, पशु-पक्षियों के लिए मनुष्य ने खींची थी उसमें मनुष्य ही सिमट कर रह गया है और जंगली जानवर इतने स्वच्छंद महसूस कर रहे हैं कि वह मनुष्य से भरे शहरों की सूनसान गलियों में और सड़कों पर घूम रहे हैं. पानी मानो सदियों के बाद खुद में अपनी शक्ल देख रहा है. हवा ने तो जैसे मुद्दत के बाद सांस ली है. आज प्रकृति फिर से संतुलन में जुटी हुई खुशहाल नजर आती है. शायद यही समय है मनुष्य को अपने जीवन के इस आभूषण को पहचानने का, जो है मानव जीवन का आभूषण-प्रकृति.

❖❖❖

संदीप शर्मा,
वरिष्ठ प्रबंधक,
बड़ौदा अकादमी, लखनऊ

स्थापना दिवस

अंचल कार्यालय, जयपुर

जयपुर अंचल द्वारा बैंक के 113वें स्थापना दिवस पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया. इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री महेंद्र एस महनोत, उप अंचल प्रमुख श्री योगेश अग्रवाल, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

अंचल कार्यालय, हैदराबाद

बैंक के 113वें स्थापना दिवस पर हैदराबाद अंचल द्वारा पुलीस कर्मियों तथा सफाई कर्मियों को सक्रिय सेवा के लिए अंचल प्रमुख श्री पी श्रीनिवास द्वारा सम्मानित किया गया. इस अवसर पर उप अंचल प्रमुख श्री जे रामगोपाल, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

चुनौतियों में सदैव डटे रहें

– बी आर पटेल, महाप्रबंधक–मुख्य समन्वयन (सेवानिवृत्त)

श्री बी आर पटेल, महाप्रबंधक–मुख्य समन्वयन बैंक की सेवा से 30 अप्रैल, 2020 को सेवानिवृत्त हुए. अपनी लगभग 37 वर्षों की सुदीर्घ बैंकिंग सेवा के दौरान आपने बैंक में विभिन्न स्थानों पर महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वाह किया. अपनी सेवानिवृत्ति के समय आप महाप्रबंधक–मुख्य समन्वयन के रूप में प्रधान कार्यालय, बड़ौदा में ग्रामीण एवं कृषि बैंकिंग विभाग में अपनी सेवाएँ दे रहे थे. श्री शैलेंद्र कुमार, मुख्य प्रबंधक, ग्रामीण एवं कृषि बैंकिंग ने श्री पटेल से उनके व्यक्तिगत एवं पेशेवर जीवन के संबंध में बातचीत की. प्रस्तुत हैं, बातचीत के प्रमुख अंश.
– संपादक

कृपया अपनी पारिवारिक एवं शैक्षणिक पृष्ठभूमि के बारे में हमें कुछ बताएं.

मैं गुजरात के सूरत जिले के एक बहुत छोटे–से गाँव अछारन का मूल निवासी हूँ. साथ ही, मैं मध्यम वर्ग के कृषक परिवार से संबद्ध हूँ अर्थात् मेरे परिवार के जीविकोपार्जन का मुख्य स्त्रोत कृषि रहा है. मेरी आरंभिक पढ़ाई कक्षा सातवीं तक मेरे ही गाँव में हुई. इसके पश्चात कक्षा 8वीं से 10 वीं तक की पढ़ाई मैंने अपने गाँव से 2.5 किलोमीटर दूर एक अन्य गाँव में स्थित स्कूल से की. चूंकि मैं कृषक परिवार से हूँ, तो शुरू से ही कृषि में मेरी रुचि रही और मैंने अपने कॉलेज की पढ़ाई भी गुजरात कृषि विश्वविद्यालय, नवसारी से की. इसी के मद्देनजर मैंने स्नातकोत्तर की पढ़ाई भी ग्रामीण विकास में की. मेरे परिवार में 2 भाई व 2 बहनें हैं और हम शुरू से संयुक्त परिवार में ही पले–बढ़े हैं. वर्तमान में मेरे परिवार में मेरे भाई–बहनों के अतिरिक्त मेरी पत्नी व मेरे दो पुत्र हैं.

आपने बैंकिंग को कॅरियर के रूप में क्यों चुना?

मेरी पारिवारिक पृष्ठभूमि कृषि से संबद्ध रही है. इसी कारण मैंने अपनी स्नातक की पढ़ाई कृषि क्षेत्र में और स्नातकोत्तर की पढ़ाई ग्रामीण विकास में की. अपने अध्ययन के दिनों में ही मैंने यह ठान लिया था कि मुझे कृषि क्षेत्र में विद्यमान व्यापक संभावनाओं के चलते इसी क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करना है. बैंकिंग को कॅरियर के रूप में चुनने का कारण रहा कि उस समय नाबार्ड की स्थापना आरबीआई से पृथक हुई थी और नाबार्ड का मुख्य ध्येय ग्रामीण विकास के लिए कार्य करना था. हालांकि जब मुझे नौकरी जॉइन करनी थी तब मेरे पास तीन नौकरियों के प्रस्ताव थे. लेकिन मैंने बैंकिंग क्षेत्र को ही अपने कार्यक्षेत्र के रूप में चुना.

आपको बैंक के विदेशी कार्यालय यूगांडा के साथ–साथ विभिन्न घरेलू शाखाओं एवं कार्यालयों में कार्य करने का व्यापक अनुभव है. कौन सी शाखा अथवा कार्यालय में कार्य करने का अनुभव सबसे अच्छा रहा और आपके बैंकिंग कॅरियर का सबसे मजेदार और चुनौतीपूर्ण अनुभव कौन सा रहा?

बैंक ने मुझे विभिन्न स्थानों व कृषि के अतिरिक्त अन्य क्षेत्र में भी कार्य करने का मौका दिया. मैंने अपनी बैंकिंग यात्रा बैंक ऑफ़ बड़ौदा में लिपिक के रूप में प्रारंभ की एवं 6 महीने पश्चात ही इसी बैंक में उंभेल शाखा, जिला–सूरत में डीआरओ के रूप में जॉइन किया. लगभग 37 वर्ष से अधिक की बैंकिंग यात्रा में मुझे बैंक के विभिन्न अंचल कार्यालयों, क्षेत्रीय कार्यालयों के साथ–साथ विदेश (कंपाला शाखा, यूगांडा) में भी सेवाएँ देने का अवसर मिला. इस दौरान मुझे विभिन्न कार्यदायित्वों का निर्वहन करने का मौका मिला जैसे कृषि अधिकारी, शाखा प्रमुख (ग्रामीण एवं शहरी), अग्रणी जिला प्रबन्धक, आंतरिक निरीक्षक, रिटेल लोन फैक्टरी प्रमुख, महाप्रबंधक, कॉर्पोरेट कार्यालय इत्यादि. इसके अतिरिक्त बैंक ने मुझे विदेश में भी यूगांडा टैरीटरी की एक महत्वपूर्ण शाखा कंपाला, मुख्य शाखा के शाखा प्रमुख के दायित्व के साथ निदेशक के दायित्व का भी निर्वहन करने का मौका दिया. बैंक ने मुझे अपने प्रायोजित गुजरात ग्रामीण बैंक में भी चेयरमैन जैसे महत्वपूर्ण पद पर नियुक्ति दी. इसके अतिरिक्त उत्तरप्रदेश एसएलबीसी जो राज्य की बैंकिंग गतिविधियों के नीति–निर्धारण एवं चर्चा का मुख्य घटक है, उसमें भी मुझे कार्य करने का अवसर दिया.

विभिन्न स्थानों पर हुई इन पदस्थापनाओं के दौरान मैंने काफी कुछ सीखा और साथ ही विभिन्न पदस्थापनाओं ने मुझे एक अतिरिक्त आत्मविश्वास देते हुए सदैव चुनौतियों में डटे रहने के लिए प्रोत्साहित किया. मेरा यह मानना है कि बैंक में मेरे उच्चाधिकारियों ने सदैव मुझ पर विश्वास दर्शाते हुए मुझे हमेशा चुनौतीपूर्ण पोस्टिंग दी. मैंने सभी दायित्वों में अपना 100 प्रतिशत देते हुए और उत्साहपूर्वक कार्य करते हुए सभी लक्ष्यों को प्राप्त करने का पूर्ण प्रयास किया. साथ ही, मैं अपने आपको बहुत सौभाग्यशाली मानता हूँ कि मुझे मेरी सभी पदस्थापनाओं के दौरान बहुत ही अच्छी टीम मिली.

विभिन्न महत्त्वपूर्ण बैंकिंग गतिविधियों के अलावा आपने बैंक के ग्रामीण एवं कृषि बैंकिंग जैसे व्यापक फोर्टफोलियों को भी संभाला है जिसका बैंक के व्यवसाय में बहुत बड़ा योगदान है. साथ ही, आपने ग्रामीण बैंक के अध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया है. आप इन भूमिकाओं के निर्वहन से संबंधित कोई विशेष बात/ उपलब्धियों को साझा करना चाहेंगे या कोई सुझाव देना चाहेंगे.

इतनी विविध पदस्थापनाओ के दौरान मेरे 3 कार्यकाल सबसे यादगार रहे हैं. पहला रिटेल लोन फ़ैक्टरी, हैदराबाद, दूसरा अध्यक्ष, आरआरबी, गुजरात एवं तीसरा महाप्रबंधक (मुख्य समन्वयन), कृषि एवं वित्तीय समावेशन, कॉर्पोरेट कार्यालय. मेरे कॉर्पोरेट कार्यालय के कार्यकाल के दौरान विभाग द्वारा कुछ विशेष नवोन्मेषी कार्य किए गये जिसमें से मुख्य हैं बड़ौदा किसान पखवाड़ा एवं बड़ौदा किसान ऐप का डिजिटल प्लेटफॉर्म. बड़ौदा किसान पखवाड़ा के अंतर्गत हमारे विभाग द्वारा विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गयी और Largest Farmers interaction Category में सर्वाधिक संख्या में किसानों से जुड़ने की हमारी गतिविधि को लिम्का बुक ऑफ़ रिकॉर्ड्स ने मान्यता प्रदान करते हुए हमें प्रमाण पत्र भी दिया.

मेरे कॉर्पोरेट कार्यालय में कार्यकाल के दौरान हमने पीएसएल के अंतर्गत प्रदत्त अनिवार्य लक्ष्यों को प्राप्त तो किया ही, साथ ही, हमने विभिन्न श्रेणियों में पीएसएल ई-कुबेर पोर्टल पर बिक्री कर बैंक के लिए अतिरिक्त आय भी अर्जित की. इसके अतिरिक्त हमें लगातार दो साल Large Bank Category में सर्वाधिक एसएचजी क्रेडिट लिंकेज करने पर ग्रामीण विकास विभाग, भारत सरकार से शील्ड भी प्राप्त हुई.

गुजरात आरआरबी के अध्यक्ष के रुप में मेरे कार्यकाल के दौरान एक दिन में किसी भी आरआरबी द्वारा सर्वाधिक शाखाओं को खोलने का एवं Mega Financial Literacy Drive-500 Street Plays in 500 Villages के लिए लिम्का बुक ऑफ़ रिकॉर्ड्स में स्थान मिला है. मैंने बैंक के कार्यकाल के दौरान एक ही चीज को मूल मंत्र बना कर कार्य किया है कि जिस भी कार्य को आप करो उसे पूर्ण मनोयोग से करो.

अत्यंत व्यस्त बैंकिंग पेशे में अपने कार्यालय एवं व्यक्तिगत/पारिवारिक जीवन के बीच कैसे संतुलन बनाया?

व्यक्तिगत रूप से मेरा यह मानना है कि बैंकिंग सेवा के दौरान आपको व्यक्तिगत तथा पारिवारिक जिम्मेदारियों जैसे – बच्चों की पढ़ाई एवं बैंक की जिम्मेदारियों के बीच में तारतम्य बिठाते हुए कार्य करना पड़ता है, जिसकी मैंने भरसक कोशिश की है. लेकिन यह इसलिये ही संभव हो पाया है क्योंकि मुझे मेरी धर्मपत्नी अंजना से पूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ है. चूंकि हम संयुक्त परिवार में रहते थे तो घर की समस्त ज़िम्मेदारी मेरी धर्मपत्नी द्वारा ही निभाई गयी है. मेरी पत्नी ने अपनी पारिवारिक ज़िम्मेदारी को इतना बखूबी निभाया है कि परिवार के सभी जनों का ध्यान रखते हुए सभी बच्चों को पढ़ाया है एवं इतना काबिल बनाया है कि आज सब बहुत अच्छा जीवन व्यतीत कर रहे हैं.

आप वर्तमान बैंकिंग परिदृश्य को किस प्रकार देखते हैं?

देश वर्तमान में कोरोना महामारी से जूझ रहा है. इसके चलते देश का आर्थिक परिदृश्य ही बदल गया है. लेकिन हमारे माननीय प्रधानमंत्री ने देशवासियों की फिक्र करते हुए एवं देशवासियों की ज़िंदगी को अधिक महत्व देते हुए कहा है ''जान भी और जहान भी'' और इस ध्येय वाक्य पर उन्होंने इस महामारी से निपटने के लिये पूरे देश में लॉकडाउन लागू कर दिया है. इसके साथ ही उन्होंने अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिये विभिन्न पैकेजों की भी घोषणा की है एवं भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिये विशेष प्रयास प्रारम्भ किये हैं. इस कठिन समय में की जा रही विभिन्न नवोन्मेषी पहलों में कृषि एवं ग्रामीण क्षेत्र सबसे अधिक मददगार साबित हो सकता है. आने वाला समय तकनीक का रहेगा क्योंकि इस लॉकडाउन ने व्यवसाय करने के तरीके को बिल्कुल बदल दिया है. अतः आने वाले समय में तकनीक के प्रयोग का एक बहुत बड़ा एवं महत्वपूर्ण रोल रहने वाला है.

आप बैंक के भविष्य के बारे में क्या सोचते हैं एवं बड़ौदियनों के लिए आप क्या संदेश देना चाहते हैं, विशेष तौर पर हमारे युवा साथियों को?

बैंक ऑफ़ बड़ौदा एक महान बैंक है और मैं अपने आपको सौभाग्यशाली मानता हूँ कि मुझे इस महान संस्थान में कार्य करने का मौका मिला. बैंक ऑफ़ बड़ौदा भविष्य में बहुत ही तेजी से प्रगति करेगा और नये आयामों को प्राप्त करेगा. बैंक ऑफ़ बड़ौदा में कॅरियर में प्रगति की आपार संभावनाएं हैं, बस, युवा साथियों को पूर्ण मनोयोग से कार्य करने की आवश्यकता है. यदि बैंक में कार्यरत सभी लोग पूर्ण मनोयोग से बैंक की प्रगति के लिये कार्य करेंगे तो इससे बैंक की व्यवसाय वृद्धि में प्रगति भी होगी और उन्हें संतोष भी प्राप्त होगा.

मैं अपने युवा साथियों को संदेश देने के साथ यह आग्रह भी करना चाहता हूँ कि वे सर्वप्रथम अपने कार्यक्षेत्र का गहनता से अध्ययन करें एवं इसके पश्चात कार्यक्षेत्र में मौजूद संभावनाओं के आधार पर बैंक के व्यवसाय में वृद्धि करने के लिये भरसक व सार्थक प्रयास करें. इसके साथ ही निरंतर अध्ययन की आदत भी डालें और बैंक के परिपत्रों का अधिकाधिक अध्ययन करें एवं अपने आपको बैंकिंग के वर्तमान परिदृश्य के साथ अद्यतन रखें, ताकि आप ज्ञान-वृद्धि के साथ-साथ बैंक के ग्राहकों को बेहतर सेवाएँ देते हुए बैंक की व्यवसाय वृद्धि में भी अपना पूर्ण योगदान दे पायें.

आप सेवानिवृत्ति के बाद अपना समय कैसे व्यतीत कर रहे हैं?

चूंकि मेरे दोनों पुत्र विदेश (यूएसए) में रहते हैं, अतः मुझे यहाँ व वहाँ दोनों जगह तालमेल बना कर रखना है. इसके लिये मैं कुछ समय भारत में व कुछ समय विदेश में रहूँगा ताकि अपने बच्चों के साथ भी समय व्यतीत कर सकूँ. इसके अतिरिक्त मैं अपना समय कृषि में दूंगा. अभी हाल ही में मैंने अपने फार्म हाउस पर 700 आम के पेड़ भी लगाए हैं. इसके अतिरिक्त जो भी समय मुझे मिलेगा मैं सामाजिक सरोकार में उसका उपयोग करूंगा और यह सुनिश्चित करने का प्रयास करूंगा कि मेरे द्वारा किये जा रहे सामाजिक सरोकार के कार्यों से समाज व देश को प्रत्यक्ष लाभ मिले.

❖❖❖

Monetary Policy and Way Ahead

The RBI is the regulatory body in India which controls the economy. RBI is responsible for compliance of BASEL norms by SCBs in India.

BASEL-III

The BCBS (Basel Committee on Banking Supervision) is the global standard setter for the prudential regulation of banks and provides for a forum for regular cooperation on banking and supervisory matters. Its objective is to enhance understanding of key supervisory issues and improve the quality of banking supervision worldwide.

In 1988, BCBS published a set of minimum capital requirements for banks which was called the BASEL Accord and was enforced by Group of 10 countries in 1992. Further another set of rules of BASEL-II was developed which superseded the BASEL I Accords. The BASEL-II accord had three major pillars namely

- Minimum Capital Requirements
- Supervisory Review
- Market Discipline.

RBI is responsible for compliance of the second pillar. Supervisory review is the process whereby national regulators ensure that their home country banks are following the rules as per BASEL norms.

Now, the BASEL-III has been introduced as a response to the crisis of 2008 and was introduced in 2009 and was scheduled to be implemented from 2013 to 2015. However the implementation of the same has been extended up to 01st Jan 2022 in India. BASEL-III is built upon the principles of BASEL-I and BASEL-II norms but is stricter in terms of introduction of the capital conservation buffer , countercyclical buffer, Leverage ratio norms for banks and liquidity ratio norms for banks.

MONETARY POLICY: RBI WAYS TO CONTROL INFLATION

The RBI influences the demand in the economy through its monetary policy which directly influences the inflation through the following measures;

- **Bank Rate:** The rate at which the Central Bank lends to the member banks. The major tools of bank rate are the repo (The rate at which the Central Bank lends to the member banks) and the reverse repo rates (the rate at which the Central Bank borrows money from the member banks). To increase the money supply in the economy i.e. adopting expansionary monetary policy, the RBI decreases the repo rate and the reverse repo rate resulting in more borrowings by the banks from RBI. This increases the money supply in the economy. An increased money supply directly influences and increase the demand, leading to inflationary pressures. On the contrary, to control inflation, the RBI increases the repo rate and reverse repo rate thereby reducing the money supply in the economy as lower money is available for disposal with the banks for lending on account of higher ROI.
- **Reserve Requirements:** The RBI regulates the bank to keep a minimum amount convertible to cash on hand. The same is stipulated in the form of CRR and SLR. In case of expansionary monetary policy the RBI reduces the CRR and SLR so as to increase the deployment of funds in the economy, thereby inducing demand and hence reviving the economy. However if the inflation in the economy is high, the RBI adopts a contractionary monetary policy by increasing the CRR and SLR to reduce the demand in the economy and hence reduce the inflation on account of lower demand.
- **Open Market Operations:** Open Market operations refer to buying and selling of securities in the economy. To implement expansionary monetary policy the RBI buys the securities from the banks thereby deploying more funds in the economic system which ultimately leads to increased demand on account of funds available for borrowings. However, during a contractionary monetary policy, the RBI sells the security so as to decrease the money supply in the market and hence reduced demand.

CORONA AND ITS IMPACT ON BANKING INDUSTRY AND WAY AHEAD

The Corona Pandemic has adversely affected the world economy. The only way to combat Corona in the absence of vaccine is through enforcing lockdown and social distancing which adversely affects the demand in the economy and hence global GDP has reflected a declining trend. India's GDP contracted sharply in Quarter 1 of the FY 2020-2021 on account of nationwide lockdown from March 24, 2020 and was at -23.9%. The same is a result of numerous containment measures imposed varying in intensity across the country, including travel restrictions; closing educational establishments, gyms, museums, and theatres; bans on mass gatherings; and encouraging firms to promote remote work.

In these times RBI is adopting expansionary monetary policy through the following

- various interest rate cuts,
- moratorium on debt servicing,
- Asset classification standstill.

Apart from the fiscal measures adopted by the government since March 2020, RBI has reduced the repo rate by 115 basis points and reverse repo by 155 basis points. Further CRR has also been cut by 100 bps.

Further, to combat the GDP

contraction the RBI has also adopted the following measures to ensure the revival of the economy:

- a collateral free lending program with 100% guarantee under NCGTC.
- standstill on asset classifications during the loan moratorium period with 10 percent provisioning requirement, and an extension of the time period for resolution timeline of large accounts under default by 90 days.
- Further the RBI has permitted the banks to restructure the accounts of MSME classified as standard as of March 1st 2020 without a downgrade in the asset classification and the restructuring can be done up to March 2021. The same requires 10% provisioning.
- The RBI has also permitted restructuring of corporate and personal loans that were classified as standard as on 1st March, 2020 but were stressed due to COVID-19 while maintaining the standard classification.
- The RBI introduced ease of working capital financing scheme in which the lenders were permitted to recalculate the DP for reducing margins by reassessing the working capital cycle for the borrowers.

All the above measures are directed towards injecting liquidity in the economy and providing relief to the borrowers thereby aimed at increasing the demand in the economy to combat the deflationary pressures in the economy. In the coming months RBI has to continue to adopt an expansionary monetary policy so as to ensure the revival of the economy in the post COVID period. However adopting an expansionary monetary policy alone shall not be sufficient to ensure revival of the economy. All the measures have resulted in additional funds with the banks since there are few takers on account of economic slowdown. Hence a fiscal stimulus in the form of increased government expenditure of in infrastructure shall be required to bring back the economy on track.

Himali Kapoor
Manager
RO, South Delhi

❖❖❖

Bank of Baroda Eterna Credit Card: Designed for High Performers

BOB Financial Solution (erstwhile BOBCARDS) - 100% Subsidiary of Bank of Baroda, has been pioneer in the space of Credit Card and has been rolling out various innovative credit card value propositions for customers. Bank of Baroda Eterna Credit Card, is one such product offering which is loaded with multiple offering which are eternal in nature which makes it as one of the most preferred card. It offers highest quality of Travel, Dining & Shopping experiences. Eterna has been designed keeping the Baroda Radiance customers' needs and expectations in mind.

Since the Card is a high premium card, it has a joining fees of Rs 2499+GST and this can be waived if the spend on the card is Rs 25,000/- within 60 days of the issuance. The card also carries renewal fees of Rs 2499 + GST which can be waived of provided the spend on the card is more than Rs 2.5L per annum. The eligibility criteria is annual income of Rs 12 lac.

The Card is also provided with a welcome benefit of 6 months Fitpass Pro, which gives access to India's largest fitness network and the 5X reward makes Bank of Baroda Eterna Credit Card as one of the most competitive card in the marketplace. The sweet spot to maximise the benefit from the card is by spending Rs.41,667 a month (online, Rs.5L a year) doing which customer can walk away with 95,000 points (75K+20K) equivalent to Rs.23,750 cashback + first year free + renewal fee waiver.

The other benefits from the Card are as under:

- Buy-one-get-One Movie benefit: (Paytm). Max Cap: Rs.250 per month
- Forex markup Fee: 2%+GST
- Domestic Airport lounge Access: Unlimited (both for primary & add-ons)

The Card is one of a kind due to its high reward rate on accelerated categories like Online spends It is designed for high performers in life who have exclusive lifestyle & impeccable taste. The Card must be offered to the valued customers of the Branch.

❖❖❖

Shailendra Singh
Managing Director & CEO
BOB Financial Solutions Limited
Mumbai

क्षेत्रीय कार्यालय, इंदौर

बैंक के 113वें स्थापना दिवस पर इंदौर क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री शैलेश कुमार पारख और डीआईजी, इंदौर श्री हरिनारायण चारी मिश्रा द्वारा श्री गुरु प्रसाद पाराशर (अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक) को स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया. इस अवसर पर श्री चंद्रभान बछेरिया (शाखा प्रबंधक राऊ, पंजाब नेशनल बैंक), स्वर्गीय श्री सुरेश चौहान (पैरामेडिकल स्टाफ ऍम. वाय. अस्पताल) के परिवार सदस्यों तथा स्वर्गीय श्री विजय चंदेल (पैरामेडिकल स्टाफ ऍम. वाय. अस्पताल) के परिवार सदस्यों को भी कोरोना महामारी के दौरान उत्कृष्ट कार्यों हेतु सम्मानित किया गया.

क्षेत्रीय कार्यालय, मुजफ्फरपुर

बैंक के 113वें स्थापना दिवस के अवसर पर मुजफ्फरपुर क्षेत्र द्वारा मुजफ्फरपुर सदर अस्पताल के कर्मचारियों को सम्मानित किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री बाणीब्रत बिश्वास द्वारा अस्पताल के प्रभारी डॉ. सी के दास, निगम कर्मी श्री रामानंद राय और सदर अस्पताल के पारा मेडिकल स्टाफ श्रीमती नीलम कुमारी को स्मृति-चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया. इस कार्यक्रम में उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री सी पी बी वर्मा एवं श्री तरूण कुमार तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

क्षेत्रीय कार्यालय, हल्द्वानी

बैंक के 113वें स्थापना दिवस पर क्षेत्रीय कार्यालय, हल्द्वानी द्वारा श्री सुनील कुमार मीणा, एसएसपी पुलिस नैनीताल एवं श्री विजेंद्र सिंह चौहान, उपायुक्त, नगर निगम, हल्द्वानी को सम्मानित किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री विपिन आर्या एवं सुरक्षा अधिकारी श्री जे एस नायक उपस्थित रहे.

क्षेत्रीय कार्यालय, नागपुर

क्षेत्रीय कार्यालय, नागपुर में स्थापना दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों तथा प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री वी एम एन एस साईबाबु, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

क्षेत्रीय कार्यालय, जूनागढ़

बैंक के 113 वें स्थापना दिवस पर जूनागढ़ क्षेत्र द्वारा जूनागढ़ शहर में पुलिस प्रशासन को सम्मानित किया गया. इस अवसर पर जूनागढ़ क्षेत्रीय प्रमुख जे.बी. रोहड़ा, उप क्षेत्रीय प्रमुख महफूज़ निशात, पुलिस अधीक्षक (भारतीय पुलिस सेवा) श्री सौरभ सिंह तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

क्षेत्रीय कार्यालय, वलसाड

बैंक के स्थापना दिवस के अवसर पर वलसाड क्षेत्र द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रबंधक श्रीमती वृषाली कांबली, उप क्षेत्रीय प्रबंधक द्वय श्री रतनलाल रजवानिया एवं श्री डी एन गांधी तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

क्षेत्रीय कार्यालय, आणंद क्षेत्र

बैंक के 113 वें स्थापना दिवस पर पुलिस प्रशासन को सम्मानित किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री अरविंद विमल, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री एस. पी. शारदा, टाउन हॉल पुलिस स्टेशन के पुलिस इंस्पेक्टर श्री वाई. आर. चौहान, इंडियन बैंक के जिला सह संयोजक एवं वरिष्ठ प्रबन्धक श्री विकास कुमार सोनी, म्युनिसिपल कॉपरेशन के सेनिटाइजर टीम के प्रमुख श्री मुस्ताक एम. मलेक, सिविल अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. अमर पंड्या, पेरामेडिक विभाग से सिविल अस्पताल की सहायक उपचारिका श्रीमती आशाबेन ठक्कर तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

क्षेत्रीय कार्यालय, भोपाल उत्तर

113वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में भोपाल उत्तर क्षेत्र द्वारा एम्स के डॉ. सागर खादानिया, हमीदिया अस्पताल की नर्स सुश्री प्रभा कुमारी, नगर निगम के स्वास्थ सहायक श्री अजय श्रवण, पुलिस विभाग के एएसपी श्री प्रदीप सिंह चौहान एवं पंजाब नेशनल बैंक के श्री विनोद रैकवार को उल्लेखनीय कार्य करने के लिए सम्मानित किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री आर सी यादव, उप क्षेत्रीय प्रमुख द्वय सुश्री मौसुमी मित्रा तथा श्री सुधीर गुप्ता उपस्थित रहे.

क्षेत्रीय कार्यालय, लुधियाना

बैंक के 113वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में लुधियाना क्षेत्र द्वारा स्थानीय मेडिकल स्टाफ को सम्मानित किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री विजय कुमार बसेठा, उप क्षेत्रीय प्रबंधक श्री आशीष सोनी तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

क्षेत्रीय कार्यालय, भरूच

बैंक के स्थापना दिवस के अवसर पर भरूच क्षेत्र द्वारा मेडिकल स्टाफ को सम्मानित किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री आर के गोयल, सहायक महप्रबंधक श्री तरूण कुमार रावल, श्रीमती सुरभि बेन तम्बाकूवाला (नगरपालिका अध्यक्ष) एवं श्री संजय सोनी (मुख्य अधिकारी नगरपालिका) एवं श्री नरेश भाई सुथारवाला (स्टेंडिंग कमेटी चेयरमेन) उपस्थित रहे.

क्षेत्रीय कार्यालय, करनाल

बैंक के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में करनाल क्षेत्र द्वारा पुलिस कर्मियों को सम्मानित किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रबंधक श्री सत्य प्रकाश, डीएसपी करनाल श्री राजीव कुमार और अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

क्षेत्रीय कार्यालय, रायपुर

रायपुर क्षेत्र द्वारा स्थापना दिवस कार्यक्रम में एक पैरामेडिकल तथा एक पुलिस अधिकारी को सम्मानित किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रबंधक श्री रंजीत कुमार मंडल, उप क्षेत्रीय प्रबंधक द्वय श्री सत्यरंजन महापात्र, श्री अभिषेक भारती तथा क्षेत्रीय कार्यालय के स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

Regional Office, Madurai

Various programs were organized to celebrate the Bank's 113th Foundation Day by Madurai Region. Regional Manager Shri MP SudhaKaran, Deputy Regional Manager Shri AS Prasad and other staff members were present on this occasion.

क्षेत्रीय कार्यालय, भरतपुर

बैंक के 113वें स्थापना दिवस पर भरतपुर क्षेत्र द्वारा आरबीडीएम अस्पताल के नर्सिंग स्टाफ श्री धीरज एवं नगर निगम के सफाई कर्मचारी श्री राजेश को सम्मानित किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री बृज मोहन मीणा तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

क्षेत्रीय कार्यालय, मेरठ

बैंक के 113वें स्थापना दिवस के अवसर पर मेरठ क्षेत्र द्वारा ट्रैफिक पुलिस एवं सफाई कर्मचारियों को सम्मानित किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री राकेश माणिक एवं क्षेत्रीय कार्यालय के स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

क्षेत्रीय कार्यालय, भुज

बैंक के 113 वें स्थापना दिवस पर भुज क्षेत्र द्वारा स्थानीय पुलिस कर्मियों को सम्मानित किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री महेशचंद गुप्ता, पुलिस उप अधीक्षक श्री जयेश एन पंचल तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

क्षेत्रीय कार्यालय, मेहसाना

बैंक के 113वें स्थापना दिवस पर मेहसाना क्षेत्र द्वारा पुलिस प्रशासन एवं डॉक्टरों को सम्मानित किया गया. इस अवसर पर उप क्षेत्रीय प्रबंधक श्री ए ए राठोड, उप पुलिस अधीक्षक श्री एम बी व्यास, डॉ. राकेश पटेल (सिविल हॉस्पिटल, मेहसाना), विसनगर शाखा प्रमुख विजयेन्द्र कुमार, आरबीडीएम श्री विनीत शर्मा तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

क्षेत्रीय कार्यालय, संबलपुर

संबलपुर क्षेत्र द्वारा बैंक के 113वें स्थापना दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य सेवा, पैरा मेडिकल एवं स्वच्छता सेवा से जुड़े कर्मियों को फेस मॉस्क व फेस शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री ए पी दास तथा अन्य स्टाफ सदस्य भी उपस्थित रहे.

क्षेत्रीय कार्यालय, पुणे जिला

बैंक के 113 वें स्थापना दिवस के अवसर पर पुणे जिला क्षेत्र द्वारा पुलिसकर्मियों को सम्मानित किया गया. इस अवसर पर पुलिस इंस्पेक्टर श्री जीवन माने, क्षेत्रीय प्रमुख श्री निखिल मोहन तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

क्षेत्रीय कार्यालय, गोधरा

113वें स्थापना दिवस के अवसर पर गोधरा क्षेत्र द्वारा मेडिकल स्टाफ, पुलिस कर्मी, नगरपालिका स्टाफ को सम्मानित किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री आर डी शर्मा, उप क्षेत्रीय प्रमुख द्वय श्री वी के घाटिया एवं श्री नरेंद्र पांडेय सहित स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

क्षेत्रीय कार्यालय, जोधपुर

जोधपुर क्षेत्र द्वारा स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में स्वास्थ्य विभाग से डॉ राजेन्द्र चौधरी, पैरामेडिकल स्टाफ श्री सोहन राज सांखला एवं बैंकिंग क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले भारतीय स्टेट बैंक से श्री सायर सिंह राठौड़ को सम्मानित किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री सुरेश चन्द्र बुंटोलिया, उप क्षेत्रीय प्रमुख द्वय श्री रामेश्वर लाल चौहान, श्री महेन्द्र पाल सिंह तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

क्षेत्रीय कार्यालय, साबरकांठा

साबरकांठा क्षेत्र द्वारा वृक्षारोपण तथा पुलिस कर्मियों का सम्मान जैसे कार्यक्रमों का आयोजन किया गया. इस अवसर पर उप क्षेत्रीय प्रमुख द्वय श्री राजकुमार महावर, श्री ओ.पी. वीरेंद्र सिंह, बड़ौदा ग्रामीण स्वरोजगार संस्थान के डायरेक्टर श्री देवी सिंह जाटव, अरावली जिला कलेक्टर श्री अमृतेश औरंगाबादकर, अरावली पुलिस अधीक्षक श्री मयूर पाटिल, साबरकांठा जिला कलेक्टर श्री एच.जे. पटेल तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

क्षेत्रीय कार्यालय, कोटा

बैंक के 113वें स्थापना दिवस पर कोटा क्षेत्र द्वारा मेडिकल विभाग के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ यादवेन्द्र शर्मा को बेहतर मेडिकल व्यवस्था उपलब्ध कराने हेतु सम्मानित किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री आलोक सिंघल, उप क्षेत्रीय प्रमुख द्वय श्री एम ए मेहरा एवं श्री मोअज़्ज़म मसूद उपस्थित रहे.

क्षेत्रीय कार्यालय, भोपाल दक्षिण

बैंक के 113वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में भोपाल दक्षिण क्षेत्र द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों के साथ क्षेत्रीय कार्यालय के स्टाफ सदस्यों के लिए बैंकिंग ज्ञान एवं गीत गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री संजीव मेनन, उप क्षेत्रीय प्रमुख द्वय श्री अनंत माधव, श्री अजय कुमार दीक्षित एवं अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

क्षेत्रीय कार्यालय, नासिक

नासिक क्षेत्र द्वारा स्थापना दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री राकेश कुमार, उप क्षेत्रीय प्रमुख द्वय श्री अनिल बड़जात्या, श्री सुरेश खैरनार एवं स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

क्षेत्रीय कार्यालय, बड़ौदा शहर

बैंक के 113 वें स्थापना दिवस के अवसर पर बड़ौदा शहर द्वारा पुलिस, डॉक्टर, पैरा मेडिकल, स्वच्छता और बैंकिंग सेवा से जुड़े हुए कर्मचारियों को सम्मानित किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख सुश्री दक्षा शाह एवं अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

क्षेत्रीय कार्यालय, जालंधर

बैंक के 113वें स्थापना दिवस के अवसर पर जालंधर क्षेत्र द्वारा आईपीएस श्री गुरप्रीत सिंह भुल्लर को सम्मानित किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री राजेय भास्कर, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री अरबिन्द कुमार तथा आरबीडीएम श्री आशीष कुमार उपस्थित रहे.

क्षेत्रीय कार्यालय, पणजी

बैंक के 113वें स्थापना दिवस के अवसर पर पणजी क्षेत्र द्वारा मेडिकल स्टाफ, पुलिस कर्मी, नगरपालिका स्टाफ को सम्मानित किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री अमूल्य कुमार, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री दीपक कुमार सिंह और यूनियन बैंक के क्षेत्रीय प्रमुख श्री प्रशांत साहू तथा अन्य स्टाफ उपस्थित रहे.

क्षेत्रीय कार्यालय, सूरत जिला

सूरत जिला क्षेत्र द्वारा बैंक के 113वें स्थापना दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री विनोद कुमार कोठारी द्वारा विभिन्न स्वास्थ्य कर्मियों को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया.

क्षेत्रीय कार्यालय, अलीगढ़

बैंक के 113वें स्थापना दिवस के अवसर पर अलीगढ़ क्षेत्र द्वारा श्री अनुनया झा, एसएसपी अलीगढ़, डॉ. राजेंद्र पाल और डॉ. पारुल सिसोदिया, सीएमओ, अलीगढ़ को सम्मानित किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री शमशाद अहमद उपस्थित रहे.

क्षेत्रीय कार्यालय, भीलवाड़ा

बैंक के 113वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में भीलवाड़ा क्षेत्र द्वारा डॉ. राजन नंदा, प्रधानाचार्य, मेडिकल कॉलेज, श्री भँवर रणधीर सिंह नरुका, उप–अधीक्षक, जिला पुलिस भीलवाड़ा, श्री राम विलास मीणा, क्षेत्रीय प्रमुख, भारतीय स्टेट बैंक, डॉ.मुश्ताक खान, सीएमएचओ एवं श्री नारायण लाल मीना, आयुक्त, नगर परिषद को सम्मानित किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

क्षेत्रीय कार्यालय, खेड़ा

बैंक के 113वें स्थापना दिवस पर खेड़ा क्षेत्र द्वारा चिकित्साकर्मी एवं बैंककर्मी को सम्मानित किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री महेन्द्र बी.वाला, उप–क्षेत्रीय प्रमुख श्री मयुर पी ईदनानी, भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य प्रबन्धक श्री सी.के.भगवानी, चिकित्सक श्री विपुल अमीन तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

क्षेत्रीय कार्यालय, सूरत शहर एवं सूरत जिला

बैंक के स्थापना दिवस के अवसर पर सूरत शहर क्षेत्र द्वारा कारोना से बचाव में जुड़े कर्मियों को सम्मानित किया गया. इस अवसर पर सूरत शहर के क्षेत्रीय प्रमुख श्री कृष्ण कुमार सिंह, सूरत जिला क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री विनोद कोठारी, सूरत शहर के उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री आदित्य कन्नौजिया, सूरत जिला के उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री एल सी गोयल व अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

क्षेत्रीय कार्यालय, उदयपुर

बैंक के 113वें स्थापना दिवस पर उदयपुर क्षेत्र द्वारा स्वास्थ्य कर्मी, पुलिस कर्मी को सम्मानित किया गया. इस अवसर पर उदयपुर के सीएमएचओ डॉ. दिनेश खराड़ी, जीबीएच अमेरिकन अस्पताल के डॉक्टर डॉ अंशुल मद्वा एवं पैरामेडिकल स्टाफ गौरव राठौर को क्षेत्रीय प्रमुख द्वारा स्मृति चिह्न भेंट किया गया.

क्षेत्रीय कार्यालय, जामनगर

बैंक के 113 वें स्थापना दिवस पर जामनगर क्षेत्र द्वारा जामनगर शहर में नगर निगम को सम्मानित किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख, जामनगर श्री एस के राठोड, श्री सतिश पटेल, आयुक्त, जामनगर नगर निगम तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

क्षेत्रीय कार्यालय, भावनगर

बैंक के 113वें स्थापना दिवस पर भावनगर क्षेत्र द्वारा कृषि अग्रिम खाते खोलने हेतु कैम्पेन का आयोजन किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री वाई एस ठाकुर तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

बैंकिंग में सोशल मीडिया की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है क्योंकि यह विभिन्न मंचों, लोगों व समुदायों से जुड़ने के लिए नए–नए तरीके प्रदान करती है. बैंकों के लिए सोशल मीडिया ग्राहक संबंधों के निर्माण और उपभोक्ताओं के साथ व्यक्तिगत रूप से जुड़ने के लिए एक महत्वपूर्ण माध्यम बन गया है. बैंकों, क्रेडिट यूनियनों और उधारदाताओं के लिए बिक्री की प्रक्रिया से बाहर उपभोक्ताओं के साथ संबंध जोड़ने के लिए सोशल मीडिया आधुनिक वित्तीय सेवाओं को लक्षित उपभोक्ताओं तक पहुंचाने, विज्ञापन, अनुपालन, ग्राहक सेवा और उपयोगकर्ताओं के अनुभव का लाभ देने के लिए सही मायने में मदद करता है.

अब कोई भी वित्तीय संस्थान अपने ग्राहकों को वास्तविक मदद और समर्थन देने के लिए फेसबुक से लेकर इंस्टाग्राम तक सोशल प्लेटफॉर्म का उपयोग कर सकता है.

➤ **कैसे सोशल मीडिया बैंक की मदद करता है:–**

1) आपको टचपॉइंट्स बढ़ाने की अनुमति देता है:

पहले, बैंकिंग संस्थानों ने उपभोक्ताओं से जुड़ने के लिए संघर्ष किया है, वर्तमान में सोशल मीडिया ग्राहकों से जुड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है. आज हम सोशल मीडिया के माध्यम से देश के कोने– कोने तक अपने उत्पादों एवं सेवाओं का प्रचार– प्रसार कर सकते हैं. इस संबंध में उपभोक्ता भी अपने बैंक या संभावित बैंक के साथ महीने, सप्ताह या दिन में कई बार संपर्क और संवाद स्थापित कर सकते हैं. इसके अलावा, सोशल मीडिया बैंकों को ब्रांडिंग, ग्राहकों की संतुष्टि और मूल्य–वर्धित सामग्री के माध्यम से ग्राहकों से अच्छे संबंध बनाने के लिए काम करने का अवसर देता है.

बैंक सोशल मीडिया के माध्यम से बैंकिंग की सुविधा प्रदान कर सकते हैं और कम लागत पर मजबूत रिश्तों की नींव रख सकते हैं. बैंक सोशल मीडिया के माध्यम से लक्षित उपभोक्ताओं पर मुख्य रूप से ध्यान केंद्रित कर सकते हैं. सोशल मीडिया आमजन को उत्पादों तथा सेवाओं की गुणवत्ता तथा रोज़मर्रा की ज़िंदगी में इनकी उपयोगिता के बारे में आसानी से सूचना पहुंचा सकता है.

2) लीड जनरेट करने में मदद करता है:

बैंकों को सोशल मीडिया के माध्यम से अपने उत्पादों/ सेवाओं का सक्रियता से प्रचार– प्रसार करना चाहिए जिसमें उत्पादों/ सेवाओं, ऑफ़र और विक्रय मूल्य के लिए जागरूकता फैलाना आदि शामिल है. 63% बड़े संपन्न उपभोक्ता सक्रिय रूप से सोशल मीडिया पर वित्तीय समाधान देखते हैं. क्योंकि यह सोशल मीडिया है, इसलिए आपका पोस्ट उपयोगकर्ता के लिए उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक होना चाहिए. यदि संस्थान ऐसा करने में विफल रहते हैं, तो बड़ा अवसर चूकने जैसा होगा. विशिष्टता और वैयक्तिकरण की भावना पैदा करने के लिए चैटबॉट्स के माध्यम से सीमित समय की पेशकश, विशेष दरों, परिचय और व्यक्तिगत समाधान जैसे साधनों का उपयोग कर बाजार में उपभोक्ता के साथ आपके रिश्ते को बनाए रख सकते हैं.

3) डेटा और मूल्य साझा करके विश्वास स्थापित करें:

सोशल मीडिया आपको नए डेटा स्रोत, नई अंतर्दृष्टि और उपभोक्ताओं से जुड़ने के नए तरीके देता है. उन तरीकों में से एक उद्योग अंतर्दृष्टि और मूल्यवान जानकारी की पेशकश करना है जो आपको विश्वास स्थापित करने में मदद करता है. इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि ये साधन आपको ग्राहकों के प्रति निष्ठावान बनाने में मदद करते हैं. सोशल मीडिया मार्केटिंग के माध्यम से बैंक, विभिन्न रणनीतियां बनाकर ग्राहकों के बीच अपने उत्पादों के प्रति जागरूकता पैदा कर सकते हैं जिससे बैंकों को निश्चित रूप से बिक्री बढ़ाने में भी मदद मिलेगी.

4) भावनात्मक संबंध बनाता है:

ग्राहकों द्वारा प्रायः अपने बैंकों को छोड़कर दूसरे बैंकों से बैंकिंग सेवाएं लेने के सबसे सामान्य कारणों में बैंकों की दरें नहीं बल्कि बैंकों के साथ उनके भावनात्मक सम्बन्ध है. उपभोक्ताओं की भावनाओं से जुड़ने में सक्षम होने के कारण अन्य बैंक प्रतिस्पर्धा में आगे निकल जाते हैं. सोशल मीडिया अथवा अन्य माध्यमों से उपभोक्ताओं के साथ जुड़ें और उनके मन में यह भावना विकसित करें कि बैंक अपने ग्राहकों के लिए सदैव तत्पर है.

वित्तीय सेवाएं प्रदान करने के लिए ग्राहकों से भावनात्मक संबंध बनाना आवश्यक है, ज्यादातर वित्तीय निर्णयों के पीछे अक्सर भावनात्मक वजहें होती हैं.

सोशल मीडिया आपको अपने विज्ञापनों और पोस्ट को विशेष रूप से लक्षित करने की भी अनुमति देता है. उदाहरण के लिए फेसबुक और इंस्टाग्राम विज्ञापन आपको स्थान, उम्र, लिंग, कॅरियर, शिक्षा और रुचियों के आधार पर लक्षित करने की अनुमति देते हैं और आपको उन दर्शकों से बहुत अच्छी तरह से अपनी बात पहुंचाने की अनुमति देते हैं जो आप उन श्रोताओं से कह रहे हैं जिन्हें इन विज्ञापनों को सबसे ज्यादा सुनने समझने की जरूरत है. आपको बैंकों की सोशल मीडिया मार्केटिंग रणनीतियों के बारे में पता होना चाहिए. जिस अवधि में जो उत्पाद सबसे लोकप्रिय होते हैं, उन्हें रेखांकित करके आप उत्पाद के बजाय उत्पाद के भावनात्मक पहलुओं का लाभ उठाकर उन लोगों पर लक्षित विशिष्ट अभियान बना सकते हैं जिनकी उन्हें सबसे अधिक आवश्यकता होती है.

5) सोशल मीडिया ओमनी चैनल का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है

अधिकांश ग्राहक बैंक के साथ कई चैनलों के माध्यम से संवाद करते हैं, इसलिए ग्राहकों को सभी चैनलों के माध्यम से समान स्तर की सेवा प्रदान की जानी चाहिए जिससे ग्राहक को समानता का अनुभव हो तथा बैंक के प्रति निष्ठा एवं विश्वास कायम रहे.

यदि आप किसी उत्पाद की पेशकश फेसबुक के माध्यम से करते हैं, तो आपके द्वारा दिए गए लिंक को क्लिक करने से सीधे उस उत्पाद का परिचय मिल जाना चाहिए. प्रत्येक चैनल पर एक सुसंगत, पेशेवर और प्रासंगिक अनुभव सुनिश्चित करके आप यह सुनिश्चित करते हैं कि आपका ग्राहक आपके ब्रांड को बैंक के व्यक्तित्व के रूप में देखता है. एक ऐसा व्यक्तित्व जिस पर वे भरोसा कर सकते हैं.

➤ सोशल मीडिया पर बैंक ऑफ बड़ौदा की उपस्थिति

बैंक ऑफ बड़ौदा ने 1 जनवरी 2016 को सोशल मीडिया पर आधिकारिक रूप से अपनी उपस्थिति दर्ज कराई. बैंक ऑफ बड़ौदा सोशल मीडिया पर अपनी शुरुआत करने वाला सार्वजनिक क्षेत्र का पहला बैंक है और सोशल मीडिया की दुनिया में इसे बड़ा बनाने के लिए हमेशा तैयार है. हमारी मार्केटिंग टीम ने एक अलग रास्ता अपनाया और गुणात्मक रूप से बेहतर उपस्थिति दर्ज कराई. उन्होंने प्रशंसकों और अनुयायियों का पीछा नहीं किया. वर्तमान में चार सबसे लोकप्रिय नेटवर्क फेसबुक, ट्विटर, यूट्यूब और लिंक्डइन हैं. बैंक ऑफ बड़ौदा ने पहले ही इंस्टाग्राम और ब्लॉग के साथ इन चार नेटवर्क पर अपनी उपस्थिति दर्ज करा दी है. बैंक की मार्केटिंग टीम ने डी–क्रिप्ट के साथ काम किया जो गोल्डमाइन एडवरटाइजिंग की डिजिटल विंग है. उन्होंने विभिन्न उद्देश्यों जैसे ब्रांड निर्माण, दर्शकों के साथ जुड़ाव, विशिष्ट उत्पादों को बढ़ावा देना आदि के साथ विभिन्न अभियानों को तैयार किया. कुछ अभियान इस प्रकार हैं:–

1) **वन इन ए लीप (#OneInALeap) –** लीप वर्ष 2016 के अतिरिक्त दिन (29 फरवरी) का लाभ उठाते हुए. बैंक का हैशटैग #वन इन ए लीप ट्विटर पर 29 फरवरी को छह घंटे के लिए ट्रेंड कर रहा था. यह सराहनीय था क्योंकि भारतीय केंद्रीय बजट 2016 में 29 फरवरी का दिन काफी चर्चा का विषय था.

2) **#हेट 2 वेट (#Hate2Wait) –** बैंक के विभिन्न वैकल्पिक वितरण चैनलों को बढ़ावा दिया. यह ग्राहकों के समय को बचाने के लिए तैयार किया गया था, विशेष रूप से युवा पीढ़ी, जो तेज और व्यापक सेवाओं को पसंद करते हैं. एडीसी के उदाहरणों में बड़ौदा कनेक्ट, एम कनेक्ट, डेबिट कार्ड, एटीएम, ई–लॉबी, एम–क्लिप, मल्टीफ़ंक्शन कियोस्क शामिल हैं.

3) **#रेज़ योअर गेम (#RaiseYourGame) –** इसका उद्देश्य राष्ट्रीय खेल दिवस का लाभ उठाकर बैंक ऑफ बड़ौदा ब्रांड के बारे में जानकारी देना था. 29 अगस्त को ट्विटर पर हैशटैग #रेज़ योअर गेम 3 घंटे से अधिक समय तक ट्रेंड कर रहा था.

4) **#बैंकऑफ बड़ौदा 109 (#BankofBaroda109)–** इस अभियान ने बैंक के 109 वें स्थापना दिवस की शुरुआत की. इस अभियान ने बैंक की समृद्ध विरासत को रेखांकित किया विशेष रूप से बैंक और उसके ब्रांड की वित्तीय स्थिरता और विश्वसनीयता को. बैंक के ग्राहकों ने दिल से प्रतियोगिता में भाग लिया और 20 जुलाई को 6 घंटे से अधिक समय तक ट्विटर पर हैशटैग #बैंक ऑफ बड़ौदा109 ट्रेंड करता रहा और 7 घंटे से अधिक समय तक सक्रिय रहा.

'सोशल मीडिया कल्चर' सभी स्तरों पर और सभी मामलों में संगठन का विस्तार करता है. बैंक की मार्केटिंग टीम पहल की चैंपियन रही है. उन्होंने पूरे बैंक में इस पहल के महत्व को प्रचारित और प्रसारित किया है. उन्होंने निर्धारित किया कि फेसबुक और ट्विटर जैसे सामाजिक प्लेटफार्मों पर मजबूत और विभेदित उपस्थिति कैसे बैंक के निरंतर प्रभुत्व के लिए आवश्यक है.

निष्कर्ष:

सोशल मीडिया बैंकों के लिए एक मूल्यवान साधन है. बैंक, सोशल मीडिया का उपयोग ग्राहक संबंधों को बनाने, मूर्त और अमूर्त मूल्यों के निर्माण के लिए कर सकते हैं. बैंकों में सोशल मीडिया मार्केटिंग अभी भी विकसित होने के चरण में है लेकिन यह बैंकों को अधिक व्यक्तिगत बनाने, ग्राहकों के साथ निकट संबंध बनाने और पहले से कहीं अधिक लक्षित उत्पादों और सेवाओं की पेशकश करने में मदद कर रहा है.

❖❖❖

नेहा पाटनी कपूर
प्रबंधक,
गुडगाँव शाखा, गुडगाँव क्षेत्र

OBITUARY

Late Shri P. S. Shenoy
13.02.1945 – 01.10.2020

Shri Panemangalore Srinivasa Shenoy (Shri P. S. Shenoy), who led Bank of Baroda as its Chairman & Managing Director from 19th May 2000 to 28th February 2005 passed away on 01.10.2020 after a prolonged illness, which he fought with fortitude and courage.

Shri Shenoy began his long and illustrious banking career in April 1966 from Bank of India as a Probationary Officer and in the 32 years that followed before assuming charge as the Executive Director of Bank of Baroda, Shri Shenoy served across various important positions and assignments. He had two distinctive overseas stints in the USA and Hong Kong. He was identified as the Executive Director of Bank of Baroda by the Govt. of India in Sept. 1998, a position he held till May 2000, when he assumed charge as the Chairman and Managing Director of the Bank. Shri Shenoy held several leadership positions in the Bank including being on the Board of several organisations like Bank of Baroda (Hong Kong) Ltd., BOBCARDS Ltd., Agricultural Finance Corporation of India Ltd., IFCI Ltd., Member - General Council of National Cooperative Development Corporation, member-Governing Board of National Institute of Bank Management (NIBM), Pune. Member - Governing Board of Indian Institute of Banking and Finance, Chairman of the Indian Banks' Association, etc.

Shri Shenoy was known for his disarming humility, caring and soft-spoken nature, and as an individual who treated everyone with kindness and courtesy. During what was a transformative era for the Indian Banking industry, Shri Shenoy ensured that the Bank's foundations, especially in the area of developing a professional Risk and Treasury function, were built during his time. With his keen understanding of various aspects of business, he enabled consensus building on a lot of critical issues that were necessary foundations on which the Bank's later success was built. Bank of Baroda and many other institutions would remain indebted for the contributions made by him.

On behalf of all Barodians, Team Bobmaitri expresses deepest condolences to his family and recollect the immense contributions made by Shri Shenoy to Bank of Baroda and to the broader banking industry. May his soul rest in peace and the almighty give strength to the bereaved family to bear the loss.

डिजिटल उत्पादों का उपयोग - कितना सार्थक!

डिजिटल इंडिया कार्यक्रम भारत को डिजिटल तौर पर सशक्त बनाने के लिए शुरू किया गया सरकार का एक सटीक और बहुआयामी अभियान है. इस अभियान के तहत विभिन्न उत्पादों जैसे शिक्षा, अस्पताल समेत सभी स्वास्थ्य सेवाओं और सरकारी दफ्तरों को गांव से देश की राजधानी से जोड़े जाने का प्रस्ताव है. इस अभियान के पीछे सोच यह है कि डिजिटल उत्पादों जैसे – इलेक्ट्रॉनिक भुगतान, ई–स्वास्थ्य, डिजिटल साक्षरता और वित्तीय समावेशन की सहायता से भारत में डिजिटल क्रांति लाकर व्यापक बदलाव लाया जा सकता है. इसके परिणाम भले ही दीर्घगामी हों पर आंकड़े बता रहें हैं कि कुछ ही समय में हमारे देश ने इस दिशा में प्रतिकूल परिस्थितियों और बाधाओं के बावजूद अपना रास्ता कभी धीरे–धीरे तो कभी त्वरित गति से कुशलतापूर्वक तय किया है.

वर्ष 2014 से डिजिटल इंडिया, स्किल इंडिया, मेक इन इंडिया, स्टार्ट–अप इंडिया और 'स्मार्ट सिटी' जैसे अनेक नीतिगत उपायों की शुरुआत की गई, जबकि नौकरशाही, लालफीताशाही को हटाने और देश में अधिक निवेशक–अनुकूल माहौल बनाने के लिये सार्थक प्रयास किये गए हैं. अब आत्मनिर्भर भारत की सटीक कल्पना इसी दिशा में हमारे देश का अगला कदम है.

उपर्युक्त वर्णित विभिन्न योजनाओं का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि बिना कागज के इस्तेमाल, पारदर्शिता और जनभागीदारी सहित सरकारी सेवाएं इलेक्ट्रॉनिक रूप से जनता तक पहुंच सकें. अतः इस योजना का मुख्य उद्देश्य देश के ग्रामीण इलाकों को हाई स्पीड इंटरनेट के माध्यम से जोड़ना भी है. एक निश्चित लक्ष्य के साथ प्रयास है कि वर्ष 2022 तक लगभग 4–5 लाख गांवों में ब्रॉडबैंड सेवा उपलब्ध हो और आम आदमी सरकार से प्रत्यक्ष तौर पर जुड़ सके. इसके अलावा सरकार देशभर में वाई–फाई की सुविधा भी उपलब्ध कराएगी ताकि आम आदमी को किसी भी काम के लिए इंतजार न करना पड़े, उसके सारे काम ऑनलाइन प्रक्रिया से शीघ्र हो सके. जहां एक ओर इससे कागज की भारी मात्रा में बचत होगी, वहीं वातावरण एवं पर्यावरण को भी लाभ होगा.

इस बहुउद्देशीय कार्यक्रम को प्रभावी रूप से क्रियान्वित करने के लिए डिजिटल इंडिया द्वारा उत्पादों के निर्माण को निम्न तीन मुख्य घटकों में बांटा गया है: –

- डिजिटल आधारभूत ढांचे का निर्माण करना,
- इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से सेवाओं को जनता तक पहुंचाना,
- डिजिटल साक्षरता.

इन तीन मुख्य घटकों की सफलता सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न डिजिटल उत्पादों का निर्माण एवं उचित प्रचार– प्रसार निम्न प्रकार से किया जा रहा है.

डिजिटल इंडिया के अंतर्गत उत्पाद

डिजीलॉकर: यह प्रणाली सभी महत्वपूर्ण व्यक्तिगत दस्तावेजों को संग्रहित करने के लिए आधार कार्डधारक प्रत्येक भारतीय नागरिको, विभिन्न सरकारी विभागों और एजेंसियों द्वारा जारी किए गए आधिकारिक दस्तावेजों हेतु एक ऑनलाइन भंडारण प्रदान करता है. इसमें सिस्टम लिंक के माध्यम से डेटा को सुरक्षित रखने एवं साझा करने का भी प्रावधान है.

राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल (एक वेबसाइट के अंतर्गत सभी सरकारी छात्रवृत्ति): यह पूरी छात्रवृत्ति प्रक्रिया को लागू करने का एकमात्र सम्पूर्ण समाधान है. इस वेबसाइट में इच्छुक व्यक्ति विभिन्न केन्द्रीय और राज्य मंत्रालयों, सरकारों और अन्य एजेंसियों द्वारा प्रदान की जाने वाली विभिन्न छात्रवृत्ति के लिए आवेदन के साथ पंजीकरण भी कर सकते हैं. इसमें ऑनलाइन प्रक्रिया के साथ ऑनलाइन आवेदन प्राप्त कर सकते हैं. यह योजना छात्रवृत्ति को लाभार्थियों के खातों में धन के वितरण को प्रभावी और तेजी से भेजने में मदद करती है.

ई–हॉस्पिटल/ ऑनलाइन पंजीकरण सेवा (ओआरएस): यह प्रणाली विशेष सरकारी अस्पतालों में चिकित्सकों के साथ ऑनलाइन अपॉइंटमेंट लेने की सुविधा देती है. इसका उद्देश्य आम आदमियों को कई घंटों तक इंतजार करने या डॉक्टरों की तलाश में अस्पतालों में घूमने से राहत प्रदान करना है. रोगी अपनी रिपोर्ट को ऑन–लाइन भी देख सकता है. वर्तमान में ई–हॉस्पिटल सेवा देश के अनेक अग्रणी चिकित्सा केंद्रों में शुरू की जा चुकी है. इस योजना का देश भर में फैले विभिन्न अस्पतालों में विस्तार करने का प्रावधान है.

ई–साइन : यह डिजिटल इंडिया में शामिल किया गया एक और उत्पाद है. ई–साइन या इलेक्ट्रॉनिक हस्ताक्षर एक आधार कार्ड धारक को दस्तावेज पर डिजिटल रूप से हस्ताक्षर करने की ऐसी सुविधा प्रदान करता है, जिसे सेवा वितरण अनुप्रयोगों के साथ एकीकृत किया जा सकता है.

डिजिटाइज़ इंडिया प्लैटफार्म (डीआईपी): इसके अंतर्गत कार्यालयों में रिकार्ड रखे जानें वाले कमरों एवं कागजात के ढेर को कम करने के लिए भौतिक अभिलेखों को डिजिटाइज़ करने का प्रावधान है.

डिजिटल इंडिया के तहत बनाए गए ऐप: My Gov ऐप भारत सरकार का नागरिक आकर्षक मंच हेतु एक मोबाइल संस्करण है. इसके द्वारा नागरिक अपने विचारों को साझा कर सकते हैं और समाज एवं पूरे देश के विभिन्न मुद्दों और समस्याओं से जुड़े सुझावों का प्रस्ताव सीधे प्रधानमंत्री कार्यालय तक दे सकते हैं. स्वच्छ भारत मिशन ऐप लोगों के बीच स्वच्छता अभियान के बारे में अधिक जागरूकता पैदा करके, स्वच्छ भारत मिशन से संबंधित विभिन्न कार्यक्रमों से जुड़ने के लिए विकसित किया गया है. वर्तमान में इस कड़ी में "कोरोना" जैसी वैश्विक महामारी से लड़ने के लिए विकसित किया गया आरोग्य सेतु ऐप की सार्थकता किसी से छिपी नहीं है.

डिजिटल भारत के स्तंभ

ब्रॉडबैंड सुविधा: डिजिटल भारत के अन्तर्गत देश की सभी पंचायतों को इससे जोड़ने का प्रावधान है. कई करोड़ की अनुमानित राशि से ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क को देश भर में फैलाने की योजना प्रारम्भ है. इस योजना के तहत जहां सड़कों में यह जाल बिछाया जाएगा वहीं समुद्री मार्गों द्वारा भी इसका उपयोग प्रस्तावित है. हाल ही में, अगस्त 2020 में, इस योजना के तहत अंडमान निकोबार जैसे दूरगामी स्थानों में भी ब्रॉडबैंड सुविधा उपलब्ध करा दी गई है.

सार्वजनिक इंटरनेट एक्सेस कार्यक्रम – राष्ट्रीय ग्रामीण इंटरनेट मिशन: इस कार्यक्रम द्वारा ग्राम–पंचायतों के माध्यम से सेवा वितरण के लिए बहुआयामी अंत–बिंदुओं को सबके अनुकूल बनाया गया है. इस योजना के माध्यम से करीब 5,50,000 गांवों तक इंटरनेट पहुंचाने का लक्ष्य है. साथ ही डाकघर को भी इसके द्वारा बहु–सेवा केंद्र बनाया जाना है.

ई–गवर्नेंस: प्रौद्योगिकी के माध्यम से सुधार– इस कार्यक्रम के अंतर्गत सरकार सरलीकरण और कटौती, ऑनलाइन अनुप्रयोगों, विभागों के बीच विकासशील इंटरफ़ेस, स्कूल प्रमाणपत्र और मतदाता पहचान पत्र, सेवाओं और प्लेटफार्मों के एकीकरण, ऑनलाइन संग्रह का उपयोग सहित लेनदेन में सुधार करने के लिए आईटी का उपयोग करेगी. इससे बिजनेस प्रोसेस री–इंजीनियरिंग (बीपीआर) जैसी प्रणाली विकसित होगी. उदहारण स्वरुप; पेमेंट गेटवे, मोबाइल प्लेटफॉर्म आदि.

ई–क्रांति: इलेक्ट्रॉनिक डिलीवरी ऑफ़ सर्विसेज– इसमें नियोजन, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, वित्तीय समावेशन, न्याय और सुरक्षा के क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देना शामिल होगा. कृषि के क्षेत्र में, किसानों के लिए प्रौद्योगिकी का विकास वास्तविक समय की जानकारी, इनपुट के ऑनलाइन ऑर्डर (जैसे उर्वरक) और ऑनलाइन नकदी, ऋण, राहत–भुगतान मोबाइल बैंकिंग के विकास से सरल हो सकेगा. बैंकिंग मोबाइल ऐप से जन सामान्य अब ज्यादातर बैंकों के कार्य घर बैठे ही कर सकता है. जहां हमारे ग्रामीण नागरिक इससे लाभान्वित हो रहे हैं वहीं शहरों में निवास करने वाले वरिष्ठ नागरिक भी इस सुविधा का भरपूर लाभ ले पा रहे हैं.

सभी के लिए सूचना: सभी को जानकारी स्तंभ का उद्देश्य ऑनलाइन जानकारी प्रदान करना और वेबसाइटों और दस्तावेजों की मेजबानी करना शामिल होगा. यह सामान्य रूप से खुले डेटा प्लेटफार्मों के विकास के साथ–साथ जनता द्वारा सूचना के लिए एक आसान और खुली पहुंच के रूप में मददगार होगा.

इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण: 2022 तक नेट शून्य आयात लक्ष्य – भारत में इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए मौजूदा संरचना एवं आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए आने वाले दिनों में इस डोमेन में 'नेट शून्य आयात' का लक्ष्य रखा गया है. यह एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य होगा, जिसमें कराधान, प्रोत्साहन, पैमाने की अर्थव्यवस्था जैसे कई मोर्चों पर समन्वित कार्रवाई की आवश्यकता होगी, और लागत के नुकसान को खत्म करना होगा.

सूचना प्रौद्योगिकी में रोजगार: इस स्तंभ का उद्देश्य सूचना प्रौद्योगिकी सेक्टर की नौकरियों के लिए छोटे शहरों और गांवों में लोगों को प्रशिक्षित करना है. विशेष रूप से लघु एवं मध्यम वर्ग के उद्यमियों को इससे वृहत लाभ होने की सम्भावना है.

प्रारंभिक फसल कार्यक्रम: इसके तहत सभी विभागों में बायोमेट्रिक्स अटेंडेंस की सुविधा लागू कि जाएगी. सभी यूनिवर्सिटी में वाई–फाई की सुविधा होगी. सरकारी ईमेल की सुविधा दी जाएगी. सार्वजनिक वाई–फाई हॉटस्पॉट की सुविधा करायी जाएगी. मौसम विभाग द्वारा मोबाइल से आपदा की चेतावनी देने के लिए टीम बनायीं जाएगी. सभी स्टूडेंट्स के लिए किताबो का ई–बुक बनाया जायेगा. लापता बच्चों के लिए एक पोर्टल बनाया जायेगा, जिससे किसी भी बच्चे को खो जाने पर उसे उसके घर तक पहुचने में सहायक होगी.

इन विभिन्न योजनाओं को चरणबद्ध तरीके से कार्यान्वित करने का लक्ष्य है. यह एक अंतर–मंत्रालय पहल होगी जहां सभी मंत्रालय तथा विभाग अपनी सेवाएं जनता तक पहुंचाएंगें जैसे कि स्वास्थ्य, शिक्षा और न्यायिक सेवा आदि. चयनित रूप से पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल को अपनाया जाएगा. इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय सूचना केंद्र के पुनर्निर्माण की भी योजना है. यह एक सराहनीय और सभी साझेदारों की पूर्ण समर्थन वाली परियोजना है.

डिजिटल क्रांति की दिशा में सार्थक प्रयास

उपर्युक्त तथ्यों से एक बात तो स्पष्ट है कि डिजिटल उत्पादों के सार्थक प्रयास दूरगामी परिणाम लेकर आ रहे हैं. फिर भी हमें यह आवश्यकता है कि इन परिणामों का सही आकलन हो, ताकि सार्थकता का पैमाना भी निश्चित किया जा सके. निम्न बिंदुओं के आधार पर इन डिजिटल उत्पादों की सार्थकता को जाँचनें का प्रयास किया जा सकता है:–

सामाजिक–आर्थिक विकास, विश्वसनीय नेटवर्क, इष्टतम कनेक्टिविटी तथा क्लाउड जैसे डिजिटल हस्तक्षेपों सहित कुशल प्रौद्योगिकी के उपयोग के माध्यम से परिवर्तन लाना.

डिजिटल इंडिया कार्यक्रमों में क्लाउड तकनीक का समावेश और अन्य डिजिटल हस्तक्षेपों को पहले से ही आधुनिक और समावेशी राष्ट्र बनाने में मदद के लिये अपनाना.

उपसंहार

- भारत डिजिटल क्रांति का अनुभव कर रहा है जो बैंकिंग ई–भुगतान, ई–स्वास्थ्य, डिजिटल साक्षरता, कृषि, वित्तीय समावेशन, भौगोलिक मानचित्र, ग्रामीण विकास, सामाजिक लाभ कार्यक्रम, भाषा स्थानीयकरण आदि जैसे क्षेत्रों में रूपांतरित परिवर्तनों को प्रेरित कर रहा है. क्लाउड प्लेटफार्मों और अनुप्रयोगों जैसी प्रौद्योगिकी को अपनाने से हमारी डिजिटल गति में महत्त्वपूर्ण प्रभाव दिखाई दिया है.
- आगे बढ़ने की राह सदैव कठिन होती है. सभी विश्व अर्थव्यवस्थाओं का एक महत्वपूर्ण इंजन बनने के लिये जैसे–जैसे भारत आगे बढ़ता जाएगा हम वैश्विक नेतृत्व प्राप्त करने के लिये एक परिवर्तनीय अवसर के कगार पर होंगे. शिक्षा में ऑनलाइन पद्धति का उपयोग हो या वर्क फ्रॉम होम से कार्यालय सम्बन्धी कार्य, इसी प्रकार के अन्य कई दिन – प्रतिदिन के कार्यों में डिजिटल उत्पादों का उपयोग अब जन सामान्य भी समझ चुका है. हमारे किसान, ग्रामीण उद्यमी और कारीगर इन उत्पादों से सबसे अधिक लाभान्वित हो रहे हैं. आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, रोबोटिक्स जैसी नई और उभरती हुई तकनीकें तथा इनके भावी उत्पाद राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में मुख्य भूमिका निभा सकतें हैं.
- हमारे देश में डिजिटल कार्यक्रम समय के साथ अपनी सार्थकता स्थापित कर रहे हैं. धीरे धीरे ही सही, इसकी सफलता सरकारी क्षेत्रों सहित जन–जन तक पहुंच रही है. डिजिटल क्रांति से दिन प्रतिदिन के काम में पारदर्शिता और जन भागीदारी सुनिश्चित हो रही है, विशेष रूप से डिजिटल एप से हमारे कृषि प्रधान देश में किसानो को समय से मौसम की जानकारी, बैंको के संचालन से पैसे का आसान और सही लेन देन भारत सरकार की इस कार्यक्रम की सफलता एवं सार्थकता दर्शाता है.

इन सभी उदाहरणों से डिजिटल उत्पादों की सार्थकता स्वयं सिद्ध है, आवश्यकता है तो इसके समय –समय पर सही–सही आकलन की. अगर हम ऐसा कर सके तो अवश्य ही "डिजिटल उत्पाद" न केवल जन सामान्य का जीवन स्तर सुधारनें में सहायक होगें, वरन हमारे देश की महत्वाकांक्षी भागीरथ योजना "आत्मनिर्भर भारत" को भी सफल बनाने में अहम और सार्थक भूमिका निभा सकेगें.

❖❖❖

प्रतीक खरे
प्रबंधक
सोलापुर मुख्य शाखा
सोलापुर क्षेत्र

Turn Vegan with Plant Based Meat, Egg, Milk and Milk Products

All that seems to be meat is no more meat. All milk is not going to be sourced from animals. No birds needed to lay eggs. World will turn vegan with plant based alternatives to meat, egg, milk and milk products.

Pattern of meat consumption: The consumption of meat has increased over the decades. The increase in meat consumption is a factor of rising incomes and growing population to feed. The new trend of having protein based diet has also called for higher consumption of meat.

By some estimates, 30% of the calories consumed globally by humans come from meat products, including beef, chicken and pork. The global meat market could be worth as much as $2.7 trillion by 2040. The highest amount of meat is consumed in USA, Australia and Argentina, where it ranges between 80 and 100 kg per person per year. In comparison, it is the least 4 kg in India per person per year. Barring a few, most of the Indian states have a good number of meat eaters. While medical science promotes consumption of meat for its various nutritional benefits - there has always been several risk factors associated with its consumption. Such risk gears up in multiple occasions as like that of the COVID19 crisis.

Fear on impact of meat consumption: Despite assurances by the health authorities that COVID19 is not linked to consumption of non-vegetarian foods, PETA (People for Ethical Treatment of Animals) has warned that the condition in which animals breed and are transported - the risk of transmission of such diseases cannot be ignored. According to PETA, pathogens flourish in such circumstances and crowded farms can pose a health risk on account of being breeding grounds of viruses. According to the Center for Disease Control and Prevention (USA), 75% of recently emerging infectious diseases originated from animals – as swine flu originated from pigs and COVID19 seems to have been first noticed in the meat market of Huangxo, China. The transmission risk is also related to low hygiene practices. Even though the Food Business Order in India mandates various norms related to maintenance of hygiene at point of sale and safe slaughter of animal, a majority Indian prefers consuming fresh meat which means live slaughtering of the bird and animal Even though the Food Business Order mandates hygiene norms at point of sale of meat, a large section of Indian population prefers consuming fresh meat which means killing or slaughtering of the bird and animal in front of them. This is a trade off with the low hygiene situation.

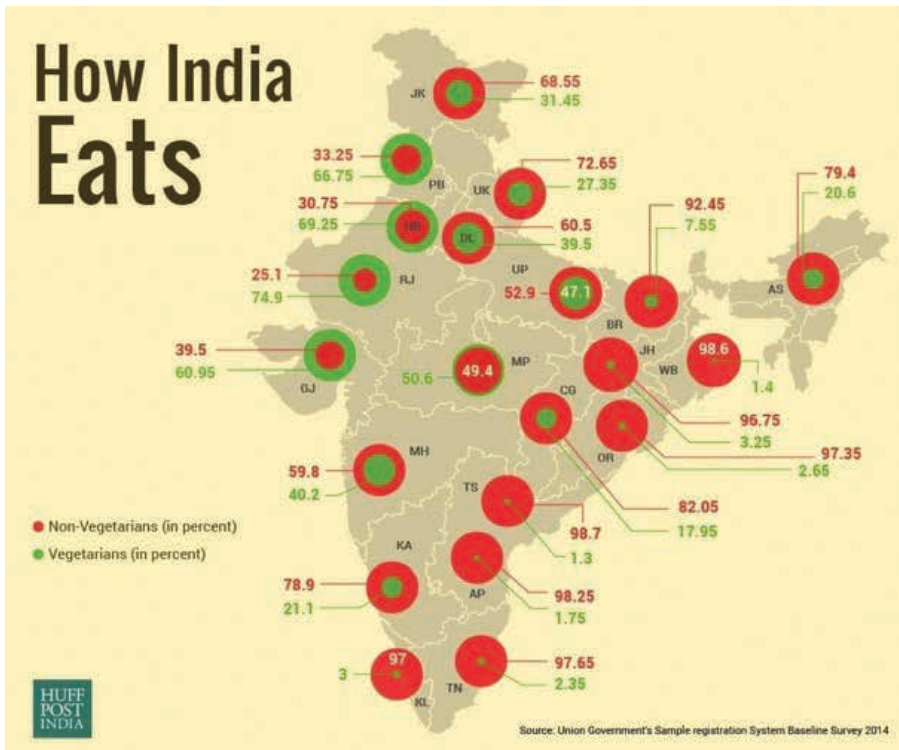

When it comes about global warming, Agriculture is considered to be one of the major contributor of greenhouse gases and more particularly Animal Husbandry within it. Hence, growing demand and increasing consumption of meat will only give rise to further emission of greenhouse gases and enhance the global warming scenario. Hence, turning to vegetarian food is considered one's best act to prevent global warming. This is based on facts that demand of meat results into more land being diverted for production of fodder and crops like maize and soya being the major ingredient for animal and bird feeds.

Alternatives to Meat: Alternative meats are plant based protein products grown in labs which is formulated to look, cook and taste like real meat. The growing awareness about the risks of meat consumption has led to the popularity of plant-based meats in the fast food industry in around the world. In USA, which is a global leader of such products, most of the innovation in developing the plant based meat products has taken place there. The global meat substitute market size is valued at $4.1 billion in 2017 and is expected to reach $8.1 billion by 2026. US based companies like Impossible Foods" and "Beyond Meat", Australia based "Alternative Meat Co" claim to be at the forefront of developing the scientifically engineered food by bringing the plant-based closer to the taste, aroma and texture of real meat. The company has pioneered in finding the unique substitutes for complex products like "steak aroma"

due to drizzling fat in "Parsley"- which acts as a perfect substitute. Currently there are about 75 different companies in the world developing and marketing plant based meat products. This includes brands like Tyson, Cargill, Clara, Perfect Day besides of Impossible Foods and Beyond Meat.

For colour, the lab uses deep red colour from beetroot powder for natural appearance—ingredients like coconut oil and potato starch improve texture of such products. Considering the mammoth challenge of providing the alternative of meat products,-the company brings together the great scientists, best engineers and the best managers in the world who have single mission-building meat directly from plants that are as close to nature. These companies claims that they are in the process to reset human history where we no longer need to use the animal to grow a piece of meat.

Meat Alternatives in India: Currently a lot of vegetarian Indians would call soya nuggets, mushroom and Soya chaap (popular dish from Delhi) are considered to be vegetarian version of meat. In India also, which is home to millions of vegetarian consumers-plant-based meat alternatives other than the above mentioned dishes are increasingly becoming popular among all age groups. The catering industry has successfully experimented with these foods by introducing such items in the student messes, marriages, corporate events and other social functions.

Considering the growing appetite for such foods and taking the products to the next level of quality and variety, several companies are working on bringing innovative products in Indian culinary market. A good number of companies have entered the Indian market and are making waves in the vegetarian culinary market with their innovative products.

New Delhi-based company "Ahimsa Foods" offers products like hot dogs, vegetable salamis, Nawabi Kebab and vegan burger. The company has pioneered by introducing "mock duck, "mock fish," "mock mutton" and it is planning to release vegan chicken soon. Another company "Good Dot" has successfully crafted numerous products like "biryani,"

"pulao," "Thai green curry-based products," achari tikka and so on. The company has won multiple awards for its products. "Imagine Foods", a plant based meat venture by bollywood couple Ritesh Deshmukh and Genelia in partnership with The Good Food Institute (GFI), a non-profit.

Few other companies operating in India to provide plat based meat, egg, milk and milk products are BVeg, Clear Meat, Goodmylk, GoodDo, Evo, Mister veg Food Corporation, Strive, Veganfirst etc. Some of them have already released certain products in the market and a few are in the process of launching.

Apart from the industry, country's leading academic Institutions also are at the forefront of developing such products. Because India is a host to the most significant number of vegetarians' in the world and for the unending appetite to vegetarian alternatives- there is a vast ecosystem for research and development in such productc. Recently, Indian Institute of Technology (IIT), Delhi, developed a plant-based 'egg,' and it is expected that the institute shall launch sausages, beef, mutton, chicken, turkey from plant produce.

Similarly, the institute faculty Kavya Dashora developed a vegetarian egg made of moong that was displayed during the Institute Industry Day. Even though it is at nascent stage, the food industry and the leading academic institutions are continuously innovating the food industry in India- especially the plant-based foods. In such a favourable scenario, it is expected that within the next few years- the industry shall develop more product range that shall resemble the taste, appearance and texture of existing meat products closely.

Dairy alternatives: The learning is being used by a good number of companies towards making plant based dairy alternatives. It is said that this segment has already made $9.8 billion during 2017 and is supposed to grow at CAGR of 12.4 % during 2018 to 2025. The major companies in plant based dairy alternatives are Whitewave, Arla Foods, Cargill, Fonterra, Barry Callebaut, Blue Diamond Almonds etc. Perfect day is a brand connected with dairy alternatives claiming cow-free milk based at Sanfrancisco is founded by Indian origin Ryan Pandya and Perumal Gandhi uses engineered yeast that is capable of producing the protein found in milk.

The opportunity for these products in India is expected to grow sooner as they promise to be great solution to many problems. Now people can consume this plant based meat without any restriction of places (of worship) and days (most people refrain from eating non veg on certain days). On increased production, we may see it becomes affordable and so a good number of people will find it as an alternative nutrition and the country can address the issue of malnourishment. The lynching due to religious belief may soon become history as no animal will be harmed. Every individual would become an active PETA volunteer to turn against non-violence to animal and birds.

Things to ponder upon: Should one check out if the meat, milk and egg on their plate is sourced from animals or is a lab grown one? Whether these foods will have vegetarian logo or a new one will be used? Will everyone turn vegetarian? What will happen to the large number of farmers engaged in dairy, poultry and animal husbandry? Will every farmer will shift to just growing of field crops, vegetables, spices and fruits? What will be the fate of dairy processing giants like AMUL? Only the future can answer these questions.

❖❖❖

Krutti Sundar Patra
Senior Manager (R & AB)
Head Office, Baroda

उज्जैन मुख्य शाखा, भोपाल दक्षिण क्षेत्र

बैंक के 113वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में भोपाल दक्षिण क्षेत्र की उज्जैन मुख्य शाखा द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया. इस अवसर पर शाखा प्रमुख श्री विपिन कुमार एवं शाखा के अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

क्षेत्रीय कार्यालय, देहरादून

बैंक के 113वें स्थापना दिवस पर देहरादून क्षेत्र द्वारा पुलिस विभाग के श्री संजय गुंजियाल, आईपीएस, दून अस्पताल की श्रीमती दीपिका तिवारी, नर्स श्रीमती अंशुल भट्ट तथा सफाई कर्मचारी श्री हरिओम को सम्मानित किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

क्षेत्रीय कार्यालय, दुर्ग

बैंक के स्थापना दिवस पर दुर्ग क्षेत्र द्वारा महामारी में देशहित में अपनी सेवाएँ प्रदान करने कर्मचारियों को सम्मानित किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रबन्धक डॉ. आर के मोहंती तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

क्षेत्रीय कार्यालय, शाहजहाँपुर

बैंक के 113वें स्थापना दिवस पर शाहजहाँपुर क्षेत्र द्वारा पुलिस कर्मचारियों को सम्मानित किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री अनिल कुमार माहेश्वरी एवं स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

क्षेत्रीय कार्यालय, मुंबई मेट्रो पश्चिम

मुंबई मेट्रो पश्चिम क्षेत्र द्वारा स्थापना दिवस पर डॉक्टर, पैरामेडिकल, पुलिस, सैनिटाइजेशन कार्यकर्ता और बैंक कर्मी को स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री बी एल मीना तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

क्षेत्रीय कार्यालय, वाराणसी

बैंक के 113वें स्थापना दिवस पर वाराणसी क्षेत्र द्वारा वृक्षारोपण सहित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री प्रतीक अग्निहोत्री, उप क्षेत्रीय प्रमुख द्वय श्री रंजीत कुमार झा एवं श्री स्वपन कुमार डे तथा स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

क्षेत्रीय कार्यालय, आगरा

बैंक के 113वें स्थापना दिवस के अवसर पर क्षेत्रीय कार्यालय, आगरा की लायर्स कॉलोनी शाखा के नए परिसर का उद्घाटन किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री रवि गोयल एवं अंचल प्रमुख, मेरठ से श्री अमरनाथ गुप्ता ने ऑनलाइन माध्यम से संबंधित कार्यक्रम में भाग लिया.

दिल्ली महानगर क्षेत्र–2

बैंक के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में दिल्ली महानगर क्षेत्र–2 की सफदरजंग हॉस्पिटल शाखा द्वारा सफदरजंग अस्पताल में जरूरतमंदों को सैनिटाइजर, मास्क एवं खाद्य सामग्री वितरित की गई और कोरोना योद्धाओं का सम्मानित किया गया. इस अवसर पर अस्पताल के कोविड वार्ड के प्रभारी डॉ. नितीश कुमार, सीनियर कंसल्टेंट एवं सहायक लैब टेक्नीशियन श्री उमेश चंद्र प्रसाद, श्री विकास शर्मा, शाखा प्रमुख एवं अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

क्षेत्रीय कार्यालय, मुरादाबाद

बैंक के स्थापना दिवस के अवसर पर मुरादाबाद क्षेत्र द्वारा मेडिकल किट तथा खाद्य सामग्री वितरित की गई. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री टी.पी नंदा एवं अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

क्षेत्रीय कार्यालय, जलगाँव

जलगाँव क्षेत्र द्वारा बैंक के 113वें स्थापना दिवस को प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता एवं विभिन्न गतिविधियों के आयोजन के साथ बड़े हर्षोल्लास से मनाया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री अरुण मिश्रा, उप क्षेत्रीय प्रमुख द्वय डॉ. बी आर चौधरी एवं अजेश गुप्ता तथा समस्त स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

क्षेत्रीय कार्यालय, रायबरेली

क्षेत्रीय कार्यालय रायबरेली द्वारा बैंक के 113वें स्थापना दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया. इस अवसर पर बड़ौदा उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक के अध्यक्ष श्री देवेंदर पाल ग्रोवर एवं क्षेत्रीय प्रमुख श्री अन्मय कुमार मिश्रा द्वारा रायबरेली जनपद के डॉ. अश्विनी कुमार चौधरी एवं प्रभारी निरीक्षक कोतवाली श्री अतुल कुमार सिंह को शॉल और प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया.

क्षेत्रीय कार्यालय, मुंबई मेट्रो दक्षिण

बैंक के 113वें स्थापना दिवस के अवसर पर मुंबई मेट्रो दक्षिण क्षेत्र द्वारा बीएमसी के उत्तर वार्ड के डॉ. संदीप पाटिल, श्री निलेश भोईर (सैनिटाइजेशन कार्यकर्ता) एवं श्रीमती जयश्री हर्णे (नर्स) को सम्मानित किया. इस कार्यक्रम में उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री गेब्रियल महात्मा, विपणन प्रबन्धक श्री सौरव ठाकुर एवं अन्य स्टाफ उपस्थित रहे.

क्षेत्रीय कार्यालय, भुवनेश्वर

31 अगस्त, 2020 को भुवनेश्वर क्षेत्र द्वारा भुवनेश्वर शहर में स्वास्थ्य, चिकित्सा, प्रशासन एवं सफाई विभाग से जुड़े कर्मचारियों को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया. इस अवसर पर उप क्षेत्रीय प्रमुख द्वय श्री भारत भूषण तथा उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री हरिश चंद्र सिन्हा और अन्य स्टाफ उपस्थित रहे.

क्षेत्रीय कार्यालय, मुंबई मेट्रो पूर्व

स्थापना दिवस के अवसर पर बैंक ऑफ इंडिया के सहायक महाप्रबंधक श्री लक्ष्मीनारायण को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया. इस कार्यक्रम में क्षेत्रीय प्रमुख श्री अशोक मेकवान तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

क्षेत्रीय कार्यालय, मुंबई मेट्रो मध्य

113वें स्थापना दिवस के अवसर पर मुंबई मेट्रो मध्य क्षेत्र द्वारा डॉक्टर, पैरामेडिकल, पुलिस, सैनिटाइजेशन कार्यकर्ता और बैंक कर्मी को सम्मानित किया गया. इस अवसर पर उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री सालेश कुमार तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

क्षेत्रीय कार्यालय, सिलीगुड़ी

सिलीगुड़ी क्षेत्र द्वारा क्षेत्रीय प्रमुख श्री फिलीप बुड़ की अध्यक्षता में 113वां स्थापना दिवस समारोह का आयोजन किया गया. इस अवसर पर उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री लोपसांग शेरपा एवं अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

बीएसवीएस, मंझनपुर, कौशांबी

बड़ौदा स्वरोजगार विकास संस्थान, मंझनपुर, कौशांबी द्वारा 113वां स्थापना दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण किया गया. इस कार्यक्रम में फतेहपुर क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री अतुल कुमार खरे, कौशांबी जनपद के अग्रणी जिला प्रबंधक श्री कटियार, बीएसवीएस के निदेशक श्री नवीन कुमार झा व अन्य सहायक कर्मी उपस्थित रहे.

क्षेत्रीय कार्यालय, हैदराबाद

20 जुलाई, 2020 को हैदराबाद क्षेत्र द्वारा स्वास्थ्य कर्मियों, पुलिस, सफाई कर्मचारी को उनके योगदान के लिए मेमेंटो और शॉल से सम्मानित किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री के के विनोद बाबू, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री संजीव सिंह एवं अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

Regional Office, Chennai Metro

Various events were organized by the Chennai Metro Region to celebrate Bank's 113th Foundation Day. Regional Manager Shri Chalapathi Naidu, other senior officials and staff members were present on the occasion.

क्षेत्रीय कार्यालय, मुंबई मेट्रो उत्तर

113वें स्थापना दिवस के अवसर पर मुंबई मेट्रो क्षेत्र द्वारा डॉक्टर, पैरामेडिकल, पुलिस, सैनिटाइजेशन कार्यकर्ता और बैंक कर्मी को सम्मानित किया गया. इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पालघर के जिला कलेक्टर, सहायक महाप्रबंधक (एसएमईएलएफ़) श्री लक्ष्मीकांत एवं पालघर के शाखा प्रमुख श्री प्रवीण सावे उपस्थित रहे.

क्षेत्रीय कार्यालय, बड़ौदा जिला

बैंक के 113वें स्थापना दिवस पर बड़ौदा जिला क्षेत्र द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया. इस अवसर पर वडोदरा कोविड सेंटर में कार्यरत डॉ. गौरव पटेल, पारामेडिक सुश्री हेतलबेन मोची, स्वच्छताकर्मी सुश्री जशोदाबेन, पुलिसकर्मी श्री संतोष प्रसाद पाठक एवं बैंक ऑफ महाराष्ट्र के श्री सरताज खान को क्षेत्रीय प्रमुख श्री संजीव आनंद, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री रवि पाठक एवं श्री अरविंद सिन्हा द्वारा सम्मानित किया गया.

क्षेत्रीय कार्यालय, सुल्तानपुर

बैंक के 113वें स्थापना दिवस के अवसर पर सुल्तानपुर क्षेत्र द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री सुबोध जैन, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री फुलेन्द्र पाठक द्वारा जनपद अंबेडकर नगर में पुलिस अधीक्षक को बैंक का प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया.

क्षेत्रीय कार्यालय, गोरखपुर

गोरखपुर क्षेत्र द्वारा 113वें वां स्थापना दिवस पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया. इस अवसर पर उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री संजय कुमार सिंह द्वारा गोरखपुर के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. श्रीकांत तिवारी को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया.

क्षेत्रीय कार्यालय, औरंगाबाद

बैंक के 113वें स्थापना दिवस के अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री रामावतार पालीवाल द्वारा डॉक्टर, नर्स, पुलिसकर्मी, बैंकर और सफाईकर्मी को सम्मानित किया गया. इस अवसर पर डॉक्टर कानन येलीकर (डीन, सरकारी मेडिकल कॉलेज, औरंगाबाद) तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

जहां चुनौतियाँ बहुत ज्यादा हैं वहाँ रास्ते भी बहुत हैं

– आर के मिगलानी, महाप्रबंधक–मुख्य समन्वयन (सेवानिवृत्त)

श्री आर के मिगलानी, महाप्रबंधक–मुख्य समन्वयन बैंक की सेवा से 31 अगस्त, 2020 को सेवानिवृत्त हुए. अपनी सुदीर्घ बैंकिंग सेवा के दौरान आपने बैंक में विभिन्न स्थानों पर महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वाह किया. अपनी सेवानिवृत्ति के समय आप महाप्रबंधक–मुख्य समन्वय के रूप में नई दिल्ली में अपनी सेवाएँ दे रहे थे. बॉबमैत्री की अंचल संवाददाता एवं वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) श्रीमती मोनिका सिंह ने श्री आर के मिगलानी से उनके व्यक्तिगत एवं पेशेवर जीवन के संबंध में बातचीत की. प्रस्तुत हैं, बातचीत के प्रमुख अंश. – संपादक

1. कृपया अपनी पारिवारिक एवं शैक्षणिक पृष्ठभूमि के बारे में हमें कुछ बताएं.

मैं हरियाणा के रोहतक का निवासी हूँ. मैंने रोहतक शहर से ही अपनी शिक्षा ग्रहण की है. मैंने रोहतक के प्रसिद्ध हिन्दू कॉलेज से स्नातक (बीकॉम) किया है. मेरे परिवार के अन्य सदस्य अभी भी रोहतक में ही रहते हैं.

2. आपने बैंकिंग को कॅरियर के रूप में क्यों चुना ?

मैंने वर्ष 1978 में बी. कॉम की परीक्षा पास की. उस समय यह माना जाता था कि जो विद्यार्थी कॉमर्स की पढ़ाई करते हैं वे कॅरियर के रूप में सीए या बैंक को ही चुनते हैं. पारिवारिक स्थिति को देखते हुए तथा कामर्स में पढ़ाई के कारण मैंने भी बैंक को ही चुना. दिसंबर 1980 में न्यू बैंक ऑफ़ इंडिया की लुधियाना शाखा में लिपिक के रूप में पदभार ग्रहण किया. वर्ष 1981 में बीएसआरबी की परीक्षा उत्तीर्ण कर पूर्ववर्ती विजया बैंक की रोहतक शाखा में पदभार ग्रहण किया.

3. आपको बैंक की विभिन्न शाखाओं एवं कार्यालयों में कार्य करने का व्यापक अनुभव है. इनमें से कौन सी शाखा अथवा कार्यालय में कार्य करने का अनुभव सबसे अच्छा रहा ?

मेरा बैंकिंग जीवन लगभग 39 वर्ष 8 माह का रहा. इसमें, मैंने केवल एक वर्ष प्रधान कार्यालय में महाप्रबंधक के रूप में कार्य किया. शेष बैंकिंग कार्यकाल में मैं विभिन्न शाखाओं, क्षेत्रीय एवं अंचल कार्यालयों में कार्यरत रहा. इसलिए मुझे फील्ड में कार्य करने का व्यापक अनुभव प्राप्त हुआ. सभी पोस्टिंग चुनौतियों से परिपूर्ण रहीं. फिर भी इनमें से मेरा 3 वर्ष का मुंबई में अंचल प्रमुख (महाप्रबंधक) का कार्यकाल सबसे अच्छा रहा.

4. आपके बैंकिंग कॅरियर का सबसे मजेदार अनुभव कौन सा रहा?

मुझे यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि मेरी सभी पदोन्नतियां प्रथम प्रयास में ही हुईं जबकि पहले फास्ट ट्रैक की सुविधा नहीं थी तथा प्रत्येक संवर्ग में 3–5 व 7 वर्ष तक न्यूनतम बैंकिंग सेवाकाल होता था. प्रत्येक पदोन्नति एक बहुत बड़ी उपलब्धि के रूप में मानी जाती थी. मुझे याद है जिस दिन स्केल–1 से स्केल–2 का परिणाम आया उस दिन मेरी बेटी का जन्मदिन था. ज्यों ही मुझे पदोन्नति की सूचना मिली मुझे इतनी खुशी हुई कि खुशी के कारण मैंने खाना भी नहीं खाया.

5. आपका सबसे अधिक चुनौतीपूर्ण कार्यदायित्व कौन सा रहा?

मुंबई अंचल में जब अंचल प्रमुख के रूप में पोस्टिंग हुई तब मैं सबसे जूनियर महाप्रबंधक था और मुंबई अंचल बैंक का सबसे बड़ा अंचल था. उस समय अंचल का नेतृत्व करना बहुत बड़ी चुनौती थी, क्योंकि बैंक के व्यवसाय का 25% व्यवसाय मुंबई अंचल से होता था. मैंने इस चुनौती को स्वीकार किया और मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि मैं लगभग तीन वर्ष उस अंचल का प्रमुख रहा तथा इस दौरान अंचल का व्यवसाय काफी बढ़ा.

6. आप महाप्रबंधक (मुख्य समन्वयन, उत्तर) जैसे महत्त्वपूर्ण पोर्टफोलियों को संभाल रहे हैं. बैंक के इस पोर्टफोलियों से अधिकतम लाभ अर्जित करने के लिए आप क्या सुझाव देना चाहेंगे?

बैंक को मुख्यत: दो प्रकार से लाभ अर्जित होता है. एक ब्याज से प्राप्त आय व दूसरी ब्याज रहित आय. वर्तमान परिवेश में क्रेडिट ग्रोथ बहुत ज्यादा नहीं हो रही है एवं ब्याज दर भी कम हो रही है. इसलिए ब्याज से प्राप्त आय पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है. इसलिए हमें ब्याज रहित आय को अधिक से अधिक बढ़ाना होगा ताकि हम अपनी शुद्ध ब्याज आय को अधिक से अधिक स्तर पर रखें. साथ ही हमें कासा को भी बढ़ाना होगा और एनपीए की वसूली ज्यादा से ज्यादा करनी होगी ताकि प्रोविज़न कम हो.

7. अत्यंत व्यस्त बैंकिंग पेशे में आपने अपने कार्यालय एवं व्यक्तिगत/पारिवारिक जीवन के बीच कैसे संतुलन बनाया?

वर्तमान परिवेश में बैंकिंग बहुत व्यस्त एवं तनावपूर्ण नौकरी/ पेशा है. ऐसे में कार्यालय व पारिवारिक जीवन में संतुलन बनाना बहुत कठिन कार्य है और दोनों में से किसी एक को अनदेखा नहीं किया जा सकता. इसलिए मैंने हमेशा यह कोशिश की है कि मैं बैंक के साथ –साथ पारिवारिक व सामाजिक जीवन को भी पूरा महत्व दूं जो कि बहुत जरूरी है. इसलिए जब भी मुझे समय मिला मैंने वह समय परिवार को दिया.

8. आप वर्तमान बैंकिंग परिदृश्य को किस प्रकार देखते हैं, विशेषत: बैंक ऑफ़ बड़ौदा के संदर्भ में?

वर्तमान परिवेश में, विशेष रूप से कोविड –19 के बाद, बैंकिंग काफी कठिन हो गई है. परंतु बैंकिंग हमेशा से अर्थव्यवस्था की एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य करती रही है. इसलिए एक बैंकर के नाते हमारा रोल बहुत महत्वपूर्ण है. जहां चुनौतियाँ बहुत ज्यादा हैं, वहाँ रास्ते भी बहुत हैं. मैं हमेशा अपने माननीय प्रधानमंत्री के शब्दों को अपने ज़हन में रखता हूँ कि हमें आपदा में अवसर ढूँढना चाहिए. हमें बैंक ऑफ़ बड़ौदा में भी आपदा में अवसरों को तलाशना है और अपने बैंक को निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर करना है.

9. आप बैंक के भविष्य के बारे में क्या सोचते हैं एवं बड़ौदियनों के लिए आप क्या संदेश देना चाहते हैं, विशेष तौर पर हमारे युवा साथियों को?

मेरे अनुसार बैंक का भविष्य चुनौतियों से परिपूर्ण परंतु बहुत अच्छा है. हमें किसी न किसी रूप में अपने देश, अपनी अर्थव्यवस्था के लिए योगदान देते हुए हर मानदंड जैसे कि कासा, क्रेडिट ग्रोथ विशेष रूप से रिटेल, एग्रीकल्चर, एमएसएमई एवं एनपीए रिकवरी में अच्छे प्रयास करते हुए बैंक को नई ऊंचाईयों पर लेकर जाना है. मेरे युवा साथियों से मुझे इतना ही कहना है कि आप अपना 100% अपने बैंक के लिए दें ताकि शाम को जब अपने घर जाएं तो आपको एक सुखद अनुभूति हो कि मैंने अपने बैंक के लिए कुछ अच्छा किया है.

10. आप सेवानिवृत्ति के बाद अपना समय कैसे व्यतीत करना चाहेंगे ?

सेवानिवृत्ति एक तरह से एक नए जीवन की शुरुआत होती है क्योंकि जैसा कि मैंने लगभग 40 वर्ष बैंकिंग जीवन में व्यतीत किए और फिर सेवानिवृत्त होना वास्तव में एक नए जीवन की शुरुआत करनी है. मैं चाहूँगा कि सेवानिवृत्ति के पश्चात मैं अपने आपको सक्रिय रखते हुए एक अच्छी दिनचर्या का पालन करूँ, स्वस्थ रहूँ व अपने परिवार को अधिक से अधिक समय दूं.

❖❖❖

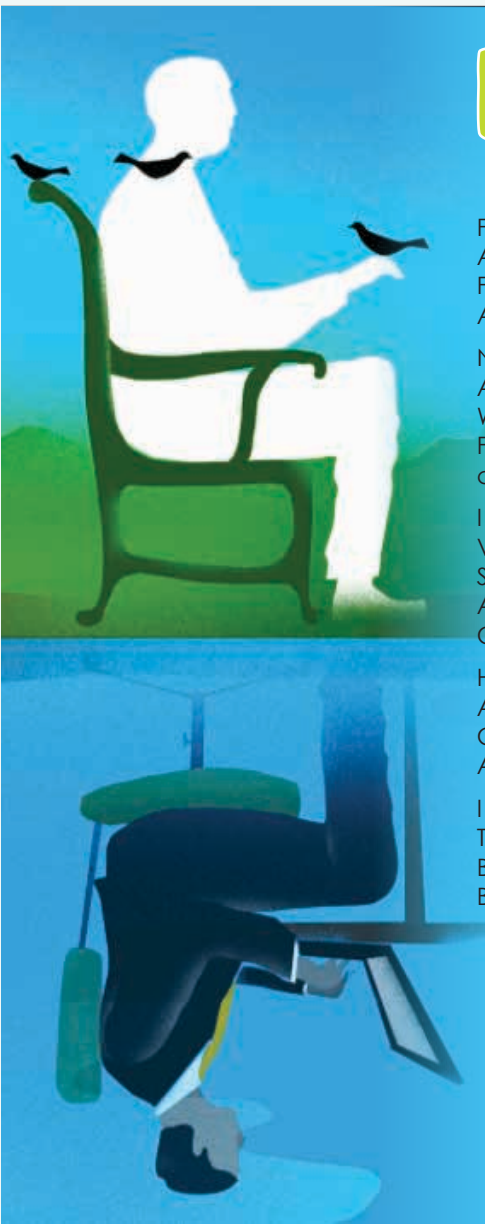

Retirement - A New Journey

First of all, I want to thank God and my parents
And every member of my family
For the blessings and love they bestowed
And the sacrifices they made for me.

Now about my memorable journey at BOB
A very happy and satisfying one, I must say
With more of happy times than sad
Facing new experiences and
challenges each day.

I vividly remember my joining at
Vile Parle West Branch
So shy and nervous I was, in those initial days
And today I am a proud Barodian
Confident and secure in every way.

Having seniors who guided me
And juniors who supported me
Criticisms that strengthened me
And friends who stood by me.

I have faced a few conflicts too
That only made me stronger
But mostly I met wonderful people
Built relationships very precious and dear.

I am very grateful to my organization
It treated me very well
It not only gave me a comfortable lifestyle
But also a lovely house to dwell.

BOB has brought me a lot of respect
Opportunities to prove myself, it gave me
Rewarded me for successful endeavours
Making my family very proud of me.

Each memory I have, is so precious
That will enlighten my coming days
The experiences I have gathered along
Will help me in many ways.

And now I look forward
To another exciting and enjoyable journey
With people I have for long ignored
That is myself and my family.

❖❖❖

Helen D'Costa
Manager (Retired)
Corporate Office, Mumbai

अहमदाबाद क्षेत्र–1, एसएमईएलएफ़ शाखा का उद्घाटन

10 जुलाई, 2020 को अहमदाबाद क्षेत्र–1 के अंतर्गत एसएमईएलएफ़ शाखा का शुभारम्भ महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख श्रीमती अर्चना पांडेय द्वारा किया गया. इस अवसर पर अहमदाबाद क्षेत्र–1 के उप महाप्रबंधक श्री गंगा सिन्ह एवं अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

गया क्षेत्र के नए परिसर का उद्घाटन

17 जुलाई, 2020 को क्षेत्रीय प्रमुख श्री मनीष कुमार द्वारा गया क्षेत्र के नए परिसर का उद्घाटन किया गया. इस अवसर पर उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री सनोज कुमार तथा श्री महेश कुमार दास एवं अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

करनाल क्षेत्र में एमएसएमई, कुंडली के नए परिसर का उद्घाटन

25 सितंबर, 2020 को करनाल क्षेत्र की एमएसएमई, कुंडली शाखा के नए परिसर का उद्घाटन क्षेत्रीय प्रबंधक श्री सत्य प्रकाश द्वारा किया गया. इस अवसर पर उप क्षेत्रीय प्रबंधक श्री सरबजीत सिंह एवं श्री अंजनी कुमार सिंगल सहित शाखा प्रबंधक श्री अनिल कुमार व अन्य स्टाफ सदस्य भी उपस्थित रहे.

एसएमई शाखा, जयपुर का उद्घाटन

जयपुर शहर में नई एसएमई शाखा का उद्घाटन अंचल प्रमुख श्री महेंद्र सिंह महनोत द्वारा किया गया. इस अवसर पर जयपुर क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री प्रदीप कुमार बाफना, उप अंचल प्रमुख श्री योगेश अग्रवाल, उप महाप्रबंधक श्री विवेक सिंघल, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

ट्रांसपोर्ट नगर शाखा, भीलवाड़ा क्षेत्र के नवीन परिसर का उद्घाटन

07 अगस्त, 2020 को ट्रांसपोर्ट नगर शाखा, भीलवाड़ा क्षेत्र के नवीन परिसर का उद्घाटन अंचल प्रमुख श्री महेंद्र एस महनोत द्वारा किया गया. इस अवसर पर भीलवाड़ा क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री राजेश कुमार सिंह, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

राजापुर शाखा, प्रयागराज क्षेत्र के नए परिसर का उद्घाटन

25 अगस्त, 2020 को क्षेत्रीय कार्यालय, प्रयागराज में स्थित राजापुर शाखा के नए परिसर का उद्घाटन मुख्य विकास अधिकारी श्री आशीष कुमार, मुख्य अतिथि एनआरएलएम श्री अजीत सिंह तथा क्षेत्रीय प्रमुख श्री दिवाकर पी सिंह द्वारा किया गया. इस अवसर पर उप महाप्रबन्धक श्री ललित बरडिया तथा आरबीडीएम श्री राजीव रंजन सिंह तथा स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

बनासकांठा क्षेत्र द्वारा विभिन्न शाखाओं के समामेलन के साथ नए परिसर का उद्घाटन

27 अगस्त, 2020 को बनासकांठा क्षेत्र के अंतर्गत डीसा में स्थित बैंक ऑफ़ बड़ौदा की डीसा हाइवे, डीसा मुख्य तथा पूर्ववर्ती विजया की डीसा शाखा के समामेलन पश्चात नए परिसर का उद्घाटन अंचल प्रमुख श्री महेशकुमार एम. बंसल द्वारा किया गया. इस अवसर पर बनासकांठा क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रबन्धक महेंद्रसिंह रोहडिया, डीसा शाखा के सभी स्टाफ सदस्य एवं बड़ी संख्या में ग्राहकगण उपस्थित रहे.

हिलसा शाखा, पटना क्षेत्र का शुभारंभ

25 अगस्त, 2020 को पटना अंचल के अंचल प्रमुख श्री नित्यानंद बेहेरा द्वारा ऑनलाइन माध्यम से पटना क्षेत्र की 101वीं शाखा हिलसा का शुभारंभ किया गया. इस अवसर पर पटना क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री मनीष कौरा, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री सुभाष चंद्रा तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

एनआरआई विशेष शाखा, नवसारी का समामेलन

21 सितंबर, 2020 को नवसारी क्षेत्र की लुंसीकुई शाखा और एनआरआई विशेष शाखा का समामेलन किया गया. इस अवसर पर नवसारी क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री मनोज गुप्ता द्वारा नवनिर्मित शाखा का उद्घाटन दोनों समामेलित शाखाओं के ग्राहकों की उपस्थिति में किया गया.

एसएमई लोन फैक्ट्री, कोटा क्षेत्र का उद्घाटन

22 जुलाई, 2020 को क्षेत्रीय प्रमुख श्री आलोक सिंघल द्वारा एसएमई लोन फैक्ट्री, कोटा क्षेत्र का उद्घाटन किया गया. इस अवसर पर उप क्षेत्रीय प्रमुख द्वय श्री एम ए मेहरा एवं श्री मोअज़्ज़म मसूद, एसएमई प्रमुख श्री नबील अहमद तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

कंकड़बाग शाखा, पटना क्षेत्र के नए परिसर का शुभारंभ

28 अगस्त 2020 को पटना अंचल के अंचल प्रमुख श्री नित्यानंद बेहेरा द्वारा कंकड़बाग शाखा, पटना क्षेत्र के नए परिसर का शुभारंभ किया गया. इस अवसर पर पटना क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री मनीष कौरा, कंकड़बाग शाखा के शाखा प्रमुख श्री अतीश चंद्र मिश्र एवं अन्य स्टाफ सदस्य तथा ग्राहकगण उपस्थित रहे.

एसएमई लोन फैक्ट्री, मेहसाना क्षेत्र का उद्घाटन

08 जुलाई, 2020 को मेहसाना क्षेत्र के अंतर्गत एसएमई लोन फैक्ट्री का उद्घाटन महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख श्रीमती अर्चना पाण्डेय द्वारा किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री बी एस राठौड़, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री ए ए राठोड तथा स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

पूणा शाखा, सूरत जिला क्षेत्र के नए परिसर का उद्घाटन

17 अगस्त, 2020 को सूरत जिला क्षेत्र की पूणा शाखा के नए परिसर का उद्घाटन क्षेत्रीय प्रबन्धक श्री अश्विनी कुमार द्वारा किया गया. इस अवसर पर उप क्षेत्रीय प्रबन्धक द्वय श्री संजीव कुमार श्रीवास्तव, श्री लोभ चंद गोयल, शाखा प्रबन्धक श्री अंसा राज क्रिस्टोफर एवं अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

Co-location of Mayiladuthurai branch of Madurai Region

On 10th August 2020, the erstwhile Vijaya Bank Mayiladuthurai branch was co-located with Bank of Baroda Mayiladuthurai branch under Madurai Region. Regional Head Shri MP Sudhakaran and Deputy Regional Head Shri AS Prasad and staff members were present on this occasion.

बनासकांठा क्षेत्र द्वारा आरओएसएआरबी एवं एसएमई कक्ष का उद्घाटन

27 अगस्त, 2020 को अहमदाबाद अंचल के अंचल प्रमुख श्री महेशकुमार एम. बंसल द्वारा बनासकांठा क्षेत्र में दबावग्रस्त आस्ति वसूली शाखा एवं एसएमई कक्ष का उद्घाटन किया गया. इस अवसर पर बनासकांठा क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रबन्धक श्री महेंद्रसिंह रोहडिया, उप क्षेत्रीय प्रबन्धक द्वय श्री राकेश चलावरिया और श्री हेमेन्द्र चोकसी के साथ शाखा प्रबंधक उपस्थित रहे.

एसएमई लोन फैक्ट्री, प्रयागराज क्षेत्र का उद्घाटन

02 जुलाई, 2020 को क्षेत्रीय कार्यालय, प्रयागराज में क्षेत्रीय प्रमुख श्री दिवाकर पी सिंह द्वारा एसएमई लोन फैक्ट्री का उद्घाटन किया गया. इस अवसर पर उप महाप्रबंधक श्री ललित बरडिया तथा उप क्षेत्रीय प्रबन्धक श्री के के कश्यप तथा स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

हरणी रोड शाखा, बड़ौदा शहर क्षेत्र के नए परिसर का उद्घाटन

17 अगस्त, 2020 को बड़ौदा शहर क्षेत्र की हरणी रोड शाखा का स्थानांतरण नए परिसर में किया गया. नए परिसर का उद्घाटन बैंक के निदेशक डॉ. भरत कुमार डांगर द्वारा किया गया. इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री अजय कुमार खोसला, बड़ौदा शहर क्षेत्र की क्षेत्रीय प्रमुख सुश्री दक्षा शाह, स्टाफ सदस्य एवं बैंक के ग्राहकगण उपस्थित रहे.

संधाणा शाखा, खेड़ा क्षेत्र के नए परिसर का उद्घाटन

21 अगस्त, 2020 को खेड़ा क्षेत्र की संधाणा शाखा के नए परिसर का उद्घाटन माननीय सांसद श्री देवुसिन्ह चौहाण, जिला समाहर्ता एवं मजिस्ट्रेट श्री आई के पटेल एवं अंचल प्रमुख श्री महेशकुमार एम बंसल द्वारा किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री महेन्द्र बी वाला, उपक्षेत्रीय प्रमुख श्री मयुर पी. ईदनानी एवं संधाना शाखा के शाखा प्रमुख श्री पी पी पटेलिया एवं टीम उपस्थित रहे.

Co-location of Saidapet Branch, Chennai Metro Region

On 12th September, 2020, Saidapet Branch, Chennai Metro Region was co-located. Zonal Head Shri R Mohan, Regional Head Shri Chalapathi Naidu and staff members of branch were present on the occasion.

कोलकाता मेट्रो क्षेत्र की एसएमई शाखा एवं एसएमईएलएफ का उद्घाटन

10 जुलाई, 2020 को महाप्रबंधक एवं कोलकाता अंचल प्रमुख श्री पी विनोद कुमार रेड्डी द्वारा कोलकाता मेट्रो क्षेत्र की एसएमई शाखा एवं एसएमईएलएफ का उद्घाटन किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री गोबिन्दा बिश्वास, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री शंकर कुमार झा, शाखा प्रमुख श्री चन्दन साहू तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

एसएमई लोन फैक्ट्री, मैसूरु क्षेत्र का उद्घाटन

मैसूरु क्षेत्र द्वारा एसएमई लोन फैक्ट्री का उद्घाटन किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रबंधक श्री सत्यानारायण नायक उप क्षेत्रीय प्रबंधक द्वय श्री मुरलीकृष्णा व श्री एच एस नागेश व अन्य स्टाफ़ सदस्य उपस्थित रहे.

ग्रेटर कोलकाता क्षेत्र में एसएमईएलएफ का शुभारंभ

17 जुलाई, 2020 को ग्रेटर कोलकाता क्षेत्र में एसएमईएलएफ का शुभारंभ किया गया. इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री विनोद कुमार रेड्डी तथा क्षेत्रीय प्रमुख श्री तुषार रंजन परीदा तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे

पुणे जिला क्षेत्र की एसएमई लोन फैक्ट्री का उद्घाटन

बैंक के 113वें स्थापना दिवस के अवसर पर पुणे जिला क्षेत्र की एसएमई लोन फैक्ट्री का उद्घाटन महाप्रबंधक श्री के के चौधरी द्वारा किया गया है. इस अवसर पर पुणे जिला क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री निखिल मोहन तथा उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री विवेक विशाल तथा एसएमई ऋण फैक्ट्री की शाखा प्रमुख श्रीमती ममता उपस्थित रहे.

Inauguration of new premises of Regional Office, Calicut

On 113th Foundation day of our bank, new premises of Calicut Regional Office was inaugurated virtually by Zonal Head Shri K Venkatesan. Regional Head Shri. K V Jayachandran, Deputy Regional Managers Shri M K Dilshob, Shri Palanivell S K and other staff members were present on the occasion.

भरूच क्षेत्र द्वारा मेडिकल किट का वितरण

बैंक के स्थापना दिवस के अवसर पर भरूच क्षेत्र द्वारा सिविल अस्पताल, अंकलेश्वर को पीपीई किट, फेस शील्ड, कैरम बोर्ड, चेस बोर्ड, सारेगामा कार्वां आदि वितरित किए गए. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री आर के गोयल, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री तरूण कुमार रावल तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

पटना अंचल द्वारा मेडिकल किट एवं छातों का वितरण

02 जुलाई, 2020 को पटना अंचल द्वारा पटना ट्रैफिक पुलिस के बीच छातों एवं मास्क का वितरण किया गया. इस अवसर पर उप अंचल प्रमुख श्री नरेन्द्र सिंह ने श्री अमरकेश डी., पुलिस अधीक्षक, पटना ट्रैफिक पुलिस को छाता एवं मास्क भेंट किया. कार्यक्रम के दौरान श्री ओमप्रकाश चौधरी, पुलिस उपाधीक्षक, पटना ट्रैफिक पुलिस, सहायक महाप्रबंधक श्री संजीव कुमार तथा अन्य स्टाफ उपस्थित रहे.

दिल्ली महानगर क्षेत्र–2 द्वारा मेडिकल किट का वितरण

31 जुलाई, 2020 को दिल्ली महानगर क्षेत्र–2 द्वारा दिल्ली पुलिस कार्यालय में सैनिटाइजर एवं मास्क का वितरण किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री संजय कुमार वर्मा तथा अन्य स्टाफ सदस्य भी उपस्थित रहे.

चंडीगढ़ अंचल द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन

02 सितंबर, 2020 को चंडीगढ़ अंचल द्वारा स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता का प्रसार करने तथा स्टाफ सदस्यों द्वारा रक्तदान करने के लिए शिविर का आयोजन किया गया. इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री ओ पी खटकड़ तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

Coimbatore Region distributes medical kit

On 05th September, 2020 Coimbatore Region handed over 2000 masks to Coimbatore District Collector for distributing to needy people. Shri M Jaikishan, Asst. General Manager and Shri K Murugiah, Asst. General Manager (DRM) and Coimbatore District Collector Shri Rajamani, IAS were present on this occasion.

पटना अंचल और क्षेत्र द्वारा मेडिकल किट और छातों का वितरण

31 अगस्त, 2020 को पटना अंचल के अंचल प्रमुख श्री नित्यानंद बेहेरा तथा पटना क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री मनीष कौरा ने पटना एसएसपी कार्यालय के सिपाही श्री पवन कुमार सिंह एवं श्री सुनील कुमार सिंह को बैंक की ओर से स्मृति चिह्न एवं प्रशस्ति–पत्र प्रदान करके सम्मानित किया. साथ ही, इस अवसर पर पुलिसकर्मियों के बीच मास्क, छाता एवं बरसाती का भी वितरण किया गया.

तेलंगाना क्षेत्र द्वारा चिकित्सा और प्रशासन से जुड़े कर्मचारियों का सम्मान

21 जुलाई, 2020 को तेलंगाना क्षेत्र द्वारा विभिन्न स्वास्थ्यकर्मियों, पुलिस, सफाई कर्मचारियों को उनके क्षेत्र में योगदान देने के लिए मोमेंटो और शॉल से सम्मानित किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख के विजय राजू और अन्य स्टाफ–सदस्य उपस्थित रहे.

भरूच क्षेत्र द्वारा स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

भरूच क्षेत्र द्वारा 20 अगस्त, 2020 को भरूच क्षेत्र एवं शाखाओं के स्टाफ सदस्यों के रूटीन चेक अप के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया. इस अवसर पर अंकलेश्वर के एमडी (चिकित्सक) डॉ. अंकित वकील ने कोविड–19 से संबंधित एहतियात एवं जानकारियों से सभी स्टाफ सदस्यों को अवगत करवाया.

भरतपुर क्षेत्र द्वारा कोविड केयर सेंटर को पंखों का वितरण

24 जुलाई, 2020 को क्षेत्रीय प्रमुख श्री बृज मोहन मीणा द्वारा कोविड केयर सेंटर, भरतपुर में महामारी से ग्रसित रोगियों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए पंखो का वितरण किया गया. इस अवसर पर उप क्षेत्रीय प्रमुख द्वय श्री वीरेंद्र बोहरा एवं घनश्याम दास तथा कोविड़ केयर सेंटर प्रमुख श्री धीरज गुप्ता उपस्थित रहे.

पूर्णिया क्षेत्र द्वारा फ़ेस शील्ड व अन्य सुरक्षा उपकरणों का वितरण

02 जुलाई, 2020 को पूर्णिया क्षेत्र के उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री मृत्युंजय प्रसाद सिंह द्वारा सदर अस्पताल, पूर्णिया के मुख्य चिकित्सा अधिकारी श्री मधुसूदन प्रसाद को फ़ेस शील्ड व अन्य सुरक्षा उपकरण प्रदान किए गए. इस अवसर पर श्री सोनेलाल महतो, मुख्य शाखा प्रबंधक, पूर्णिया शाखा व अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

Regional Office, Bengaluru South donates masks and sanitizers

Bengaluru South Region donated Masks with Bank Logo, Sanitizers and Hand Gloves to Shri Bhaskar Rao, IPS, Commissioner of Police, Karnataka State Police. Regional Head Shri Tejinder Pal Singh, Asst. General Manager Shri Kapilesh Kumar and other staff members were present on this occasion.

कोलकाता अंचल द्वारा पश्चिम बंगाल आपातकालीन राहत कोष में अंशदान

02 जुलाई, 2020 को कोलकाता अंचल द्वारा पश्चिम बंगाल राज्य आपातकालीन राहत कोष में रु. 24.79 लाख राशि का अंशदान किया गया. इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री पी विनोद कुमार रेड्डी ने श्री हरि कृष्ण द्विवेदी, आईएएस (अतिरिक्त मुख्य सचिव, वित्त, पश्चिम बंगाल सरकार) को उक्त राशि का चेक भेंट किया. इस कार्यक्रम में उप अंचल प्रमुख श्री पी के दास, निदेशक – संस्थागत वित्त एवं विशेष सचिव, पश्चिम बंगाल श्री मानस धर उपस्थित रहे.

एक सोच ऐसी भी

उस दिन ऑफिस से लेट लौटा. तेज बारिश हो रही थी. हवा का जोर इतना था कि बारिश की बूंदें भी लहरा रही थी. तेज हवाएं, बिजली का कड़कना, इस बाहर के तूफान ने, मेरे अंदर के तूफ़ान को हवा दे दी थी. मैं भीगा हुआ था जैसे ही घर लौटा मैंने पाया कि बेडरूम की खिड़की अभी भी खुली हुई है और वहां से तेज पानी का फुहारा अंदर की तरफ आ रहा था. मैं तेजी से खिड़की बंद करने गया तब मैंने देखा कि एक नीलगिरी का पेड़ जो कुछ हफ्ते पहले काट दिया गया था उस पर चिड़िया का एक घोंसला था. मैं मन ही मन सोच रहा था कि किसी का घर उजाड़ कर हमें क्या मिला. खैर कॉफी का मग लिए मैं अपनी ही एक अनंत सोच में डूब गया. थोड़ी देर बाद इसी सोच में कब नींद लग गई यह सुबह नींद खुलने के बाद ही पता चला.

चिड़िया के घोसले की याद मुझे सता रही थी. मैं तुरंत बालकनी में गया तो मैंने देखा कि प्रतिकूल परिस्थिति में भी उस चिड़िया ने अपने आप को कैसे संभाला हुआ था. रात के तूफ़ान के बाद भी उस चिड़िया ने अपना हौसला बनाए रखा. मैं सोच रहा था कि एक नन्ही सी जान में ब्रह्मांड की इतनी ताकत कहां से आयी? विपरीत परिस्थिति में भी वह बिखरी नहीं बल्कि उसने अपना घर समेट लिया. रात की जोरदार बारिश से हवा में नमी थी. इस ठंडी हवा का लुफ्त उठाते हुए मैं गर्म चाय की चुस्कियां ले रहा था. लेकिन कहीं न कहीं दिल और दिमाग में चिड़िया के बारे में, मैं अभी भी सोच रहा था कि कैसे विपरीत परिस्थिति में भी वह क्यों नहीं टूटी? फिर मेरा ध्यान उस कटे हुए नीलगिरी के पेड़ की तरफ गया. मैं देखकर चौंक सा गया कि कुछ हफ्ते पहले कटे हुए उस पेड़ से नए पत्तों की टहनियां हवा के साथ झूल रहीं थी. मुझे मेरे सवाल का जवाब शायद हवा के साथ झूल रहे उन पत्तियों ने दिया था. जो प्रकृति की गोद में रहता है उन्हें प्रकृति से ही ब्रह्मांड की अखंड शक्तियां प्रदान होती है. मनुष्य प्रकृति की गोद से दूर होता जा रहा है शायद यही वजह है कि परिस्थितियों का सामना करने का सामर्थ्य आज हम में नहीं है. यह सब बातें मैं इसीलिए सोच रहा था क्योंकि बीते दिनों एक हादसा हुआ था.

रोज की तरह मैं अपनी ब्रेकफास्ट टेबल पर अखबार पढ़ रहा था और एक अभिनेता के आत्महत्या की दिल दहला देने वाली खबर ने मुझे बेचैन कर दिया. इतना सुंदर जीवन होने के बावजूद भी उन्होंने अपने जीवन को समाप्त करने का वह कदम क्यों उठाया? उस दिन से वह खबर इतनी फैल गई कि हर टीवी चैनल, न्यूज़ चैनल सिर्फ और सिर्फ वही खबर दिखा रहे थे. कुछ सवाल मैं अपने आपसे ही पूछ रहा था, अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में इन सवालों के जवाब ढूंढ रहा था. मैंने एक बात जानी कि हमारे पास हर वह भौतिक सुख होते हुए भी हम अंदर से कितना खोखले हो चुके हैं. एक छोटी–सी हार भी या एक छोटा–सा अपमान भी हमें इतनी ठेस पहुंचा देता है कि हम आत्महत्या की ओर प्रवृत्त हो जाते हैं. शारीरिक रूप से मजबूत होने के बावजूद भी हमारी मानसिक स्थिति दिन–ब–दिन नाजुक होती जा रही है. हम उन तमाम चीजों को पाना चाहते हैं जो हमारे साथियों के पास हैं, जो हमारे दोस्तों के पास हैं या हमारे पड़ोसियों के पास हैं. अपनी सारी जिंदगी हम दूसरों के साथ तुलना करने में बिता देते हैं. जो उनके पास है वही हमें भी चाहिए लेकिन जो अनमोल बातें हमारे स्वयं के पास हैं उनसे हमारा ध्यान भटक रहा है, उन अनमोल वस्तुओं के बारे में हमें पता ही नहीं है. हम हमेशा दूसरों की नकल करते हैं और खुद कैसे उन लोगों से पिछड़े हुए हैं, इसके लिए खुद को कोसते रहते हैं, लेकिन स्वयं की उपलब्धियों के बारे में भूल जाते हैं. तुलना से हम कब दौड़ में शामिल हो जाते हैं हमें खुद भी पता नहीं चलता. हम उस हार या जीत के बारे में इतना सोचने लगते हैं कि सारी जिंदगी का मतलब सिर्फ एक दौड़ मात्र बन जाता है और हम जिंदगी जीना भूल जाते हैं. किसी भी तरह से हमें बाकी साथियों से आगे बढ़कर उस दौड़ में आगे रहने का इतना ही ख्याल रहता है कि हम कभी संतुष्ट नहीं होते. हर बात को हम सिर्फ हार या जीत के नजरिए से ही देखने लगते हैं. किसी भी प्रकार की हार हम बर्दाश्त नहीं कर सकते. हममें उस हार को झेलने की ताकत ही नहीं बची है. हम सिर्फ जीतने के बारे में सोचते हैं. जीत के बारे में सोचना गलत नहीं है, लेकिन हार का भी अपना एक अलग मजा है, हार का भी अपना एक अलग रुतबा है, जिस दिन हम अपनी हार को भी जीत की तरह सेलिब्रेट करना सीख जाएंगे उस दिन हम सही से अपनी जिंदगी को जी सकेंगे. सिर्फ जीतने का मतलब ही जिंदगी में कुछ हासिल करना नहीं होता. कुछ वक्त जिंदगी में ऐसा भी होता है जहां पर हार भी उतनी ही मीठी होती है जितनी कि एक जीत मीठी होती है.

क्या यह सिर्फ किताबों में ही पढ़ना अच्छा है कि एक लंबी छलांग लगाने के लिए एक शेर भी कुछ कदम पीछे आता है? अब यदि पीछे आने को भी अगर वो हार मान ले तो क्या वह एक लंबी छलांग लगा सकता है? हमें सिर्फ वह एक लंबी छलांग दिखती है लेकिन उस लंबी छलांग के पीछे कितने कदम वह पीछे आया, यह हम नजरअंदाज करते हैं और उसके साथ तुलना करते हैं कि मैं भी लंबी छलांग लगाऊँ लेकिन जितने कदम वह पीछे आया उतने कदम पीछे आने की हिम्मत, ताकत और सोच हममें नहीं होती. हम एक छलांग तो लगाते हैं लेकिन इतनी दूरी तय नहीं कर पाते जितना कि हम सोचते हैं और फिर उसे हार समझते हैं और इस सोच मात्र से हार को झेल नहीं पाते और फिर वहीं से एक नकारात्मक सोच जन्म लेती है. एक हार का डर हमारे मन में बैठ जाता है. धीरे–धीरे हम खुद को हर हार के लिए कोसने लगते हैं. हम खुद को एक नकारा समझने लगते हैं और हममें जो एक सकारात्मक सोच होती है उसे भूल जाते हैं. हार की वजह से हम खुद को भी आईने में देखना तक पसंद नहीं करते और जिन लोगों ने जीत हासिल की है उन लोगों के साथ या उन लोगों की बातें भी हम करना पसंद नहीं करते. हम उनकी खुशी में शामिल होकर उनकी खुशी को एक त्यौहार के रूप में नहीं मना पाते और जब वे खुद खुशी मनाते हैं तो वह खुशी हमसे देखी नहीं जाती.

वह चिड़िया, हौसले का प्रतीक है, वह तूफ़ान एक हार है, एक नकारात्मक सोच है और वह कटा हुआ पेड़ और उसकी निकली हुई पत्तियां जो

हवा के साथ खेल रही थी वह आगे बढ़ने का एक सकारात्मक दृष्टिकोण है जो विपरीत परिस्थितियों का सामना करते हुए भी अपने आप को जिंदगी की दौड़ में बनाए रखता है. इतना अंधेरा छाया हुआ था. इतना तूफान था कि मानो दूसरे दिन सूरज देखने को मिलेगा भी कि नहीं, यह बात भी वह चिड़िया या वह ताजी पत्तियां नहीं जानती थी. उस विपरीत परिस्थिति को उन्होंने अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया, बल्कि उस परिस्थिति का उन्होंने डटकर सामना किया. शायद उन्होंने उस नई सुबह की सोच को लेकर उस अंधकार का सामना किया होगा. शायद वह आती हुई नई सुबह, निकलता हुआ नया सूरज उनका इंतजार कर रहा होगा, इस सोच को मन में लेकर उन्होंने उस परिस्थिति का सामना किया होगा. वे तूफान के सामने नतमस्तक हो सकते थे लेकिन उन्होंने ऐसा कतई नहीं किया उन्होंने उसका डटकर सामना किया और जीत हासिल की. देखा जाए, तो वह बहुत कुछ हार गए थे लेकिन फिर भी उनके मन में आत्महत्या का ख्याल नहीं आया. ''सर सलामत तो पगड़ी पचास'', यह सोच शायद उन्होंने रखी होगी. हार को भी हमें त्यौहार के रूप में मनाना है. हमें उस हर पहलू के बारे में जानना है कि हमें वह हार क्यों प्राप्त हुई. एक विश्लेषण हमें करना होगा कि क्यों हमें हार का सामना करना पड़ा. हममें क्या कमी रह गई थी. क्योंकि हमारी दौड़ सिर्फ हमारे खुद के साथ हैं ना कि दूसरों के साथ है. मैं आज हारा तो क्या हुआ कल का उगता हुआ सूरज तो मेरा ही होगा, यह सकारात्मक सोच लेकर हमें उस हार का डटकर सामना करना पड़ेगा. बचपन में साइकिल से गिरने के डर से अगर हम साइकिल चलाना छोड़ देते तो क्या आज हम मोटरसाइकिल चला सकते थे? इसका मतलब बचपन में हमें हार या जीत से फर्क नहीं पड़ता था. हम यह कभी नहीं सोचते कि मैं गिरा हूं, तो लोग हसेंगे, लोग क्या कहेंगे, हम फिर भी उठते थे, लगी हुई मिट्टी को साफ करते थे और आगे बढ़ते थे. प्रयास करते थे कि हम साइकिल चलाना सीख जाएं. आज वह साइकिल वही कार्य है जो हम करना चाहते, गिरना वही हार है और लगी हुई मिट्टी वह हमारी नकारात्मक सोच है कि लोग क्या कहेंगे. मुझे इस हार के बारे में बस हमें वही करना है जो बचपन में करता था. गिरे तो भी डँट कर खड़ा होना है, नकारात्मक सोच को अपने ऊपर हावी नहीं होने देना है और फिर से उस साइकिल को हौसले के साथ चलाने की कोशिश करनी है. अंत में मुझे बस यही पंक्तियां याद आयी,

नन्हीं चींटी जब दाना लेकर चलती है
चढ़ती दीवारों पर, सौ बार फिसलती है
मन का विश्वास रगों में साहस भरता है
चढ़कर गिरना, गिरकर चढ़ना न अखरता है
आख़िर उसकी मेहनत बेकार नहीं होती
कोशिश करने वालों की हार नहीं होती.

❖❖❖

वैभव संजयराव पत्की
कृषि अधिकारी
झालोद शाखा, गोधरा क्षेत्र

मानसिक रोग बनाम शारीरिक रोग

चिंता से चतुराई घटे, घटे बल रूप ज्ञान
चिंता बड़ी अभागिनी, चिंता चिता समान.

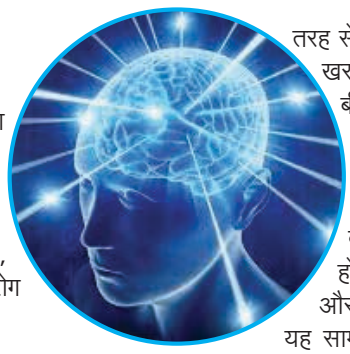

मानसिक रोग और शारीरिक संवेदना के बीच सीधा रिश्ता है. मानसिक रोग अगर समय रहते नियंत्रित न हो तो वह शारीरिक रोगों के मुकाबले कई गुना ज्यादा प्राणघातक हो सकते हैं. इसका मूलभूत कारण यह है कि शारीरिक रोगों के लक्षणों को अपने पिछले अनुप्रयोगों के आधार पर जाना, नापा और ठीक भी किया जा सकता है, जबकि मानसिक रोग हर बार एक नया अनुभव, एक नई चुनौती लेकर आता है.

मानसिक रोग इंसान के मस्तिष्क में उठने वाले सकारात्मक व नकारात्मक सोच, भावनाएं और व्यवहारों का नतीजा होता है. मस्तिष्क भी इंसानों के हाथ पैर और दिल की तरह शरीर का ही एक अभिन्न हिस्सा है, जिसके संतुलित रहने का शरीर के बाकी अंगों के प्रभावित होने पर सीधा असर होता है. अन्य सामान्य शारीरिक बीमारियों के विपरीत, मानसिक रोग मस्तिष्क में शुरू होने वाली समस्याओं से संबंधित है, जिसके मूल कारण तनाव, आघात, नींद की कमी इत्यादि हो सकते हैं. मानसिक स्वास्थ्य और शारीरिक स्वास्थ्य एक दुसरे से जुड़े हुए है. एक गंभीर मानसिक बीमारी के साथ जीने वाले व्यक्ति को श्रृंखलाबद्ध शारीरिक बीमारी होने का जोखिम अधिक होता है. बिल्कुल इसी तरह पुरानी शारीरिक क्षतियों से ग्रस्त व्यक्ति को सामान्य इंसानों की तुलना में दुगुनी दर से अवसाद और चिंता का अनुभव होता है. मौजूदा मानसिक और शारीरिक परिस्थितियां व्यक्ति के जीवन की गुणवत्ता को कम कर सकती है. यह हालात कार्य उत्पादकता के खोने और बढ़े हुए स्वास्थ्य खर्च के चलते बढ़ी हुई आर्थिक लागत उत्पन्न कर सकती है.

मानसिक बीमारियों के साथ जीने वाले व्यक्ति कई बार शारीरिक बदलाव की श्रृंखला का अनुभव साथ में करते हैं, जैसे कि हार्मोनल असंतुलन, नींद चक्र का बदलना, वजन का बढ़ना और अनियमित हृदय लय. इसके अलावा, जिस तरह से लोग अपनी मानसिक बीमारियों का अनुभव करते हैं, वह खराब शारीरिक संवेदनशीलता को भी बढ़ावा देता है. मानसिक बीमारी सामाजिक और संज्ञानात्मक कार्यों को प्रभावित कर शरीर के ऊर्जा स्तर को कम कर देती है, जो स्वस्थ जैविक व्यवहारों को अपनाने पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है. मानसिक बीमारियों के इलाज का खर्च अन्य शारीरिक बीमारियों पर होने वाले खर्च की तुलना में कई गुना ज्यादा होता है. इसी कारणवश ज्यादातर मनोरोगी गरीबी, बेरोजगारी और सामाजिक अलगाव की उच्च दर से पीड़ित पाए जाते हैं. यह सामाजिक कारक पुरानी शारीरिक स्थितियों के विकास की भेद्यता को बढ़ाते हैं. उदाहरण के लिए, जो लोग स्वस्थ भोजन विकल्प पाने में असमर्थ हैं, वे अक्सर पोषण संबंधी कमियों का अनुभव करते हैं. शारीरिक रूप से विकलांगता भी व्यक्ति की मानसिक स्थिति पर हानिकारक प्रभाव डाल सकती है.

अतः मानसिक और शारीरिक रोग एक दूसरे से जुड़े हुए हैं और एक का व्यक्ति के शरीर में दाखिला, दूसरे के लिए न्योता बन जाता है. आजकल की भागदौड़ वाली जिंदगी में सब कुछ पा लेने की इच्छा और चिंता मानसिक रोगों को बढ़ावा दे रही है और इसके बचाव के लिए मनुष्य अच्छी पुस्तकों का पठन, अच्छी संगत, व्यसनमुक्ति व व्यायाम जैसी गतिविधियों को बढ़ावा दे सकता है. निम्नलिखित कड़ी (जिसे उलट कर भी पढ़ेंगे तो अर्थ एक सामान होगा) दर्शाती है कि मानसिक रोग और शारीरिक रोग एक दूसरे से जुड़े हैं.

''मन स्वस्थ है तो तन स्वस्थ है.''

❖❖❖

राजदीप माहिडा
अधिकारी,
आईबीबी शाखा, सूरत शहर क्षेत्र

कहते हैं सफ़लता एक दिन में नहीं मिलती है मगर ठान लें तो एक दिन जरूर मिलती है

– वीरेंद्र कुमार, महाप्रबंधक–मुख्य समन्वयन (सेवानिवृत्त)

श्री वीरेंद्र कुमार, महाप्रबंधक–मुख्य समन्वयन बैंक की सेवा से 31 जुलाई, 2020 को सेवानिवृत्त हुए. अपनी सुदीर्घ बैंकिंग सेवा के दौरान आपने बैंक में विभिन्न स्थानों पर महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वाह किया. अपनी सेवानिवृत्ति के समय आप महाप्रबंधक–मुख्य समन्वयन (दक्षिण) के रूप में अपनी सेवाएँ दे रहे थे. बेंगलुरु अंचल के उप महाप्रबंधक श्री सर्वेश कुमार रस्तोगी तथा मुख्य प्रबंधक (राजभाषा) सुश्री सी.एस.पद्मसुधा ने श्री वीरेंद्र कुमार से उनके व्यक्तिगत एवं पेशेवर जीवन के संबंध में बातचीत की. प्रस्तुत हैं, बातचीत के प्रमुख अंश. – संपादक

1. कृपया अपने पारिवारिक एवं शैक्षणिक पृष्ठभूमि के बारे में बताएं.

हमारा पारिवारिक जीवन सुखद एवं सम्पन्न रहा है. मेरे माता और पिता ने मेरी परवरिश अच्छे माहौल में की है. हमारे पिताजी एक कुशल व्यवसाय में थे एवं माताजी सफल गृहिणी थी और उन्होंने सभी भाईयों को अच्छा मार्गदर्शन एवं शिक्षा दी. हमारे बड़े भाई इंजीनियर–इन–चीफ़ एवं कर्नल होकर सेवानिवृत्त हुए हैं. हमने भारत के सबसे पुराने राजेन्द्र कृषि महाविद्यालय, पूसा से कृषि विषय में स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की. इसके अतिरिक्त हमने बैंकिंग कॅरियर के दौरान सीएआईआईबी, डिप्लोमा इन कंप्यूटर एप्लिकेशन, एमएसएमई सर्टिफिकेशन हासिल किया है. मैंने बड़ौदा सीनियर लीडरशिप प्रोग्राम, आईआईएम अहमदाबाद, एनआईबीएम, पुणे से समय–समय पर प्रशिक्षण प्राप्त किया तथा अपने ज्ञान को अद्यतन करता रहा. मेरे दो पुत्र हैं जो इंजीनियर हैं. मेरी दोनों बहुएं इंजिनीयरिंग एवं एमबीए फ़ाइनेंस कर जॉब में हैं. मेरे दोनों पुत्रों का परिवार सुव्यस्थित है.

2. कृपया बैंक ऑफ़ बडौदा के अपने अनुभव के बारे में प्रकाश डालें.

बैंकिंग कॅरियर के रूप में मुझे काफी संतुष्टि एवं आंतरिक प्रसन्नता मिली हैं. मेरा भारतवर्ष की कई जगहों पर कार्य करने का चुनौतीपूर्ण एवं आनन्ददायक अनुभव रहा. मुझे विभिन्न अंचलों में काम करने का मौका प्राप्त हुआ. अनुभव के सन्दर्भ में मेरे दो कार्यदायित्व सबसे चुनौतीपूर्ण रहे हैं. प्रथम, ग्रामीण बैंक के अध्यक्ष के रूप में और दूसरा जिस अंचल में मैंने कार्य किया है उस अंचल को हमेशा अव्वल नंबर का अंचल बनाए रखना. ग्रामीण बैंक के अध्यक्ष के रूप में मुझे बहुत गरिमा महसूस हुई एवं काफी सफलतापूर्वक कार्यदायित्वों को निभाने का मौका मिला. पटना अंचल जोकि मेरा गृह अंचल है, वहाँ भी कार्य करने का मौका मिला. सभी स्तरों पर लोगों ने भरपूर साथ दिया. सभी व्यावसायिक पैरामीटर में अच्छा कार्य निष्पादन एवं सभी लक्ष्यों को पार करने पर काफी प्रसन्नता एवं ऊर्जा प्राप्त हुई. इसके बाद बेंगलूरु अंचल का कार्यादायित्व सौंपा गया, प्रथम वर्ष में अर्थात् 2017–2018 में अंचल ने व्यवसाय में प्रथम स्थान प्राप्त किया और साथ ही हमारे हुब्बली क्षेत्र और एमएसएमई ने भी प्रथम स्थान प्राप्त किया. ये मेरे लिए और मेरे अंचल के लिए काफी गरिमामयी क्षण थे. दूसरी चुनौती यह थी कि अंचल को प्राप्त यह प्रथम स्थान को हमेशा बनाए रखना. साथ में मैं यह बताना चहूंगा कि वित्तीय वर्ष 2018– 19 में दोबारा इतिहास रचकर हमारे अंचल ने शीर्ष स्थान बरकरार रखा. सभी स्टाफ सदस्यों ने कड़ी परिश्रम एवं लगन से अपने दायित्वों को निभाया. हमेशा मैं अपनी टीम को साथ लेकर चला, क्योंकि मेरा यह मानना है कि आप तभी एक अच्छे लीडर होंगे जब आप अपने टीम को संजोकर चलते हैं. यह सफलता हमेशा से मेरी अकेले की नहीं है बल्कि मेरे साथ जुड़े हुए हर बड़ौदियन की है.

3. बेहतर से बेहतरीन नारा के साथ तीन बैंकों का समामेलन किया गया. कृपया समामेलन के दौर के अपने अनुभव साझा करें.

हमारे बैंक के साथ विजया बैंक और देना बैंक के समामेलन के उपरांत power of 3 with underlying Theme–

''बेहतर से बेहतरीन,
हो दूर कितनी मंजिल या दूर तक का सफर हो,
जो साथ सच्चे हो साथी, तो कैसी हमको फिकर हों.
जब साथ हम तीन होंगे
बेहतर से बेहतरीन होंगे.''

ये शब्द समामेलन के सकारात्मक पहलू को उजागर करते हैं और हिताधारकों के सुनहरे भविष्य को दर्शाते हैं. ''हम सदा अपने ग्राहकों, स्टाफ सदस्यों एवं अन्य हिताधारकों के लिये सबसे उत्तम बैंकिंग संस्था बनाए रखने हेतु कार्य करते रहेंगे.

4. समामेलन के एक वर्ष के अनुभव के आधार पर हाल ही में संपन्न समामेलन प्रक्रिया के अधीन बैंकों को आप क्या संदेश देना चाहेंगे?

समामेलन के एक वर्ष सफलतापूर्वक होने पर सभी स्टाफ सदस्यों को बधाई देता हूं तथा समामेलन में अग्रणी होते हुए दूसरे बैंकों के समामेलन में हम अपनी सहभागिता भी निभा रहे हैं. दूसरे बैंकों के लिए हम एक रोल मॉडल भी साबित हुए हैं. यह समामेलन बैंक की प्रगति एवं वृद्धि के लिए आवश्यक है.

5. आप वर्तमान बैंकिंग परिदृश्य को किस प्रकार देखते हैं?

स्टाफ सदस्यों को मैं यह बताना चाहूंगा कि बैंक का भविष्य काफी उज्ज्वल है. मेरा ऐसा मानना है कि आने वाले दिनों में बैंकिंग उद्योग बहुत डायनेमिक होगा, इसमें तेजी से बदलाव होंगे और इस में नए-नए आयाम आएंगे. कोविड-19 से बैंकिंग क्षेत्र में नवीनीकरण की संभावना हैं. वर्क फ्रोम होम संकल्पना ने बैंकिंग में एक नवीनीकरण सृजित किया है. नए बिजनेस मॉडल आएंगे, हमारा बैंक समामेलन के पश्चात सशक्त एवं शक्तिशाली बैंक के रूप में उभरा है. हमारे बैंक का उच्च प्रबंधन काफी दूरदर्शी एवं आशावादी है और हमारे बैंक की नींव काफी सुदृढ़ है तथा बैंक ऑफ़ बड़ौदा आनेवाले समय में प्रौद्योगिकी में उन्नयन करते हुए अपने आपको सक्षम साबित करेगा.

6. भविष्य के बैंकिंग के बारे में पाठकों को आपका क्या संदेश है?

मैं सभी बड़ौदियन साथियों को विशेष तौर पर युवा वर्ग को यह बताना चाहूंगा कि उन्हें पेशेवर रूप से सुदृढ़ एवं सुव्यवस्थित बैंक में कार्य करने का मौका मिला है. हमारे बैंक में समामेलन के बाद व्यवसाय एवं आकार में काफी वृद्धि हुई है, जो कि हमें कार्य निष्पादन के लिए सहायक होगा. हम सभी मिलकर समाज के सभी वर्गों को उनकी वित्तीय जरूरतों और अपेक्षाओं के अनुसार मदद करने में सहायक होंगे. विशेष तौर पर हमारे युवा साथियों से आग्रह है कि अपनी छवि को अच्छे, ईमानदार एवं कुशल स्टाफ सदस्य के रूप में बनाए रखें और अपने अंदर कार्यनिष्पादन के संस्कार (परफॉर्मेंस कल्चर) को विकसित करें. बैंकिंग से जुड़े सभी प्रकार के नए विचार एवं तथ्यों की जानकारी रखें. किसी भी कार्य को करने से पूर्व योजना बनाएं तथा बनाई गई योजना पर योजनाबद्ध तरीके से लक्ष्य प्राप्ति हेतु एक टीम के रूप में कार्य करें. अपने कार्यों से अपने उच्च प्रबंधन की अपेक्षाओं पर पूर्ण रूप से खरा उतरने का प्रयास करें एवं लक्ष्य प्राप्ति के लिए हर मापदंड को पूरा करने का प्रयास करें. लक्ष्यों की सूची हमेशा अपने साथ रखें और जीवन में हमेशा सर्वोत्तम बने रहने के लिये कोशिश करते रहें. अपने स्वयं के बारे में सोच हमेशा सकारात्मक रखें. अपने मन को ऐसी दिशा दें कि वह हमेशा जीवन की बेहतर पहलू की ओर देखे एवं सकारात्मकता की ओर आपका मार्गदर्शन करे.

7. बैंकिंग के क्षेत्र में ग्राहकों तक पहुंचने के लिए संप्रेषण की भूमिका अहम है. आपने अपने कार्यकाल में भारतवर्ष के कई प्रदेशों में कार्य किया है. ग्राहक सेवा और बैंकिंग व्यवसाय में हिन्दी और भारतीय भाषाओं के योगदान को आप किस प्रकार देखते हैं. कृपया इन बिन्दुओं पर अपने अनुभव और विचार साझा करें.

मुझे विभिन्न प्रदेशों में कार्य करने का अनुभव रहा है. जैसे बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, दिल्ली आदि जहां विभिन्न क्षेत्रों में संप्रेषण की भूमिका में हिंदी ज्यादातर रही है. भारत में उदारीकरण और वैश्वीकरण के प्रवेश के बाद से अंग्रेजी को कड़ी स्पर्धा हिंदी ने दी है. भारत में हिंदी की पहुँच ने उद्योग जगत को ही नहीं बल्कि मीडिया उद्योग को भी प्रेरित किया है. हर बैंक अपने स्टाफ एवं ग्राहकों को सामाजिक कार्यों के जरिए लोगों को शिक्षित एवं जागरूक करने का काम करता है. हमने बैंकिंग कार्यों में अधिक से अधिक सरल हिंदी का प्रयोग करने का प्रयास हमेशा किया है.

8. आप पिछले एक वर्ष से नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (बैंक), बेंगलूरु के अध्यक्ष हैं. कृपया इस दौरान आपके अनुभव तथा इस समिति को और बेहतर बनाने के लिए अपना सुझाव साझा करें.

राजभाषा हिंदी ग्राहकों और अपने स्टाफ सदस्यों से संपर्क स्थापित करने का एक सशक्त माध्यम है. राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में हमारे बैंक की छवि काफी प्रतिष्ठापूर्ण रही है. हमारे बैंक ने निरंतर राजभाषा के सर्वोच्च सम्मान हासिल किए हैं. नराकास बैंक, बेंगलूरु के संयोजन का दायित्व पिछले एक वर्ष से हमारे बैंक के पास है और मैं इस समिति के अध्यक्ष के रूप में समिति के साथ जुड़ा हूं और इस समिति के द्वारा और पिछले अंचलों में कार्य करते समय भी मुझे भारत सरकार की ओर से कई पुरस्कार एवं क्षेत्रीय राजभाषा पुरस्कार प्राप्त करने का अवसर मिला है. मैं यह भी बताना चाहता हूं कि पिछले वर्ष नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति बैंक, बेंगलूरु के राजभाषा शील्ड प्रतियोगिता के तहत अंचल कार्यालयों की श्रेणी में हमारे बेंगलूरु अंचल को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ और साथ ही हमारे क्षेत्रीय कार्यालय, दक्षिण को क्षेत्रीय कार्यालयों के तहत प्रथम पुरस्कर भी प्राप्त हुआ. इस नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की विशेषता यह है कि यह निरंतर तौर पर सक्रिय रहती है और अपने आयोजनों एवं गतिविधियों द्वारा अपने सदस्य बैंकों के सभी स्टाफ सदस्यों में अपनी पहचान मजबूती से स्थापित करती है. सभी सदस्य बैंकों का भी हम आभार प्रकट करते हैं जिन्होंने निरंतर सहभागिता से हमें सफलता दिलाई है.

9. अत्यंत व्यस्त पेशेवर जीवन के बाद आप जिंदगी के दूसरे महत्वपूर्ण पड़ाव में कदम रख रहे हैं. भविष्य के लिए आपने कौन-सी योजना बनाई है?

सेवानिवृत्ति जीवन का एक पहलू है. सेवानिवृत्ति के समय में जिस ऊर्जा एवं क्षमता को अपने में महसूस कर रहा हूं, इससे निश्चित तौर पर मैं कहना चाहूंगा कि किसी न किसी रूप में बैंकिंग या किसी वित्तीय संस्था से जुड़ा रहूंगा. इसके अलावा सभी सामाजिक दायित्वों को पूरा करने का प्रयास करूंगा. मुझे पटना एवं बेंगलूरु अंचल के प्रमुख एवं महाप्रबंधक मुख्य समन्वयन दक्षिण के रूप में कार्य करने का अवसर प्राप्त हुआ, बेंगलूरु अंचल एवं दक्षिण भारत को सर्वोत्तम बनाए रखने का श्रेय प्राप्त हुआ. 37 वर्षों के अनुभव होने के नाते बैंक ऑफ़ बड़ौदा के मार्गदर्शक के रूप में कार्य करता रहूंगा. इस महान बैंक के प्रति विशेष रूप से आभार प्रकट करता हूं जिसके कारण मुझे जीवन में इतने सारे अवसर प्रदान हुए. स्वयं को निखारने के साथ-साथ नई ऊंचाइयों को स्पर्श कर पाया. मैं अपने उच्च प्रबंधन को उनके मार्गदर्शन के लिए एवं सभी साथियों का आभार प्रकट करता हूं.

❖❖❖

बनासकांठा क्षेत्र द्वारा कार ऋण संवितरण दिवस का आयोजन

14 जुलाई, 2020 को कार ऋण संवितरण दिवस पर बनासकांठा क्षेत्र द्वारा बीएमडबल्यू के 90 लाख रुपये के ऑटो ऋण का वितरण किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रबंधक श्री महेंद्रसिंह रोहडिया तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

भीलवाड़ा क्षेत्र द्वारा ग्राहक संगोष्ठी का आयोजन

07 अगस्त, 2020 को भीलवाड़ा क्षेत्र द्वारा अंचल प्रमुख श्री महेंद्र एस महनोत की अध्यक्षता में ग्राहक संगोष्ठी का आयोजन किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री राजेश कुमार सिंह, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा ग्राहक उपस्थित रहे.

विजयवाड़ा क्षेत्र द्वारा किसान मेला का आयोजन

28 सितंबर, 2020 को विजयवाड़ा क्षेत्र द्वारा किसान एवं एसएचजी मेला का आयोजन किया गया. इस अवसर पर विजयवाड़ा क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री सी एच राजशेखर तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

चंडीगढ़ क्षेत्र द्वारा अभिप्रेरणा व सम्मान समारोह का आयोजन

01 सितंबर, 2020 को चंडीगढ़ क्षेत्र द्वारा अभिप्रेरणा व सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसमें श्रेष्ठ कार्य निष्पादन हेतु अग्रिम विभाग को प्रमाण पत्र दिया गया. इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री मोहन लाल रोहिल्ला, क्षेत्रीय प्रमुख श्री देवराज बंसवाल, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री भूपेन्द्र रोहिल्ला तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

बीकानेर क्षेत्र द्वारा किसान संगोष्ठी का आयोजन

21 अगस्त, 2020 को गुसाईसर शाखा, बीकानेर क्षेत्र के परिसर में किसान संगोष्ठी का आयोजन किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री योगेश यादव एवं उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री नितिन अग्रवाल द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित किसानों एवं ग्राहकों को ऋण स्वीकृति पत्र प्रदान किए गए.

कोल्हापुर क्षेत्र द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

20 जुलाई, 2020 को बैंक के 113वें स्थापना दिवस के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री विवेक कुमार चौधरी एवं उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री मयंक कुमार सहित अन्य कार्यपालक एवं स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

फैज़ाबाद क्षेत्र द्वारा ट्रैक्टर ऋण वितरण दिवस का आयोजन

17 सितंबर, 2020 को फ़ैज़ाबाद क्षेत्र द्वारा क्षेत्रीय प्रमुख श्री निहार रंजन प्रधान की अगुवाई में ट्रैक्टर ऋण वितरण दिवस का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कार्यकारी निदेशक श्री विक्रमादित्य सिंह खीची, अंचल प्रमुख श्री ब्रजेश कुमार सिंह (महाप्रबंधक) एवं अन्य वरिष्ठ कार्यपालकगण वर्चुअल माध्यम से जुड़े.

Varadharajapuram Branch, Coimbatore Region bags Golden Peacock Award

On 24 September, 2020 Golden Peacock award was presented to Shri. Rajeev, Chief Manager of Varadarajapuram Branch by Shri M. Madhusudhana Kumar, Chief Manager, RBDM of Coimbatore Region for the exemplary performance on the first day of Gold Loan Shoppe opening.

ग्रेटर कोलकाता क्षेत्र द्वारा एसएचजी कैम्प का आयोजन

11 अगस्त, 2020 को भंडारगाछा शाखा, ग्रेटर कोलकाता क्षेत्र द्वारा वित्तीय समावेशन अभियान के तहत एसएचजी कैम्प का आयोजन किया गया. इस अवसर पर उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री चन्दन दत्ता तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

बीएसवीएस, कौशाम्बी द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

बडौदा स्वरोजगार विकास संस्थान, कौशाम्बी द्वारा 21 सितंबर, 2020 को सोंधिया ग्राम में ऑफ कैंपस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर बडौदा स्वरोजगार विकास संस्थान के निदेशक श्री नवीन कुमार झा, प्रशिक्षक श्री आत्माराम गिरी, संस्थान के संकाय दामोदर मिश्र व प्रतिभागीगण उपस्थित रहे.

जलगाँव क्षेत्र द्वारा क्रेडिट कैम्प का आयोजन

जलगाँव क्षेत्र के अंतर्गत चालीसगाँव शहर में कृषि व महिला स्वयं सहायता बचत समूह के लिए ऋण वितरण कैंप का आयोजन किया गया. इस अवसर पर सांसद श्री उन्मेष पाटिल, जिलाधीश श्री अभिजीत राउत, क्षेत्रीय प्रमुख श्री अरुण मिश्रा, उप क्षेत्रीय प्रमुख डॉ. बी आर चौधरी, तहसीलदार श्री अमोल मोरे तथा चालीसगाँव की विभिन्न शाखाओं के शाखा प्रबंधक उपस्थित रहे.

भरूच क्षेत्र द्वारा ई-लॉबी का शुभारंभ

बैंक के स्थापना दिवस के अवसर पर भरूच क्षेत्र द्वारा अंकलेश्वर जीआईडीसी में ई-लॉबी का शुभारंभ किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री आर के गोयल, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री आर पी विजय तथा बड़ी संख्या में ग्राहकगण उपस्थित रहे.

हिन्दी दिवस समारोह

हिन्दी दिवस–2020 के अवसर पर प्रधान कार्यालय और कॉर्पोरेट कार्यालय सहित देशभर में हमारे विभिन्न अंचल / क्षेत्रों द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए. हम अंचल कार्यालयों द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की झलकियाँ यहाँ प्रस्तुत कर रहे हैं – संपादक

प्रधान कार्यालय, बड़ौदा में हिन्दी दिवस का आयोजन

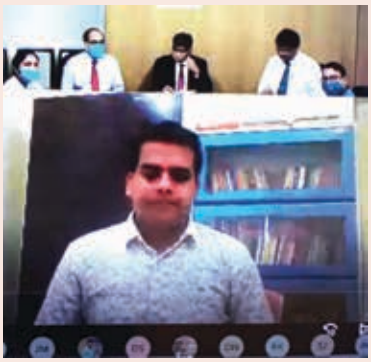

हिंदी दिवस के अवसर पर प्रधान कार्यालय, बड़ौदा द्वारा 14 सितंबर, 2020 को ग्राहक सेवा को महत्व देते हुए ग्राहक संवाद और संप्रेषण कौशल' विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. अखिलेश कुमार शर्मा, सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग, मिजोरम विश्वविद्यालय ने प्रतिभागियों को संबोधित किया. वेबिनार के मुख्य वक्ता डॉ. अखिलेश शर्मा ने हिन्दी की सांविधिक स्थिति से लेकर उसकी अब तक की प्रगति और समृद्धि पर प्रकाश डाला. उन्होंने कहा कि ग्राहक सेवा और सम्प्रेषण कौशल एक दूसरे से जुड़े हुए हैं. बैंकिंग की दृष्टि से ग्राहकों को दक्षतापूर्वक उनकी भाषा में सेवाएं प्रदान करना ही सम्प्रेषण कौशल है. इस कार्यक्रम में बैंक के महाप्रबंधक (राजभाषा, संसदीय समिति एवं कार्यालय प्रशासन) श्री के आर कनोजिया, सहायक महाप्रबंधक श्री रंजीत कुमार, श्री राजीव रंजन, सुश्री पारुल मशर तथा श्री पुनीत कुमार मिश्र सहित प्रधान कार्यालय, बड़ौदा के वरिष्ठ कार्यपालकों और स्टाफ सदस्यों ने सहभागिता की.

अंचल कार्यालय, पटना

14 सितंबर, 2020 को पटना अंचल द्वारा उप अंचल प्रमुख श्री नरेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में हिन्दी दिवस समारोह–2020 का आयोजन किया गया. हिन्दी माह के दौरान स्टाफ सदस्यों हेतु विविध राजभाषा विषयक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया. इस अवसर पर वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

अंचल कार्यालय, नई दिल्ली

15 सितम्बर, 2020 को नई दिल्ली अंचल द्वारा महाप्रबंधक श्रीमती सम्मिता सचदेव की अध्यक्षता में हिन्दी दिवस समारोह का आयोजन किया गया. इस अवसर पर कवि श्री गजेंद्र सोलंकी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे. इस अवसर पर महाप्रबंधक (सरकारी कारोबार) श्री अश्विनी कुमार, उप अंचल प्रमुख श्री आर पी बब्बर, तत्कालीन दिमक्षे 1 के क्षेत्रीय प्रमुख श्री घनश्याम सिंह, तत्कालीन दिमक्षे 2 के उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री कुलदीप मेंदीरत्ता एवं अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

अंचल कार्यालय, लखनऊ

14 सितंबर, 2020 को लखनऊ अंचल द्वारा अंचल प्रमुख श्री ब्रजेश कुमार सिंह की अध्यक्षता में हिन्दी दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस अवसर पर उप महाप्रबंधक श्री बी एस लुथरा, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

एपेक्स अकादमी, गांधीनगर

14 सितंबर, 2020 को एपेक्स अकादमी, गांधीनगर द्वारा हिंदी दिवस का आयोजन किया गया. इस अवसर पर एपेक्स अकादमी के समस्त स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

अंचल कार्यालय, चेन्नै

चेन्नै अंचल द्वारा 15 सितंबर, 2020 को अंचल प्रमुख श्री आर मोहन की अध्यक्षता में हिन्दी दिवस समारोह का आयोजन किया गया. इस अवसर पर सहायक महाप्रबंधक श्री प्रिय कुमार बी., वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

सरकारी कारोबार विभाग, नई दिल्ली

सरकारी कारोबार विभाग, नई दिल्ली द्वारा 14 सितंबर, 2020 को हिन्दी दिवस समारोह का आयोजन किया गया जिसमें हिन्दी माह के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया. इस अवसर पर महाप्रबंधक श्री अश्वनी कुमार, उप महाप्रबंधक श्री कुलदीप सिंह, वरिष्ठ कार्यपालकगण एवं अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

अंचल कार्यालय, पुणे

14 सितंबर, 2020 को पुणे अंचल एवं पुणे क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा संयुक्त रूप से हिन्दी दिवस समारोह का आयोजन किया गया. इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री के के चौधरी, क्षेत्रीय प्रमुख श्री डी के पंचोरी तथा उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री टी पी तुलस्यान उपस्थित रहे.

अंचल कार्यालय, मंगलूरु

अंचल एवं क्षेत्रीय कार्यालय, मंगलूरु द्वारा 18 सितंबर, 2020 को हिंदी दिवस समारोह व पुरस्कार वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया. इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्रीमती सुजया यू शेट्टी, उप अंचल प्रमुख श्री ई एस एस आर रामचंदर एवं मंगलूरु क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री शिवराम बि उपस्थित रहे.

अंचल कार्यालय, हैदराबाद

15 सितंबर, 2020 को हैदराबाद अंचल द्वारा अंचल प्रमुख श्री पी श्रीनिवास की अध्यक्षता में हिन्दी दिवस समारोह का आयोजन किया गया. इस अवसर पर सहायक महाप्रबंधक श्री बी वी आर रेड्डी, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

अंचल कार्यालय, भोपाल

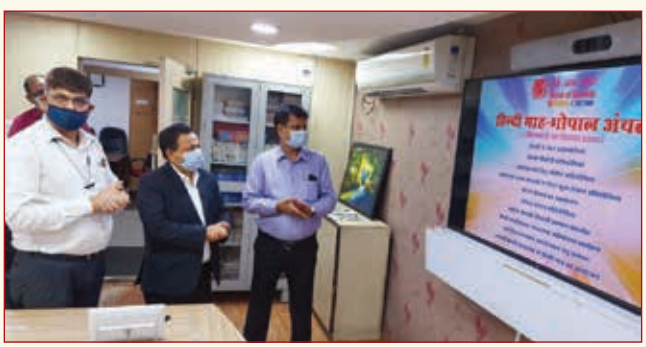

भोपाल अंचल एवं क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा संयुक्त रूप से 01 से 30 सितंबर, 2020 तक हिन्दी माह का आयोजन किया गया. इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री गिरीश सी डालाकोटी, उप अंचल प्रमुख श्री प्रमोद शर्मा, भोपाल उत्तर के क्षेत्रीय प्रमुख श्री आर सी यादव, उप क्षेत्रीय प्रमुख द्वय सुश्री मौसुमी मित्रा एवं श्री एस के गुप्ता तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

अंचल कार्यालय, मेरठ (बरेली)

29 सितंबर, 2020 को मेरठ अंचल द्वारा अंचल प्रमुख श्री अमरनाथ गुप्ता की अध्यक्षता में हिंदी दिवस समारोह और पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस अवसर पर अंचल और क्षेत्रीय कार्यालय बरेली के सभी स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

अंचल कार्यालय, मुंबई

14 सितंबर, 2020 को हिन्दी दिवस के अवसर पर मुंबई अंचल द्वारा हिन्दी दिवस समारोह का आयोजन किया गया. इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री मधुर कुमार, उप अंचल प्रमुख श्री पी के राउत, उप महाप्रबंधक श्री पीतबाश पटनायक, वरिष्ठ कार्यपालकगण एवं अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

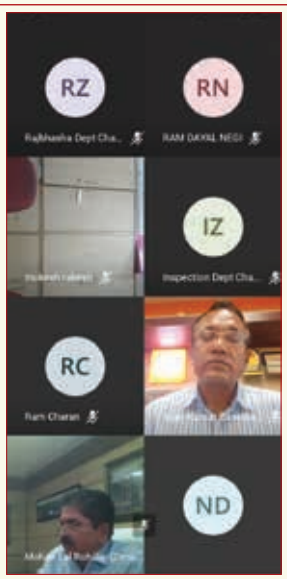

अंचल कार्यालय, चंडीगढ़

18 सितंबर, 2020 को चंडीगढ़ अंचल द्वारा अधीनस्थ सभी क्षेत्रीय कार्यालयों के साथ संयुक्त रूप से हिन्दी दिवस समारोह का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम में अंचल प्रमुख श्री एम एल रोहिल्ला, लुधियाना, करनाल, जालंधर व चंडीगढ़ क्षेत्रों के क्षेत्रीय प्रमुख क्रमशः श्री विजय कुमार बसेठा, श्री सत्य प्रकाश, श्री राजय भास्कर व श्री देवराज बंसवाल, सभी क्षेत्रों के राजभाषा प्रभारी व अन्य स्टाफ सदस्य शामिल हुए.

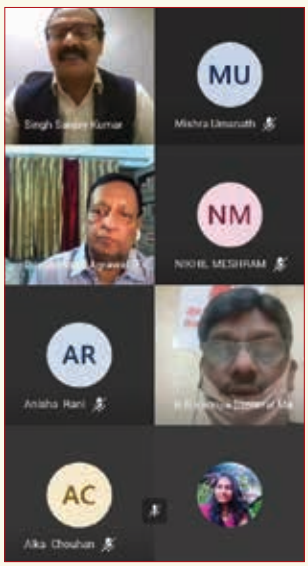

कॉर्पोरेट कार्यालय, मुंबई

हिन्दी दिवस के अवसर पर कार्पोरेट कार्यालय, मुंबई द्वारा 14 सितंबर, 2020 को आत्मनिर्भर भारत एवं भाषायी आत्मनिर्भरता विषय पर वेबगोष्ठी का आयोजन किया गया. इस गोष्ठी को मुख्य वक्ता आर्थिक चिंतक, साहित्यकार और समालोचक डॉ. दुर्गा प्रसाद अग्रवाल ने संबोधित किया. इस वेबगोष्ठी में प्रधान कार्यालय से महाप्रबंधक श्री के आर कनोजिया, कॉर्पोरेट कार्यालय, मुंबई के वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा स्टाफ सदस्य जुड़े थे.

अंचल कार्यालय, बड़ौदा

बड़ौदा अंचल द्वारा हिन्दी दिवस के अवसर पर 01 सितम्बर 2020 से 15 सितम्बर 2020 तक हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन किया गया. साथ ही, 14 सितंबर, 2020 को विजेता प्रतिभागियों को अंचल प्रमुख श्री ए कुमार खोसला, उप अंचल प्रमुख श्री पी एस नेगी एवं अन्य कार्यपालकों की उपस्थिति में प्रशस्ति-पत्र एवं स्मृति-चिह्न भेंट किए गए.

अंचल कार्यालय, कोलकाता

14 सितंबर, 2020 को कोलकाता अंचल द्वारा हिन्दी दिवस समारोह का आयोजन किया गया. इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री देबब्रत दास, उप अंचल प्रमुख श्री पी के दास, वरिष्ठ कार्यपालकगण एवं अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

अंचल कार्यालय, एर्णाकुलम

16 सितंबर, 2020 को अंचल एवं क्षेत्रीय कार्यालय, एर्णाकुलम द्वारा संयुक्त रूप से हिंदी दिवस का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम में अंचल प्रमुख श्री के वेंकटेसन, उप अंचल प्रमुख श्री जियाद रहुमान, एर्णाकुलम क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री बाबु रविशंकर, उप क्षेत्रीय प्रबंधक श्री टोनि एम वेम्पिल्ली तथा अंचल एवं क्षेत्रीय कार्यालय में कार्यरत सभी स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

अंचल कार्यालय, राजकोट

राजकोट अंचल द्वारा 14 सितंबर, 2020 को हिन्दी दिवस समारोह का आयोजन किया गया. इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री संजीव डोभाल, उप अंचल प्रमुख श्री वाई एस ठाकुर तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

अंचल कार्यालय, अहमदाबाद

14 सितंबर, 2020 को अहमदाबाद अंचल द्वारा हिन्दी दिवस समारोह का आयोजन किया गया. इस अवसर पर उप अंचल प्रमुख श्री मोतीलाल मीणा, उप महाप्रबंधक श्री सत्यनारायण चिंता, वरिष्ठ कार्यपालकगण एवं अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

अंचल कार्यालय, बेंगलुरु

हिन्दी दिवस के अवसर पर बेंगलुरु अंचल कार्यालय द्वारा हिन्दी दिवस समारोह का आयोजन किया गया. इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्रीमती मिनी टी, उप महाप्रबंधक श्री एस के रस्तोगी, बेंगलुरु उत्तर के क्षेत्रीय प्रमुख श्री राजेश खन्ना, दक्षिण क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री टी पी सिंह तथा ग्रामीण क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री रवि एस उपस्थित रहे.

अनुपालन : जोखिम प्रबंधन का मूल आधार

जोखिम और समय एक ही सिक्के के दो पहलू हैं क्योंकि यदि भविष्य ही नहीं होगा तो कोई जोखिम भी नहीं होगा. समय जोखिम को परिवर्तित करता है और जोखिम की प्रकृति का निर्धारण समय के क्षैतिज होता है.

–पीटर बर्नेस्टिन (अमरीकी वित्तीय इतिहासकर)

बैंक में जोखिम की संभावना सबसे अधिक रहती है क्योंकि बैंक में होने वाले संव्यवहारों में जनता का पैसा दांव पर लगा होता है, चाहे वह जमा से संबंधित हों या ऋण से. बैंक से बाहर के लोग तो बैंक के साथ धोखाधड़ी करते ही हैं, साथ ही बैंक से जुड़े लोग कभी–कभी जाने–अनजाने धोखाधड़ी के मामलों में संलिप्त पाए जाते हैं. आज देश का बैंकिंग परिदृश्य पूर्णतः बदल चुका है. आधुनिक बैंकिंग में प्रभावी जोखिम प्रबंधन न केवल आवश्यक है बल्कि अपरिहार्य है. बैंक अधिकतर व्यापारिक गतिविधियां लाभ को ध्यान में रखकर करते हैं और परिचालन प्रतिफलों को प्राप्त करने की प्रक्रिया में उनका व्यापार जोखिमोन्मुख हो जाता है.

अनुपालन संस्कृति को बैंक में प्रत्येक स्टाफ के लिए अनिवार्य रुप से लागू किए जाने संबंधी आवश्यक दिशानिर्देश समय–समय पर बैंक के अनुपालन विभाग व केन्द्रीय आंतरिक लेखापरीक्षा विभाग द्वारा जारी किए जाते हैं. अनुपालन एक सतत प्रक्रिया है इसलिए भारतीय रिज़र्व बैंक, अन्य नियामक व बैंक के आंतरिक नियमों का पालन सदैव बिना किसी पक्षपात से किए जाने की जरूरत है. गैर अनुपालन की स्थिति में बैंक को कई प्रकार के जोखिमों का सामना करना पड़ता हैं जिसमें वित्तीय जोखिम, विधिक जोखिम, प्रतिष्ठा से जुड़ा जोखिम आदि शामिल हैं.

जोखिम को समाप्त तो नहीं किया जा सकता है अपितु इसे कम किया जा सकता है. जोखिम प्रबंधन एक सतत प्रक्रिया है, जिसका अनुश्रवण एक मजबूत बैंकिंग तंत्र के लिए नितांत आवश्यक है. बैंक के नीति निर्धारकों व नियामकों के द्वारा बनाए गए बुनियादी मूल्यों/ क़ानूनों/ नियमों का अक्षरशः पालन करना हर एक बैंक कर्मी का दायित्व होना चाहिए एवं जारी परिपत्रों का अनुपालन बैंक के साथ–साथ बैंक कर्मियों के लिए लाभकारी रहता है. अनुपालन देखने से एक छोटा शब्द लगता है लेकिन इसका दायरा बहुत बड़ा है. व्यवसाय वृद्धि के लिए अनुपालन के साथ समझौता नहीं किया जाना चाहिए. अनुपालन सुनिश्चित करने की दिशा में उच्च प्रबंधन ने 15 शून्य सहनशीलता क्षेत्र को प्रसारित किया है जिनका अनुपालन अनिवार्य रूप से किया जाना चाहिए. बैंक में मजबूत सिस्टम होने से अनुपालन में चूक की संभावना कम की जा सकती है. बैंक ऑफ़ बड़ौदा में अनुपालन हेतु अंचल स्तर पर आंतरिक लेखा परीक्षण विभाग स्थापित किया गया है जिसके द्वारा व्यवसाय इकाइयों के अंदर जोखिम आधारित पर्यवेक्षण विधि से अनुपालन स्तर की जांच की जाती है. साथ ही, भारतीय रिज़र्व बैंक के आदेशानुसार बैंक ने कॉर्पोरेट कार्यालय स्तर पर अनुपालन का वर्टिकल स्थापित किया है जिस क्रम में अंचल, क्षेत्र व शाखा स्तर पर अनुपालन अधिकारी को पदस्थ या चिह्नित किया गया है.

भारतीय रिज़र्व बैंक ने जोखिम आधारित पर्यवेक्षण की ओर रुख किया है. भारत में जोखिम आधारित पर्यवेक्षण में गुणात्मक व परिणात्मक मूल्यांकन के द्वारा बैंक की कुल जोखिम स्थिति को बेहद बारीकी से आँका जाता है. इस माध्यम को जोखिम अर्थात् अप्रत्याशित हानि के मूल्यांकन हेतु तैयार किया गया है. इसलिए यह माध्यम बैंक के जोखिम का दूरदर्शी चित्र प्रस्तुत करता है. यह एक गतिशील प्रक्रिया प्रवाह है जहां वर्तमान वित्तीय स्थिति से पार जाकर समझने व पूर्वानुमानित करने पर अधिक जोर दिया जाता है. आंतरिक लेखापरीक्षा प्रणाली बैंक में आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की प्रभावशीलता में योगदान देने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है.

जोखिम आधारित लेखापरीक्षा के अंतर्गत अंचल आंतरिक लेखापरीक्षा विभाग (ज़ेडआईएडी) द्वारा शाखाओं को पूर्ववर्ती जोखिम के आधार पर आगामी लेखापरीक्षा के लिए निर्धारित समयावधि के अनुसार चयनित किया जाता है. तिमाही की शाखाओं की सूची जिनका लेखापरीक्षा प्रस्तावित है, उनको क्षेत्र के अंकेक्षण एवं निरीक्षण विभाग को भेज दी जाती है. इस सूची के अनुसार कार्यवाही करते हुए क्षेत्रीय कार्यालय का विभाग संबंधित शाखाओं को लेखापरीक्षा की सूचना एवं अभिलेखों/ सूचनाओं/ अनुपालन की तैयारी हेतु निर्देशित करता है. पत्र/ सूचना/ मेल की प्राप्ति के पश्चात शाखा प्रबंधक अपनी शाखा की रेटिंग में सुधार के लिए निम्न मानदंडों के अनुपालन की पुष्टि करता है :

- सबसे पहले वह शाखा स्तर पर शून्य सहनशीलता क्षेत्रों के अनुपालन की पुष्टि करता है. (नए खुले खातों में केवाईसी अनुपालन, एटीएम कार्ड व पिन एवं इंटरनेट बैंकिंग पासवर्ड का रखरखाव, खातों में हस्ताक्षर स्कैनिंग, सभी सेक्यूरिटी फार्म का सिस्टम में अद्यतन होना, इंटरसोल एवं ऑफ़सोल रिपोर्ट को निकालकर जांच करना व उनकी फाइलिंग, पीएसआर रिपोर्ट का क्षेत्रीय कार्यालय को प्रेषण, बीसीएसबीआई बोर्ड का शाखा स्तर पर लगा होना, किसी ऋण आवेदन में निर्णय से पूर्व सिबिल रिपोर्ट को निकालकर जांच करना, सीईआरएसएआई में रजिस्ट्रेशन, अल्ट्रावैलेट मशीन का उपयोग होना, आपवादिक रिपोर्ट जनरेट कर जांच करना व फाइलिंग, फोर आइ नियम, सीईएमयू अलर्ट की जांच करना व आवश्यक संशोधन करना और मोबाइल नंबर बदले जाने की रिपोर्ट निकालकर अनुपालन करना)
- सभी संवेदनशील खातों का एंट्री के अनुसार अभिलेख तैयार किया जाता है.
- शाखा से जुड़े एटीएम का कैश सत्यापन नियमित अंतरालों पर करके उसकी रिपोर्ट को संबंधित फ़ाइल में लगवाना सुनिश्चित करना.
- ऋण खातों में बकाया एलएडी को प्राप्त कर/भरकर संबंधित खातों के दस्तावेजों में लगवाना.
- सभी ऋण खातों का समय पर समीक्षा पूरा किया जाना चाहिए.
- सभी आस्तियां जो ऋण वितरण से सृजित हुई हैं, उनका पर्याप्त बीमा होना चाहिए.
- जिन खातों में अचल संपत्ति (आवासीय/ वाणिज्यिक/ परती भूमि) बंधक हुई है उन खातों में बैंक के नियमानुसार मूल्यांकन बैंक/ सरकारी मूल्यांकनकर्ता द्वारा तीन वर्ष में पूरा होना चाहिए और उसकी रिपोर्ट संबंधित खातों के दस्तावेजों में लगी होनी चाहिए.
- जिन खातों में ऋण स्वीकृति स्टॉक के सापेक्ष

की गई है उनमें नियमित रूप से ऋणी ग्राहक द्वारा स्टॉक स्टेटमेंट शाखा में जमा किया जाना चाहिए और उसके बाद वह विवरण सिस्टम में भी फीड होना चाहिए.

- समझौते के अंतर्गत बंद हुए खातों में प्रस्ताव के साथ-साथ समझौते से संबंधित सभी अभिलेख शाखा स्तर पर मौजूद होने चाहिए.
- जिन खातों/ प्रक्रियाओं में क्षेत्रीय कार्यालय से आरमेनू के तहत अनुमति मांगी गई है, उसका पूरा विवरण फॉर्मेट के साथ शाखा स्तर पर मौजूद होना चाहिए.
- ऋणी द्वारा बैंक में जमा की गई बिक्री विलेख की वास्तविकता का सत्यापन शाखा के ऋण अधिकारी/ शाखा प्रमुख द्वारा पूरा होना चाहिए.
- बैंक में बंधक के लिए रखी जाने वाली संपत्ति को राज्य की उचित धारा के तहत रूपांतरित किया गया हो, यदि लागू हो.
- 10 लाख रुपए से अधिक ऋण राशि/ अचल संपत्ति बंधक वाले खातों में वेटिंग की कार्यवाही पूरी होनी चाहिए.
- पात्र खातों में ऋण स्वीकृति/ वितरण आरओसी में चार्ज के साथ होना चाहिए.
- बैंक द्वारा स्वीकृति/ वितरण यदि वाहन हेतु हुआ हो तो वाहन के रजिस्ट्रेशन में बैंक का ग्रहणधिकार (लियन) दर्ज होना चाहिए, यही नियम बैंक द्वारा स्वीकृति/वितरित कृषि ऋण खातों पर लागू होता है जहां कृषि योग्य भूमि पर बैंक का ग्रहणधिकार दर्ज होना चाहिए.
- पात्र ऋण खातों में बैंक के नियमानुसार रेटिंग अनिवार्य रूप से की जानी चाहिए.
- बैंक द्वारा स्वीकृति/ वितरित ऋण खातों का भारतीय रिज़र्व बैंक के अनुसार सही वर्गीकरण किया जाना चाहिए.
- ऋण खातों का प्राथमिकता क्षेत्र व गैर-प्राथमिकता क्षेत्र में वर्गीकरण किया जाना चाहिए.
- ग्राहक सेवा से संबंधित आवश्यक दिशानिर्देशों का अनुपालन शाखा स्तर पर होना चाहिए.
- शाखा से स्वीकृत वाहन ऋण में संबंधित दस्तावेजों की मौजूदगी, वाहन खरीदने संबंधी प्रपत्र, बैंक का नाम वाहन पंजीकरण प्रमाणपत्र व बीमा पॉलिसी में होने के साथ-साथ वाहन पोर्टल से चेक किए जाने चाहिए.
- पुरानी ऑडिट रिपोर्ट को बारीकी से जांच कर, त्रुटियों का संशोधन कर, आवश्यक प्रपत्र जमा कर, अनुपालन किया जाना चाहिए.

लेखापरीक्षक के शाखा में पहुँचने पर उपरोक्त बिन्दुओं के अनुसार बारीकी से अनुपालन को जांचा जाता है और अपनी रिपोर्ट को आंचलिक केंद्र को प्रेषित कर दी जाती है.

रिपोर्ट मिलने के बाद शाखा लेखापरीक्षा रिपोर्ट में वर्णित त्रुटियों को दी गई समय-सीमा के भीतर संशोधन करती है और इसकी पुष्टि को क्षेत्रीय कार्यालय को प्रेषित करती है. बैंक शाखा के द्वारा किए जाने वाले अनुपालन की पुष्टि को अनुपालन जांच के द्वारा करता है. इसके लिए बैंक अंचल की सभी उच्च और मध्यम जोखिम की शाखाओं का अनिवार्य रूप से अनुपालन लेखापरीक्षा कराता है और कम से कम पिछली तिमाही में लेखापरीक्षा हुई शाखाओं का 10% अनुपालन कराता है. साथ ही साथ न्यून जोखिम शाखाओं का भी शाखाओं के क्षेत्रों के अनुसार समान अनुपात में चयन कर अनुपालन लेखापरीक्षा कराया जाता है, जिससे यह जानकारी मिल सके कि लेखापरीक्षा रिपोर्ट के संबंध में संबंधित शाखा के द्वारा क्या-क्या आवश्यक कदम उठाए गए हैं.

हाल ही में बैंक ने अनुपालन संस्कृति को लागू करने संबंधी निर्देश जारी किए हैं. इस योजना में शाखा व व्यक्तिगत कर्मचारी के लिए अनुपालन हेतु रिवार्ड तंत्र बनाने की बात कही गई है. इसमें शाखा के आंतरिक लेखापरीक्षा की जोखिम रेटिंग, टिप्पणियाँ व उनके ससमय अनुपालन का पैमाना रखा गया है. उत्कृष्ट अनुपालन का प्रदर्शन करने वाली शाखाओं को वार्षिक आधार पर अंचल कार्यालय द्वारा सम्मानित करने की योजना है. जिन शाखाओं का अनुपालन स्तर उच्च होगा उनको बड़ौदा जेम्स में वेटेज दिया जाएगा. इसी प्रकार से गैर-अनुपालन वाली शाखाओं का मूल्यांकन उसी प्रकार से होगा. साथ ही साथ, इस प्रकार के कार्यनिष्पादन करने वाले स्टाफ सदस्यों के लिए 5 से 10 नकारात्मक अंकों का प्रावधान भी रखा गया है. एक बात और महत्वपूर्ण है जिसका प्रावधान रखा गया है और वह है शाखा प्रबन्धक की तैनाती. आगे से किसी अधिकारी की शाखा प्रमुख के रूप में तैनाती देने से पूर्व उनकी पिछले दो वर्षों में ऑडिट रेटिंग व उसके अनुपालन संबंधी रिपोर्ट की जांच की जाएगी.

अनुपालन की जांच के लिए अलग ढांचा तैयार किया गया है जिसके अंतर्गत ऑफ़साइट टेस्टिंग, ऑनसाइट टेस्टिंग, सेमू पोर्टल, वेब आधारित अनुपालन पोर्टल, सर्मो नेक्सट आदि के माध्यम से शाखाओं में अनुपालन की जांच की जाती है और शाखाओं को अनुपालन की पुष्टि करनी होती है. अतः बैंक के प्रत्येक स्टाफ सदस्य को बैंक की बुनियादी मूल्यों में से उत्साहपूर्ण स्वामित्व को अपनाना होगा. साथ ही, प्रत्येक स्टाफ सदस्य को अनुपालन अधिकारी के रूप में कार्य करना होगा तभी यह भागीरथ प्रयास सफल हो पाएगा.

❖❖❖

अनिल कुमार
मुख्य प्रबंधक
बड़ौदा अकादमी, चंडीगढ़

हिन्दी भाषा

हिन्द देश के वासी हैं हम, हिन्दुस्तान हमारा है,
आपस में मिलजुल कर रहना, यही देश का नारा है.
हिन्दू, मुस्लिम, सिक्ख, ईसाई, सब में भाईचारा है,
देश का बच्चा-बच्चा, भारत मां की आंखों का तारा है.

सब मिलजुल कर रहें प्रेम से, यही देश की आशा है,
अभिव्यक्ति और अभिलेखन की, प्यारी हिंदी भाषा है.
हिन्दी राज की भाषा है और हिन्दी की अभिलाषा है,
हिन्दी को सम्मान मिले, और सबको स्वाभिमान मिले.

आज की युवा पीढ़ी से, हिन्दी को गिला जरा सा है,
युवा हिन्दी को अपनायें, एक छोटी सी यह आशा है.
तुलसी, कबीर और सूरदास ने हिंदी को अपनाया था
रसखान, व्यास और मीरा ने, हिन्दी को दिल से गाया था.

हिन्दी नदियों में गंगा है और गहनों में यह मोती है,
दुनिया की उत्तम भाषाओं में, इसकी गिनती होती है.
हिंदी से जगमग है दुनिया, हिन्दी ने बरसाया ज्ञान,
हिन्दी की मधुभाषा में ही, लिखे गये कई ग्रन्थ महान.

आओ चलो हम मधुभाषा में, मधुर गीत कोई गायें,
खुशियों से मिलजुल कर हम सब, हिन्दी दिवस मनायें.

❖❖❖

धर्मेन्द्र सिंह पाल
सहायक
तलाड पाटिया शाखा, सूरत जिला क्षेत्र

फाइनेंसियल डॉक्टर

पूरी दुनिया में कोरोना का आतंक फैला हुआ था. हम सब ने ऐसा लॉकडाउन पहली बार देखा था. सब काम धंधे बंद थे, जिन्दगी जैसे थम सी गई थी, पूरी दुनिया सांसे भी सिर्फ जरूरत के हिसाब से ले रही है. मतलब सिर्फ वक्त चल रहा था और वो भी सिर्फ जरूरत की बैलगाडी पर. इस जरूरत का एक छोटा सा हिस्सा थे हम बैंक कर्मचारी. हम डर-डर के घर से बाहर निकलते थे, अपने फर्ज के लिए. डॉक्टरों की तरह हमारे पास न इस बीमारी से लड़ने के लिए पूरा ज्ञान था न ही पूरे साधन. हमें भी हमारे देश के लिए कुछ करने का मौका मिला था. जब पुलिस वाले रोकते थे, तब अपना बैंक पहचान-पत्र दिखाने में वीआईपी सा महसूस होता था.

आज बैंक में काम ज्यादा था, लोग घबराहट में अपने घर में जरूरत के लिए रुपये इक्कठा करने लगे थे. किसी को कल का पता नहीं था. सबको घर सबसे ज्यादा सुरक्षित और प्यारा लगता था. हमारी शाखा के सभी कर्मचारी भी काम निपटाने में लगे थे. मेरे हाथ में 10 लाख की सावधि जमा रसीद भुगतान के लिए थी जिसकी परिपक्वता तिथि अगले महीने की थी क्योंकि विनोद (हमारा सहकर्मी) के पास बी.एच-2 नहीं था.

"विनोद यह रसीद तो अगले महीने परिपक्व हो रही है. इनको तो ब्याज का नुकसान होगा."

"मैडम मैंने तो बताया था. मैं जानता हूं नीरज भाई को, आप नई हैं, उनको नहीं जानती. हमारे अच्छे ग्राहक हैं. उनकी अच्छी सावधि जमा रसीदें हैं. कल वो नकद लेने आने वाले है."

फिर भी मेरा मन नहीं माना. मैंने सोचा सब काम निपटा कर फोन करती हूं.

सब काम निपटा कर मैंने फोन लगाया.

"हैलो नीरज सर बोल रहे हैं ?"

"हां जी"

"सर मैं शीतल अग्रवाल ओलपाड शाखा, बैंक ऑफ बड़ौदा से बोल रही हूँ. आपने 10 लाख की सावधि जमा रसीद भुगतान के लिए दी है ?"

"हां जी मैडम"

"सर मैंने फोन इसलिए किया है कि उसको परिपक्व होने में एक महीना ही बाकी है. आपको ब्याज का नुकसान होगा."

"हां जी मैडम पर जरूरत थी इसलिए."

"सर अगर कम वक्त और कम रकम की जरूरत हो तो आप इस पर ऋण ले सकते हैं सिर्फ ब्याज का 1% सावधि जमा रसीद से ज्यादा लगेगा."

"मैं जानता हूँ मैडम, पर सब काम बंद हैं. ये पैसे अति आवश्यकता के लिए रखे थे जो आज उठाने पड़ रहे हैं."

"जी सर, तो ठीक है मैंने इसलिए फोन किया था."

"आपका आभार मैडम. हां कल मैं 5 लाख लेने आऊंगा वो व्यवस्था कर दीजिएगा."

"जी सर. आपको मिल जाएंगे.

"आपने फोन किया, धन्यवाद मैडम.

"नहीं सर ये तो हमारा फर्ज है.

हम सब काम निपटाकर निकलने की तैयारी कर रहे थे. इतने में सिक्योरिटी स्टाफ आया "मैडम नीरज भाई आपसे मिलने आये हैं."

मैंने ऊपर देखा सामने 27-28 साल का कोई कॉरपोरेट ऑफिस में काम करता हो ऐसा लड़का खड़ा था.

"नमस्ते, नीरज भाई बैठिये."

"नमस्ते मैडम, सावधि जमा रसीद के लिये फोन आपने किया था? नीरज भाई ने बैठते हुए पूछा."

"हां जी सर, पर वो तो मैंने जमा कर दी आपके पास सन्देश आया होगा."

"हां जी मैडम, वो तो आ गया, मैं उसके लिए नहीं आया हूँ. मैं तो आपसे मिलने के लिए आया हूँ, आपने मेरे ब्याज नुकसान के बारे में समझाने के लिए फोन किया उसका धन्यवाद. एक बात पूछूं मैडम!

थोड़ा झिझकते हुए बोले.

"आप कभी अठवालाईंस शाखा में थीं?"

"हां सर

"बचत खाता खोलने का काम करती थीं?"

मेरे चहरे पर मुखौटा (मास्क) होने की वजह से उन्होंने झिझकते हुए पूछा

"हां सर 2012-13 की बात है. क्यों?"

"मैडम तब मैं शाखा के नजदीक में के पी कॉमर्स कॉलेज में पढ़ता था और मेरा पहला बचत खाता आपने ही खोला था. आपको याद है?"

मैंने अपनी याददाश्त पर जोर डाला लेकिन याद नहीं आया.

"मैंने कहा, माफ कीजिएगा, मुझे कुछ याद नहीं आ रहा है."

"मैडम आपको शायद याद नहीं होगा, तब मैं अपनी बारी का इंतजार कर रहा था और आप दूसरे ग्राहक को आवर्ती खाता खुलवाने की सलाह दे रही थीं कि- "छोटी-छोटी रकम हर महीने जमा करने से एक दिन बड़ी पूंजी इकट्ठी कर सकते हैं."

पर वो भाई साहब व्यापारी थे. उन्होंने मना करते हुए कहा कि - "बैंक में 8-9% मिलता है जबकि मैं अपने व्यापार में 20-30% कमा सकता हूँ."

"कभी अति आवश्यक जरूरत के लिए व्यापार से अलग कुछ रकम रखनी चाहिए जो काम आ सके." आपने कहा था.

वो भाई साहब तो, "सोचूंगा", कहकर आवेदन पत्र लेकर चले गए.

पर यह बात मेरे दिमाग में कहीं घर कर गयी थी. उस वक्त न मेरे पास नियमित आय थी न बचत. फिर मैं पढ़ाई खत्म कर अपने पापा के व्यापार से जुड़ गया. मेरे पापा झिंगा तालाब में काम करने वाले मजदूरों के प्रदायक हैं. जब मैंने पहली आय प्राप्त की तब मुझे आपकी बात याद आई और मैंने अपना पहला आवर्ती खाता खुलवाया और जब उसकी अवधि खत्म हुई तो उसकी सावधि जमा बनवा दी.

मैंने आपकी दोनों बातें अपनाई और यह अति आवश्यक काम के लिए बचाई हुई रकम है जिसको मैंने अपने व्यापार में नहीं लगाया था. आज मेरे साथ 250-300 मजदूर काम करते हैं. अभी तक तो उनके खाने-पीने की व्यवस्था मेरे चालू खाते में जो पैसे थे उससे हो गयी, पर अब कुछ मजदूर अपने घर जाना चाहते हैं, कुछ उत्तर भारत के हैं, तो कुछ दक्षिण भारत के. इस वजह से यह सावधि जमा तुड़वानी पड़ी.

"मैडम, मैं तहे दिल से आपका आभारी हूँ. आपको मैं 2-3 दिन से याद कर रहा था, आज मेरे मजदूर भाइयों की जरुरते मैं पूरी कर पा रहा हूं, उसकी मुझे खुशी है."

मुझे बहुत खुशी हुई कि मेरी एक छोटी-सी बात से कितने लोगों का भला हुआ.

"नीरज भाई, यह भलाई का श्रेय आपको ही जाता है, आप अपने मजदूर भाइयों का इतना ख्याल रख रहे हैं, मैं तो निमित्त मात्र हूं, किया तो आपने है.

नीरज भाई की आँखों में जो खुशी की चमक थी वह लाजवाब थी.

"मैडम आज आपसे मिलकर बहुत खुशी हुई. सही राह दिखाने के लिए आपका आभार. मैं मिलता रहूंगा. "

उनके जाने के बाद स्टाफ इकट्ठा हो गया और मेरी सराहना करने लगे.

मुझे अपने आप पर फक्र था और मेरी बैंक की नौकरी पर भी.

"हम बैंकर डॉक्टर न सही, फाइनेंसियल डॉक्टर तो हैं जो लोगों की जिंदगी बचा नहीं सकते पर जिंदगी सँवार तो सकते हैं."

❖❖❖

शीतल अग्रवाल
प्रबंधक
ओलपाड शाखा
सूरत जिला क्षेत्र

Bank of Baroda (Kenya) Ltd. conducts its Annual General Meeting

On 19 September, 2020 Bank of Baroda (Kenya) Ltd. conducted its Annual General Meeting. The meeting was attended by Chairman Shri V S Khichi, Non-Executive Director Shri M K Chary, Company Secretary Shri Robert Ndungu, Board of Directors Shri Ramesh C Mehta, Dr. Winfred N Karugu, Managing Director Mr. Saravana Kumar A and team of Head Office and Bank's esteemed shareholders were present on the occasion.

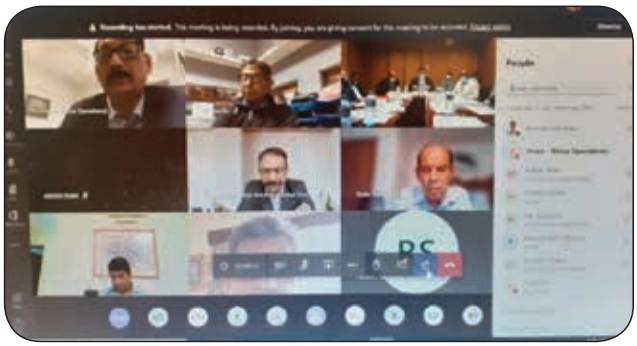

Bank of Baroda (Uganda) Ltd. conducts 50th Annual General Meeting

Bank of Baroda (Uganda) Ltd. conducted its 50th Annual General Meeting. Managing Director Shri R K Meena, Board Members & Company Secretary along with staff & valued customers were present on the occasion.

Bank of Baroda, Singapore Branch Celebrates Foundation Day

Bank of Baroda, Singapore Branch celebrated its 15th foundation day on 19 September, 2020. Deputy Chief Executive Shri Vivek Shukla along with staff members were present on the occasion.

Bank of Baroda (Uganda) Ltd. felicitated by Uganda Military Authority

Bank of Baroda (Uganda) Ltd. received certificate of appreciation from Uganda Military Authorities for Bank's contribution in the Training & Development of Uganda Military Services. Managing Director Shri R K Meena, Brigadier Ranjeet Singh and other staff were present on the occasion.

Bank of Baroda (Kenya) Ltd. bags four awards

Bank of Baroda (Kenya) Ltd. bagged -4- awards i.e. Bank with lowest charges on loans – Winner, Best Bank under tier II category – 1st Runner up, Best Bank in SME Banking – 1st Runner up and Most Efficient Bank – 1st Runner up at the prestigious Think Business Banking Awards 2020 which was declared on 23rd July 2020. The Bank has been serving its valued customers for the past six decades and accolades like these are a testament of the persistent efforts and dedication put in by all the staff members.

Travelogue

The Land of the Lemurs: Madagascar the Red Island

Land of Lemurs, Baobabs, Red soil, rainforest, desert, hiking and diving-Madagascar is a dream destination for outdoors enthusiasts. It is the perfect destination for the adventurous traveller and those who want to get away from mass tourism. The fourth-largest island on the planet, Madagascar is situated in Indian Ocean of east coast of Africa. The country's closest mainland is Mozambique, while other islands in the nearby vicinity include Reunion, Comoros and Mauritius. Madagascar is home to thousands of species of flora and fauna of which almost 90% cannot be found anywhere else in the world. In Madagascar it is not only the flora and fauna that is both unique and intriguing, but the people as well. There are so many customs and traditions that are particular to the country, stirred together from a melting pot of cultures that span Africa, Asia, and Europe. Travellers to the country may be surprised to see women walking around with beautifully painted faces and wonder whether there is a festival that they were unaware of, or whether it is a connected to a specific tribe or group. French and Malagasy are the main spoken language.

On arrival in Antananarivo (common name Tana) the capital of Madagascar, I bought the tourist visa, which for up to 30 days, costs 35 euros, 37 dollars or the equivalent in Ariary, the currency of Madagascar. For Indians, visa on arrival is applicable. As I had already booked the taxi which was waiting outside the airport. We started from airport at 4.00pm for hotel. As I came outside the airport the first impression of the country was pretty bad. Vehicles falling apart in roads completely bumpy and without any illumination. The roadside was crowded with informal commerce and lots of scattered dirt. In fact, Madagascar has one of the worst GDP per capita and inflation rate in the world, in addition to a very low Human Development Index. This 20 km journey from Ivato International Airport to the hotel Carlton in Tana, took over an hour. But hotel was very nice. As it was already 7 o'clock in the evening so I left myself in the bed after dinner.

Next morning I started at 9 o'clock and went up a hill to the highest point of the city, where the Rova complex is located, the palace of Queen Ranavalona, at a time when the colonial society of Madagascar was matriarchal.

Rova of Antananarivo is one of the symbols of the Imerina Kingdom. Inside the royal enclosure there is a church and various palaces, including the Queen's palace. After burning down in 1995, the Rova was rebuilt and still remains as a place worth visiting to enjoy the breath-taking view of the town below. There are some stone buildings, such as the Protestant church and the remodelling of the palace, since the original wooden one went down on fires. There is also a replica of the king's bedroom and royal tombs. The view is interesting as you can see the metropolis below from all sides. Entry into Ambohimanga costs 10,000 Ariary .It is a UNESCO heritage site of the 18th century, consisting of the fortifications, gardens, residences and tombs of the royal family that ruled the country at that time. As it is constantly being restored, it is preserved. The set is not that big, but it has a bonus. As it stands on a hill and in a more rural area, it is possible to see the agricultural terraces, common feature on Madagascar countryside.

Swiss Tom and Japanese Hirari are also the destinations. But I was the only tourist. There were lots of beggars. It's worth even trying some stuff. Of course, being very careful, as the country is notorious for the number of fatal diseases that occur here due to lack of hygiene.

After that I went to Lake Anosy. It is a heart-shaped lake in Antananarivo. It's an artificial lake and you do need a bit of imagination to see the heart shape. The water is much polluted but it's a nice walk to walk pathway to the French monument for the soldiers who passed away in World War-I.

Later on in the afternoon I went to the Presidential Palace. It is one of the few well maintained and impressive buildings of the city. It's heavily guarded. And you can't visit inside it. I took some photographs but later found that you aren't allowed to photograph it, so don't do what I did. By the end of the day, I went to the Shoprite supermarket to do some shopping. Then I had dinner at L'Orion, a restaurant with a nice atmosphere behind the market. A great tag line with seafood came out for 20,000 Ariary

If you commit the sacrilege of going to Madagascar and not visiting outside the capital, to see some of the lemurs and other unique animals, which are the most fascinating part of the country. Next morning I decided to visit the World Famous Lemur Park. Lemurs' Park is a beautiful small park about 30km West of Antananarivo. As the name suggest, you can see several species of lemurs here. The park is closed by a wall on one side and a river on the other, so the lemurs will stay in the park. There are several spots where the lemurs get leaves to eat so you can always see a few of them around those points. Your guide will help you see them. We also saw a tortoise and chameleon, even though we heard it's quite rare that you see chameleons there.

At 5-hectare nature reserve Lemurs' Park, you can observe nine species of lemur including the vulnerable

lesser bamboo lemur and the endangered crowned sifaka. These charismatic primates are free-roaming and can be seen at amazingly close quarters on a guided walking safari. Other highlights of the park include its stunning panoramic vistas and an open-air vivarium that's home to chameleons, turtles, iguanas and more.

In the second half of the day I visited Croc Farm Botanical park .It is situated near the airport. The main attraction is the Nile crocodiles. The park is also home to approximately 80 other Malagasy animal and bird species, including lemurs, fossa and the world's smallest chameleon, which reaches a maximum of 1.1 inches in length. On the way you will be fascinated by the beauty of lush green rice fields. Rice cultivation covers the majority of the country's surface and different varieties of rice are harvested several times per year.

In the evening I passed through Catholic Cathedral of Andohalo. This magnificent church is the seat of the Archdiocese of Antananarivo. The cathedral offers a magnificent example of Gothic architecture and is a wonderful place to attend the mass. With its twin towers and rosette-shaped window, the cathedral's façade is often compared that of Notre-Dame in Paris. Inside, the decor is less ornate than most Catholic places of worship, but the quality of the stained glass is astonishing.

My next day was for window shopping. After breakfast I started with Analakely Market. Analakely Market is the lifeblood of Tana, this is where locals come to shop, hang out, eat and meet friends. Tana's main marketplace is not a tourist attraction, but a bustling, chaotic destination full of local vendors selling everything from traditional fabrics to household items and souvenirs. Discover stalls overflowing with mountains of colourful fresh produce, including exotic fruits, pungent seafood and local delicacies such as grilled lizard. If you can speak French or Malagasy, you'll be able to wangle some exceptional discounts - but be aware of pickpockets at all times.

For a more commercial creative experience, I made my way to Lisy Art Gallery, located a short taxi ride from the centre of town. Here you'll find an impressive collection of arts and crafts designed to appeal to the tourist market. From fine leather goods to raffia baskets and bottles of rhum arrange, this is the place to shop for quality souvenirs. Prices are fixed and a little more expensive than at the local markets.

After that I visited the La Digue Market. It is one-stop souvenir shopping destination. Located just outside the city it features hundreds of stalls selling artisanal arts and crafts from all over Madagascar. Whether you're looking for wood carvings and embroidered fabrics, or spices and vanilla to take the taste of the islands back home, you'll find it here. I was very much fascinated by the beauty of art craft and that compelled me to buy some art craft. Make sure to bring cash.

The diversity of the island is seen everywhere. Madagascar is home to more than 21 million people with a wide array of faiths and customs. The Malagasy (as the people of Madagascar are known) are descendants of settlers from Borneo and East Africa and draw their cultural heritage from Southeast Asia, India, Africa, and the Middle East. Madagascar is a place that sparks curiosity; where nature has evolved at its own pace and under its own rules. More than 20 ethnic groups coexist on the island. Their common language, also called Malagasy, is most closely related to a language spoken in southeast Borneo. A majority of the population—80 percent of which is estimated to live below the poverty line—depends on subsistence farming for survival.

A dizzying range of plants and animals make their home on the island. More than 11,000 endemic plant species, including seven species of baobab tree, share the island with a vast variety of mammal, reptiles, amphibians, and others. From 1999 to 2010, scientists discovered 615 new species in Madagascar, including 41 mammals and 61 reptiles.

Madagascar has several critically threatened species including the Silky Sifaka, a lemur, which is one of the rarest mammals on earth. Its name—"angel of the forest"—refers to its white fur. Another threatened species,

the rare Ploughshare tortoise is found only in a small area of north western Madagascar whereas few as 1,000 of these animals survive. Ploughshare tortoises can be sold illegally for up to $200,000 on exotic pet markets.

Next morning I had to say goodbye to Madagascar. Saying goodbye is always melancholic. But I can say that Antananarivo, Madagascar's vibrant capital city, is often passed over in favour of the island's unique countryside and beaches. Despite a high potential for tourism, tourism in Madagascar is underdeveloped. The island's endemic wildlife and forests are unique tourist attractions. However, historical sites, craftsmen communities and relaxed cities make it a favourite with return travellers.

❖❖❖

Ashok Kumar
Chief Executive
Bank of Baroda, Seychelles

गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां : सम्पूर्ण अवलोकन

भारत में अपनी आय में से कुछ भाग आकस्मिक आवश्यकताओं के लिए बचाकर रखने की संस्कृति रही है. बैंकिंग व्यवस्था के शुरु होने से पहले लोग अपनी बचत राशि घर में ही संभालकर रखते थे और ऋण के लिए समाज के अन्य लोगों और कालांतर में साहूकारों पर निर्भर करते थे. समय के साथ जब वित्त व्यवस्था व्यवस्थित हुई तो आधुनिक बैंकिंग व्यवस्था अस्तित्व में आई. आधुनिक बैंकिंग प्रणाली ने लोगों के जोखिम को कम तो किया लेकिन यह आधुनिक व्यवस्था भी जोखिम विहीन नहीं थी. 1950 के दशक के अंत और 1960 के दशक की शुरुआत में भारत में कई बैंकों की विफलता के कारण बड़ी संख्या में साधारण जमाकर्ताओं ने अपने पैसे गंवाए. जमाकर्ताओं के कठिन परिश्रम से अर्जित धन की सुरक्षा के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा डिपॉज़िट इंश्योरेंस कार्पोरेशन की स्थापना की गई जिसमें बाद में क्रेडिट गारंटी एलिमेंट को जोड़कर डीआईसीजीसी बनाया गया. लेकिन भारत में बैंकिंग सुविधा केवल विनियामक संस्था द्वारा नियमित बैंकों द्वारा ही नहीं दी जा रही थी. बैंकिंग सेवा अन्य संस्थाओं जैसे गैर- बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों द्वारा भी दी जा रही थी. डीआईसीजीसी की स्थापना से बैंकिंग व्यवस्था में जनता के धन की सुरक्षा तो सुनिश्चित हो सकी लेकिन कई गैर बैंकिंग कंपनियाँ भी जनता को बैंकिंग सुविधाएं प्रदान कर रही थीं जहां धोखाधड़ी और उन कंपनियों के डूबने की आशंका विद्यमान थी और फलस्वरूप 1960 के दशक में एनबीएफसी में पैसा जमा कराने वाले कई लोगों की जमाराशियां डूब गईं. इसके बाद भारतीय रिज़र्व बैंक ने 1963 से एनबीएफसी पर नजर रखना और उनके लिए नियम बनाना शुरु कर दिया.

भारतीय रिज़र्व बैंक ने 1963 में गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों को नियमित किया और अध्याय III बी, जो गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों के विनियमन से संबन्धित अध्याय है, को भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 में शामिल किया.

गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी उस संस्था को कहते है जो कंपनी अधिनियम 1956 के अंतर्गत पंजीकृत होती है और जिसका प्रमुख कार्य उधार देना तथा विभिन्न प्रकार के शेयरों, प्रतिभूतियों, बीमा कारोबार तथा चिट फंड से संबन्धित कार्यों में निवेश करना होता है. यह संस्थाओं का विजातीय समूह है जो विभिन्न तरीकों से वित्तीय मध्यस्थता का कार्य करता है जैसे-जमा स्वीकार करना, ऋण और अग्रिम देना, प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप में निधियाँ जुटाना, अंतिम व्ययकर्ता (एंड यूजर) को उधार देना, थोक और खुदरा व्यापारियों तथा लघु उद्योगों को अग्रिम ऋण देना. सरकार की मुद्रा योजना भी एक एनबीएफसी के माध्यम से चल रही है जिसका नाम माइक्रो यूनिट्स डेवलपमेंट एंड रिफाइनेंस एजेंसी लिमिटेड (मुद्रा) है. इसका उद्देश्य गैर-कॉरपोरेट उद्यमियों को लोन मुहैया कराना है. 2007 में अमेरिका के 'पॉल मैककिल्ली' ने बैंकों की तरह काम करने वाली इन संस्थाओं को शैडो बैंकिंग कहा जो दुनिया भर में मशहूर हुआ. भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 के तहत एक एनबीएफसी को भारतीय रिज़र्व बैंक के साथ पंजीकृत होना आवश्यक है. कोई भी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी भारतीय रिज़र्व बैंक से पंजीकरण का प्रमाणपत्र प्राप्त किए बिना और दो करोड़ का नेट स्वामित्व प्राप्त किए बिना व्यवसाय शुरू या संचालित नहीं कर सकती है. हालांकि, बैंक को दी गई शक्तियों के संदर्भ में, दोहरे विनियमन को रोकने के लिए एनबीएफसी की कुछ श्रेणियां जो अन्य नियामकों द्वारा विनियमित हैं, उन्हें भारतीय रिज़र्व बैंक के साथ पंजीकरण की आवश्यकता से छूट दी गई है. ऐसी एनबीएफसी निम्नलिखित हैं:

- सेबी के साथ पंजीकृत वेंचर कैपिटल फंड / मर्चेंट बैंकिंग कंपनियां / स्टॉक ब्रोकिंग कंपनियां,
- आईआरडीए द्वारा जारी पंजीकरण का वैध प्रमाण पत्र रखने वाली बीमा कंपनी,
- कंपनी अधिनियम 1956 की धारा 620 ए के तहत अधिसूचित निधि कंपनियां,
- चिट फंड अधिनियम, 1982 की धारा 2 के खंड (ख) में परिभाषित चिट कंपनियां, और
- नेशनल हाउसिंग बैंक द्वारा विनियमित हाउसिंग फाइनेंस कंपनियां

➤ गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों के प्रकार

गतिविधि के आधार पर गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों को निम्नलिखित भागों में विभाजित किया जा सकता है-

- **गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी- माइक्रो फाइनेंस इंस्टीट्यूशन:** माइक्रोफाइनेंस कम्पनियाँ वे वित्तीय संस्थान हैं जो ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में गरीबों को ऋण और बचत के रूप में लघु-स्तरीय वित्तीय सेवाएं प्रदान करते हैं. ये कंपनियां ग्रामीण या अर्ध-शहरी क्षेत्रों में रहने वाले निम्न-आय वर्ग के तहत आने वाले व्यक्ति को 50, 000 रुपये तक का ऋण प्रदान कर सकती हैं. एक कंपनी जिसे एनबीएफसी-एमएफसी के रूप में पंजीकृत किया गया है, उनके पास न्यूनतम शुद्ध पूंजी 5 करोड़ रुपये होनी चाहिए.
- **गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी- हाउसिंग फ़ाइनेंस कंपनी :** आवास प्रत्येक व्यक्ति के लिए मूलभूत आवश्यकता है और कोई भी सामान्य व्यक्ति बिना आवास के अपने जीवन की कल्पना भी नहीं कर सकता. मनुष्य की इस मूलभूत आवश्यकता को पूरा करने में हाउसिंग फाइनेंस कंपनियाँ महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं.
- **गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी -इन्फ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस कंपनी (IFC):** आईएफसी एक नॉन-बैंकिंग फाइनेंस कंपनी है जो इंफ्रास्ट्रक्चर लोन में अपनी कुल संपत्ति का कम से कम 75 फीसदी हिस्सा लगाती है. इन्फ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस कंपनी की न्यूनतम निवल मालियत (नेट वर्थ) रुपये 300 करोड़ होनी चाहिए.
- **इन्फ्रास्ट्रक्चर डेट फंड नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी (आईडीएफ-एनबीएफसी):** आईडीएफ-एनबीएफसी ऐसी कंपनी है जिसे एनबीएफसी के रूप में पंजीकृत किया जाता है ताकि बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में दीर्घकालिक ऋण प्रवाह को सुगम बनाया जा सके. आईडीएफ-एनबीएफसी न्यूनतम 5 वर्ष की परिपक्वता के रुपये या डॉलर के मूल्यवर्ग के बांड के माध्यम से संसाधन जुटाती हैं.
- **गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी - एसेट फाइनेंस कंपनी (एएफसी):** इस प्रकार की गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ उत्पादक व आर्थिक गतिविधि के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं और भौतिक संपत्तियों के वित्तपोषण के रुप में प्रमुख भूमिका निभाती हैं.
- **गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी - इन्वेस्टमेंट कंपनी (IC):** गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों का यह प्रकार एक ऐसा वित्तीय संस्थान हैं जो अपने प्रमुख व्यवसाय के रूप में प्रतिभूतियों का अधिग्रहण करती हैं.

- **गैर–बैंकिंग वित्तीय कंपनी – लोन कंपनी (LC):** अपने नाम के अनुसार इस प्रकार की गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ वह वित्तीय संस्था हैं जो अपने प्रमुख व्यवसाय के रूप में वित्त प्रदान करती हैं.
- **गैर–बैंकिंग वित्तीय कंपनी: फैक्टर (एनबीएफसी–फैक्टर):** एनबीएफसी–फैक्टर एक गैर–जमा वित्तीय कंपनी (जमा स्वीकार ना करने वाली) है जिसका मुख्य व्यवसाय फैक्टरिंग है. इन कंपनियों की फैक्टरिंग व्यवसाय में वित्तीय परिसंपत्ति इनकी कुल संपत्ति का कम से कम 50 प्रतिशत होनी चाहिए और फैक्टरिंग व्यवसाय से प्राप्त आय उनकी सकल आय के 50 प्रतिशत से कम नहीं होनी चाहिए.
- **बंधक गारंटी कंपनियां (MGC):** बंधक गारंटी कंपनियाँ ऐसी वित्तीय संस्था हैं जिनका कम से कम 90% कारोबार बंधक गारंटी से संबन्धित होना चाहिए या सकल आय का कम से कम 90% भाग बंधक गारंटी व्यवसाय से अर्जित हों. इन संस्थानों के लिए शुद्ध स्वामित्व (नेट वर्थ) निधि 100 करोड़ निर्धारित है.
- **गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी–नॉन–ऑपरेटिव फाइनेंशियल होल्डिंग कंपनी (एनबीएफ़सी एनओएफ़एचसी)):** यह एक वित्तीय संस्था है जिसके माध्यम से प्रमोटर / प्रमोटर समूहों को एक नया बैंक स्थापित करने की अनुमति दी जाती है. यह एक पूर्ण स्वामित्व वाली गैर–ऑपरेटिव वित्तीय होल्डिंग कंपनी (NOFHC) है जो बैंक के साथ–साथ अन्य सभी वित्तीय सेवा प्रदाता कंपनियों को भी भारतीय रिज़र्व बैंक या अन्य वित्तीय क्षेत्र नियामकों द्वारा विनियमित करेगी.

➤ अर्थव्यवस्था के विकास में गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों का योगदान

- **वित्तीय समावेशन में गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों की भूमिका –** भौगोलिक विस्तार, जनसांख्यिकी, जाति और वर्ग संरचना आदि के संदर्भ में भारत की विविधता बहुत विशाल है और पूरी आबादी के लिए वित्तीय समावेशन सुनिश्चित करना एक महत्वपूर्ण चुनौती है. निःसन्देह भारत में एक सुव्यवस्थित बैंकिंग व्यवस्था उपलब्ध है. अभी भी बैंकिंग सेवा की उपलब्धता में क्षेत्रीय असामानता व्याप्त है. विश्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार अभी भी भारत की 19 प्रतिशत जनसंख्या को बैंकिंग सेवा उपलब्ध नहीं है. अतः भारत जैसे विशाल देश के लिए केवल बैंकों द्वारा सभी को बैंकिंग सेवा उपलब्ध करना संभव नहीं है. वित्तीय समावेशन का तात्पर्य जनता के उस भाग को सस्ती वित्तीय सेवाएँ उपलब्ध कराना है जिन्हें अभी भी ये सेवाएँ प्राप्त नहीं है. एनबीएफसी औपचारिक रूप से वित्तीय समावेशन के लिए बैंक के नेतृत्व वाले मॉडल में शामिल नहीं हैं, लेकिन उनकी व्यापक और गहरी पहुंच से वे गरीब उधारकर्ताओं को आवश्यक वित्त उपलब्ध कराते हैं और वित्तीय समावेशन के लक्ष्य की प्राप्ति में उत्प्रेरक की भूमिका निभाते हैं.भारतीय रिज़र्व बैंक की मोर समिति रिपोर्ट में भी कहा गया है कि बैंकिंग व्यवस्था के प्रत्येक चैनल जैसे बड़े राष्ट्रीय बैंक, क्षेत्रीय सहकारी बैंक या गैर–बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ (एनबीएफसी) यदि अपनी–अपनी क्षमताओं के अनुसार अपना योगदान सुनिश्चित करें तो वित्तीय समावेशन के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है.
- **एमएसएमई क्षेत्र के विकास में गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों की भूमिका:** रोजगार सृजन के संदर्भ में एमएसएमई एक ऐसा क्षेत्र है जिसका विस्तार शहरों से लेकर गाँवों तक है. मध्यम उद्यमी से लेकर सूक्ष्म उद्यमी तक को रोजगार प्रदान करने वाला यह क्षेत्र भारत की अर्थव्यवस्था में अपना महत्व रखता है. विशेषकर छोटे व्यवसायों के लिए गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों का एक प्रकार सूक्ष्म ऋण वित्तीय संस्था (एमएफ़आई) पूर्णतया समर्पित है.
- **महिला सशक्तीकरण में योगदान:** सूक्ष्म ऋण वित्तीय संस्था (एमएफ़आई) की सहायता से महिलाओं का सशक्तीकरण भी सुनिश्चित हो सका है क्योंकि महिलाओं के नेतृत्व में विभिन्न स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को सूक्ष्म वित्त की सुविधा उपलब्ध हो सकी है.
- **फैक्टरिंग सेवा में गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों का योगदान:** एनबीएफसी–फैक्टर विशेष रूप से फैक्टरिंग सेवा प्रदान करते हैं. फैक्टरिंग सेवा को बैंक वित्त के समान माना जाता है. इस सुविधा के अंतर्गत वैसी व्यवसायिक इकाई (यूनिट) जिनके पास अच्छी गुणवत्ता वाले प्राप्य (रेसिवेबल्स) तो हैं, लेकिन वे संपार्श्विक या आवश्यक क्रेडिट प्रोफाइल की कमी के कारण पर्याप्त बैंक वित्त प्राप्त करने की स्थिति में नहीं हैं उन्हे फैक्टरिंग सेवा की सहायता से वित्त उपलब्ध कराया जाता है. रिज़र्व बैंक ने हाल ही में माइक्रो, स्मॉल और मीडियम एंटरप्राइजेज के वित्तपोषण के लिए एक ट्रेड रिसीवेबल्स और क्रेडिट एक्सचेंज की भी पहल की है. यह सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यमों तथा फैक्टर्स और कॉर्पोरेट खरीदारों को एक साथ एक मंच पर लाता है. इसके अंतर्गत बड़ी कंपनियों द्वारा एमएसएमई के बिलों को इलेक्ट्रॉनिक रूप से स्वीकार किया जाता है और उनकी नीलामी की जाती है ताकि एमएसएमई को तुरंत भुगतान किया जा सके. इस सुविधा के द्वारा, बिना बैंक वित्त प्रदान किए भी उद्यमों को पर्याप्त पूंजी तरलता प्रदान की जाती है.
- **सेकंड हैंड वाहन के वित्तपोषण में गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों की भूमिका:** वाहन वित्तपोषण, उन प्रमुख क्षेत्रों में आते है जिनमें गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों का योगदान महत्वपूर्ण है. यदि हम सार्वजनिक परिवहनों की बात करें तो यह भारत जैसे विशाल जन समुदाय वाले देश के लिए एक बड़ा रोजगार प्रदाता क्षेत्र है. छोटे वाहन से अपना जीवनयापन करने वाले लोग कई बार पूंजी के अभाव में नए वाहन नहीं खरीद पाते और बड़े बैंक सेकंड हैंड सार्वजनिक वाहनों के वित्तपोषण में उतना उत्साह नहीं दिखाते हैं. गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों का इस क्षेत्र में योगदान बहुमूल्य है और ये वाणिज्यिक बैंकों के पूरक के रूप में कार्य करती हैं.
- **अन्य क्षेत्रों में गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों का योगदान:** गैर–निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) की समस्या ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की ऋण गतिविधियों के विस्तार में बाधा उत्पन्न की है. इस संदर्भ ने एनबीएफसी के महत्व को और अधिक बढ़ा दिया है क्योंकि वे व्यापक ऋण गतिविधियों में लिप्त हैं. डिजिटल ऋण देने वाले प्लेटफॉर्म जैसे पीयर–टू–पीयर उधार (पी 2 पी लेंडिंग) समकालीन समय में लोकप्रिय हो गए हैं. इस सेगमेंट में भी एनबीएफसी की अहम भूमिका है.

➤ गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों की चुनौतियाँ:

निःसन्देह एनबीएफसी का वित्तीय बाजार में एक महत्वपूर्ण स्थान है और यह वाणिज्यिक बैंकों के पूरक के रूप में तेजी से प्रगति कर रहा है, लेकिन गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के क्षेत्र की कुछ प्रमुख कंपनियों ने एनबीएफसी बाजार में बड़े पैमाने पर अपना वर्चस्व कायम कर लिया है. छोटी एनबीएफ़सी अपने व्यापार को बढ़ाने के लिए लगातार संघर्ष कर रही हैं. भारत में एनबीएफसी के समक्ष प्रमुख चुनौतियाँ इस प्रकार हैं:

- **तरलता संकट:** अल्पकालिक ऋण लेकर दीर्घावधिक ऋण प्रदान करना एक उच्च जोखिम भरा कार्य है. सामान्यतः गैर–बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ दीर्घ अवधि में कार्यपूर्णता वाली कंपनियों में निवेश करती हैं, जैसे– अवसंरचनात्मक परियोजनाएँ (इनफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स), जहाँ 12–14 वर्षों में रिटर्न प्राप्त होता है, जबकि वे म्यूचुअल फंड जैसे अल्पावधिक वित्तपोषण से पूंजी प्राप्त करती हैं जिन्हें 3–4 वर्ष के अंदर शीघ्र भुगतान करना होता है और इस प्रकार वे एक उच्च जोखिम की शिकार होती हैं. IL&FS कंपनी की विफलता में भी यही कारण प्रमुख रहा है. IL&FS 10 वर्षों से अधिक अवधि की परियोजनाओं का वित्त पोषण करती थी, लेकिन इसके द्वारा लिये गए उधार कम अवधि के होते थे, जो परिसंपत्ति–देयता अंतर को बढ़ा देता था.

- **लाइसेंस लेने संबंधी समस्याएँ:** एनबीएफ़सी लाइसेंस प्राप्त करने में जटिल नियमों का सामना करती हैं. एनबीएफसी के लिए लाइसेंस प्राप्त करने की प्रक्रिया काफी कठिन है. भारतीय रिज़र्व बैंक से जटिल प्रलेखन (डॉक्युमेंटेशन) और अनुमोदन आवश्यक हैं. भारतीय रिज़र्व बैंक, एनबीएफ़सी पंजीकरण की प्रक्रिया को नियंत्रित करता है और इसे प्राप्त करने के लिए कई मानक निर्धारित किए हैं.
- **क्षमता निर्माण से संबन्धित समस्याएँ:** तत्कालीन समय बैंकिंग क्षेत्र में बड़े बदलाव का समय है और बैंक ग्राहकों को विशिष्ट सेवा प्रदान कर रहे हैं. ऋण के क्षेत्र में विभिन्न समस्याओं को दूर करने के लिए आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल किया जा रहा है जिसके लिए बैंक नई-नई तकनीकों और सेवाओं पर अत्यधिक पैसा खर्च कर रहे हैं. कर्मचारियों और अधिकारियों को भी विशिष्ट प्रशिक्षण दे कर उनकी योग्यता को बढ़ाया जा रहा है. गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ भी बहुत हद तक समान बैंकिंग सेवाएँ प्रदान कर रही हैं और ग्राहक वर्ग भी कमोवेश समान हैं. ग्राहकों की अपेक्षाएँ भी समान हैं लेकिन गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ वाणिज्यिक बैंकों की तरह बड़ी धनराशि आधुनिक तकनीकों और कर्मचारियों व अधिकारियों के विशिष्ट प्रशिक्षण पर खर्च नहीं कर पा रही हैं जिससे अपेक्षित क्षमता का निर्माण नहीं हो पा रहा है और सेवाओं में वह गुणवत्ता नहीं आ पा रही है.
- **वैधानिक वसूली उपकरण की उपलब्धता की सीमितता:**
  केंद्र सरकार ने कुल 196 महत्वपूर्ण एनबीएफसी को मान्यता देने और सूचीबद्ध करने के लिए एक अधिसूचना पारित की, जिन्हें सरफेसी अधिनियम के प्रावधानों का लाभ लेने की अनुमति दी गई. अधिसूचना ने अधिनियम के दायरे में आने के लिए एनबीएफसी द्वारा पूरी की जाने वाली कुछ शर्तों को भी सूचीबद्ध किया है. जैसे उनकी पिछली ऑडिटेड बैलेंस शीट के अनुसार उनकी आस्तियां पांच लाख करोड़ रुपये और उससे अधिक होनी चाहिए. अर्थात् गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों को वैधानिक वसूली उपकरण उपलब्ध तो हैं लेकिन वे सीमित हैं.
- **बहु नियामक निकाय:** एनबीएफसी सेक्टर विकास के चरण में है और इसके विभिन्न खंडों को विकसित करने के लिए अलग अलग निकाय हैं. जैसे एएफसी के लिए वित्त उद्योग विकास परिषद, गोल्ड लोन एनबीएफसी के लिए गोल्ड लोन कंपनियों का संघ आदि.

➤ **गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक की नई पहल:**

- **गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के लिये लोकपाल योजना:** गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ जनता के धन को सुरक्षा प्रदान करती हैं और ग्राहकों को बैंकिंग सेवाएँ प्रदान करती हैं अतः ग्राहकों की शिकायतों के निवारण के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक ने 23 फरवरी, 2018 को भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम 1934 की धारा 45-IA के तहत भारतीय रिज़र्व बैंक में पंजीकृत गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के विरुद्ध शिकायतों के निवारण के लिये इस योजना की शुरुआत की. यह योजना सभी जमाराशि स्वीकार करने वाली गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों को कवर करती है. एनबीएफ़सी लोकपाल भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा नियुक्त एक वरिष्ठ अधिकारी होता है जो सेवा में कमी के लिये गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के विरुद्ध ग्राहकों की शिकायतों का निवारण करता है. गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी-इन्फ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस कंपनी, कोर इन्वेस्टमेंट कंपनी, इन्फ्रास्ट्रक्चर डेट फंड-नॉन बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी और लिक्विडेशन के अंतर्गत शामिल एनबीएफ़सी को इस योजना के दायरे से बाहर रखा गया है.
- **गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के लिए नया एक्सपोजर फ्रेमवर्क:** भारतीय रिज़र्व बैंक ने 2019-20 की अपनी तीसरी द्वि-मौद्रिक नीति की घोषणा करते हुए, एनबीएफसी के लिए बैंकों को एकल प्रतिपक्ष जोखिम सीमा के सामंजस्य के बारे में नए दिशानिर्देश जारी किए हैं. 1 अप्रैल, 2019 से लागू होने वाले बड़े एक्सपोज़र फ्रेमवर्क (एलईएफ) पर संशोधित दिशानिर्देशों के तहत, किसी एकल एनबीएफसी के लिए बैंक का एक्सपोज़र उसकी टीयर वन कैपिटल के 15 प्रतिशत तक सीमित है, जबकि अन्य क्षेत्रों में संस्थाओं के लिए एक्सपोज़र लिमिट 20 प्रतिशत रखी गयी है.
- **गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों और कोर निवेश कंपनियों के लिए तरलता जोखिम प्रबंधन ढांचा:** एनबीएफसी के लिए लागू एसेट लायबिलिटी मैनेजमेंट (एएलएम) ढांचे के मानक को मजबूत करने के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक ने एनबीएफसी के लिए तरलता जोखिम प्रबंधन पर मौजूदा दिशानिर्देशों को संशोधित किया है. वैसी गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ जो जमा स्वीकार नहीं करती हैं और जिनका परिसंपत्ति आकार रुपये 100 करोड़ और उससे अधिक है, सिस्टेमेटिक इंपोर्टेंट कोर इन्वेस्टमेंट कंपनियों को और जमा स्वीकार करने वाले सभी गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों (चाहे वे किसी भी आकार के हों) को चलनिधि जोखिम प्रबंधन दिशानिर्देशों का पालन करना होगा. गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों के लिए तरलता कवरेज अनुपात की भी शुरूआत की गई है जिसमें जमा स्वीकार न करने वाली गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ जिनका पूंजी आकार रुपए 10,000 करोड़ और उससे अधिक है, शामिल हैं. इन दिशानिर्देशों के अंतर्गत जमा स्वीकार करने वाली सभी गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ एलसीआर के संदर्भ में एक तरलता बफर बनाए रखेंगी {पर्याप्त उच्च गुणवत्ता वाली तरल संपत्ति} जिसका उपयोग विपरीत परिस्थितियों में किया जा सकेगा.

➤ **निष्कर्ष:**

एक मजबूत एनबीएफसी पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण देश के आर्थिक विकास को उत्प्रेरित करता है. विशेष रूप से लघु व छोटे उद्यमों, कम निवेश वाले सेवा क्षेत्रों और खुदरा क्षेत्रों के विकास में आवश्यक ऋण के लिए, एनबीएफसी का वित्तीय मध्यस्थों के रूप में एक महत्वपूर्ण योगदान साबित हुआ है. एनबीएफसी के व्यवसाय मॉडल की परिचालन लागत कम है और उनके पास समाज के कमजोर वर्गों को वित्तीय सेवा प्रदान करने की संभावनाएं असीम हैं. इसलिए, उन्हें, समावेशी विकास को सुनिश्चित करने के लिए, कुशल तरीके से विनियमित किया जाना चाहिए. एनबीएफसी का परिदृश्य नवीन व्यापार मॉडल के साथ महत्वपूर्ण रूप से विकसित हो रहा है. इसलिए एनबीएफसी को नियंत्रित करने वाले नियमों को क्षेत्र की बदलती प्रासंगिक आवश्यकताओं के अनुसार विकसित किया जाना चाहिए. इस के लिए एक उपयुक्त रूपरेखा, जो अंडर-रेगुलेशन और ओवर-रेगुलेशन के बीच एक अच्छा संतुलन बनाए, की आवश्यकता है. बदलती वित्तीय सेवाओं की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए भारतीय रिज़र्व बैंक ने काफी सुधार किए हैं. जहां तक भारतीय अर्थव्यवस्था में गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों को विस्तारित करने की बात है तो देश का सबसे बड़ा बैंक भारतीय स्टेट बैंक कुछ गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के साथ मिलकर संयुक्त वित्तपोषण मॉडल की रूपरेखा बना रहा है. अनेक प्रकार की गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनिया विभिन्न क्षेत्रों में अपना महत्वपूर्ण योगदान सुनिश्चित कर रही हैं. यद्यपि आईएल एंड एफ़एस कंपनी की विफलता ने विनियमन और निगरानी व्यवस्था की कमियों को उजागर किया है लेकिन नियामक संस्था द्वारा किए गए निष्ठापूर्ण प्रयासों नें गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के मार्ग की बाधा को अत्यल्प कर दिया है. देश में विद्यमान एक मजबूत एनबीएफ़सी तंत्र ने समावेशी विकास, महिला सशक्तिकरण को सुनिश्चित किया है और छोटे व्यवसायों, ग्रामीण क्षेत्रों आदि के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है.

❖❖❖

जया मिश्रा
मुख्य प्रबंधक
बड़ौदा अकादमी, नई दिल्ली

पदोन्नतियां

मुख्य महाप्रबंधक

हम जुलाई-सितम्बर, 2020 के दौरान पदोन्नत मुख्य महाप्रबंधकों/ महाप्रबंधकों को बॉबमैत्री की ओर से हार्दिक बधाई देते हैं और इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं. - संपादक

श्री विनीत कुमार डुडेजा
कॉर्पोरेट कार्यालय,
मुंबई

श्री पुरुषोत्तम
कॉर्पोरेट कार्यालय,
मुंबई

श्री सुब्रत कुमार
कॉर्पोरेट कार्यालय,
मुंबई

महाप्रबंधक

श्री वीरेंद्र कुमार खंडेलवाल
कॉर्पोरेट कार्यालय,
मुंबई

श्री महेश बंसल
अंचल कार्यालय,
अहमदाबाद

सुश्री सविता केनी
कॉर्पोरेट कार्यालय,
मुंबई

श्री सुशांता कुमार मोहंती
कॉर्पोरेट कार्यालय,
मुंबई

श्री संजय भगोलीवाल
कॉर्पोरेट कार्यालय,
मुंबई

श्री हर्षद कुमार सोलंकी
कॉर्पोरेट कार्यालय,
मुंबई

श्री सुनील कुमार शर्मा
सीएफ़एस,
मुंबई

श्री डी दास
अंचल कार्यालय,
कोलकाता

श्री सीताराम बुलुसु सूर्या
कॉर्पोरेट कार्यालय,
मुंबई

श्री सुधांशु कुमार सिंह
प्रधान कार्यालय,
बड़ौदा

श्री इंदर मोहन सिंह
ग्रुप कंट्रोल ऑफिस,
यूके, लंदन

शहरी क्षेत्र में प्रदूषण की समस्या

प्रदूषण, पर्यावरण में दूषक पदार्थों के प्रवेश के कारण प्राकृतिक संतुलन में पैदा होने वाले दोष को कहते हैं. यह पर्यावरण और जीव-जंतुओं को नुकसान पहुंचाता है. प्रदूषण का अर्थ है-हवा, पानी, मिट्टी के अवांछित द्रव्यों से दूषित होना. प्रदूषण कई तरह के होते हैं - जैसे वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, भूमि प्रदूषण और ध्वनि प्रदूषण. आजकल सभी तरह के प्रदूषण हमारे पर्यावरण को अत्यधिक दूषित कर रहे हैं. प्रदूषण की समस्या शहरों में ज्यादा दिखाई पड़ रह है. बढ़ता प्रदूषण वर्तमान समय की सबसे बड़ी समस्या है. प्रदूषण के कारण मनुष्य जिस वातावरण या पर्यावरण में रह रहा है, वह दिन-ब-दिन खराब होता जा रहा है. कहीं अत्यधिक गर्मी सहन करनी पड़ती है तो कहीं अत्यधिक ठंड. इतना ही नहीं समस्त जीवधारियों को विभिन्न प्रकार की बीमारियों का भी सामना करना पड़ रहा है. प्रकृति और उसका पर्यावरण अपने स्वभाव से शुद्ध, निर्मल और समस्त जीवधारियों के लिए स्वास्थ्यवर्धक होता है. परंतु किसी कारणवश यदि वह प्रदूषित हो जाता है तो पर्यावरण में मौजूद समस्त जीवन के लिए वह विभिन्न प्रकार की समस्याएं उत्पन्न करता है. शहरों में प्रदूषण का एक बड़ा कारण वाहनों का आवागमन है. वाहनों से निकलने वाली जहरीली गैस कई बीमारियों का कारण है. शहरों में आबादी के बड़े प्रवाह के कारण यह नदियों में डाला जाता है, जो पानी को प्रदूषित करता है.

इसके अलावा शहरों में अन्य प्रकार की प्रदूषण की समस्या है-शोर प्रदूषण. हार्न बजाने से शोर प्रदूषण होता है. यह कल-कारखानों, वाहनों, हवाई जहाज, रेलगाड़ियों आदि से आता है. लाऊडस्पीकर भी आधुनिक समय में ध्वनि प्रदूषण का एक प्रमुख कारण बन रहा है. इसके अलावा भारत के कुछ महानगरों की जनसंख्या एक करोड़ से अधिक हो चुकी है. दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नै जैसे महानगरों में हर प्रकार का प्रदूषण बढ़ता ही जा रहा है. वृक्षों की कमी के कारण जो धुआँ वाहनों से आती है, यह लोगों के फेफड़ों में पहुंचकर उन्हें बीमार बनाती है.

प्रदूषण रोकने का सर्वोत्तम उपाय है-जनसंख्या पर नियंत्रण. प्रदूषण बढ़ाने वाली फैक्टरियों को नगरों से बाहर लगाया जाना चाहिए. फैक्टरियों के प्रदूषित जल और कचरे को संसाधित करने का उचित प्रबंध करना चाहिए.

बढ़ते प्रदूषण की समस्या से हम सब परिचित हैं. पूरा विश्व ही शहरी प्रदूषण की समस्या से जूझ रहा है. विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार विश्व की लगभग 80 प्रतिशत शहरी आबादी प्रदूषित हवा में सांस ले रही है. प्रदूषण को रोकने के लिए हम सबको मिलकर पर्यावरण की रक्षा करनी होगी.

❖❖❖

दीप्ति सी
वरिष्ठ प्रबंधक
कुवेंपुनगर शाखा, मैसूरु क्षेत्र

HIGHLIGHTS OF BANK'S FINANCIAL RESULTS FOR Q2 FY 2021

The Bank announced its financial results for the Quarter ended on September 30, 2020 following the approval of its Board of Directors. The results were announced by MD&CEO Shri Sanjeev Chadha and Executive Directors Shri Murali Ramaswami, Shri S L Jain, Shri Vikramaditya Singh Khichi and Shri Ajay K Khurana at a virtual Press/ Analysts's Meet. Highlights of the results are presented below: - Editor

Highlights

- Operating Profit for Q2FY'21 is INR 5,552 crore registering an increase of 4% YoY and 28% QoQ. NII stood at Rs 7,508 crore, an increase of 6.8% YoY and 10.2% QoQ.
- Global advances increased by 5.3% led by domestic organic retail and agriculture loans which grew by 16.81% and 16.52% respectively. Auto loans increased by 34.8% YoY.
- Retail sanctions and disbursements in Q2FY21 are at 119% of last year's level compared with 37% in Q1FY21 indicating a broad normalization of economic activity.
- Fee Income increased by 3.9% YoY and 22.2% QoQ. Trading gains up by 6.8% YoY and 85.9% QoQ. Trading gains were at INR 1,006 crore in Q2. Recovery from TWO stood at Rs 341 crore in Q2FY21 as against Rs 94 crore in Q1FY21.
- Domestic CASA ratio increased to 39.78%, up by 190 bps YoY. Domestic cost of deposits in Q2FY21 is lower at 4.42% a decline of 53bps QoQ.
- Domestic margins (NIM) increased to 2.96% in Q2FY'21 compared with 2.63% in Q1FY21. Global NIM at 2.86% compared with 2.55% in Q1.
- Gross NPA ratio stood at 9.14% as on Sep 30, 2020 against 10.25% as on Sep 30, 2019.
- Net NPA ratio to 2.51% as against 3.91% as on Sep 30, 2019.
- PCR has increased to 85.35 % as on Sep 30, 2020 compared with 77.88 % as on Sep 30, 2019 (83.3 % as on Jun 30, 2020). Covid-19 related provision stood at Rs 1,748 crore.
- Bank reported a Net Profit of Rs 1,679 crore as on Sep 30, 2020 on a standalone basis and consolidated Net Profit is at Rs 1,771 crore.
- Capital adequacy (CRAR) stands at 13.26% with CET-1 at 9.21% on a standalone basis and for the consolidated entity it stands at 14.00% and 10.05% respectively.
- IT Integration of eVB for all 2,128 branches and 3 pilot eDB branches completed successfully; 1,100 Branches and 503 ATM rationalised.

Bank of Baroda announced its results for the Quarter ended September 30, 2020, following the approval of its Board of Directors on October 29, 2020

Particulars (INR crore)	Q2 FY 20	Q1 FY 21	Q2 FY 21	YOY (%)
Interest Income	19,274	18,494	17,918	-7.04
Interest Expenses	12,246	11,678	10,410	-14.99
Net Interest Income (NII)	7,028	6,816	7,508	6.83
Non- Interest Income	2,824	1,818	2,802	-0.77
Operating Income (NII+ Other Income)	9,852	8,634	10,310	4.65
Operating Expenses	4,516	4,314	4,758	5.36
Operating Profit	5,336	4,320	5,552	4.05
Total Provisions (other than tax) and contingencies	4,209	5,628	3002	-28.69
of which, Provision for NPA	3,425	3,458	2277	-33.52
Profit before Tax	1,127	-1,308	2,550	126.33
Provision for Tax	390	-444	872	123.49
Net Profit	737	-864	1679	127.82
NIM % (Domestic)	2.95	2.63	2.96	

Particulars (INR crore)	Q2 FY 20	Q1 FY 21	Q2 FY 21	YOY (%)
Domestic deposits	7,83,492	8,13,530	8,35,894	6.69
Domestic CASA	2,96,792	3,21,229	3,32,493	12.03
Global deposits	8,94,130	9,34,461	9,54,340	6.73
Domestic advances	5,71,991	6,15,038	6,05,245	5.81
Of which, retail loan portfolio (ex- portfolio purchase)	95,832	107,084	1,11,944	16.81
Global advances	6,82,669	7,36,547	7,18,957	5.32

Particulars	Q2 FY 20	Q1 FY 21	Q2 FY 21
CRAR (%)	12.98	12.84	13.26
Tier-1 (%)	10.91	10.33	10.75
CET-1 (%)	9.84	9.08	9.21

Particulars	Q2 FY 20	Q1 FY 21	Q2 FY 21
Gross NPA (%)	10.25	9.39	9.14
Net NPA (%)	3.91	2.83	2.51
PCR (with TWO) (%)	77.88	83.30	85.35
Slippage Ratio (%)	3.95	1.64	0.54
Credit Cost (%)	2.02	1.87	1.24

लखनऊ अंचल द्वारा राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की बैठक का आयोजन

21 सितंबर, 2020 को लखनऊ अंचल द्वारा राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की बैठक का आयोजन किया गया. इस अवसर पर मुख्य अतिथि वित्त मंत्री, उत्तर प्रदेश श्री सुरेश कुमार खन्ना, अंचल प्रमुख श्री ब्रजेश कुमार सिंह, श्री संजीव मित्तल (अपर मुख्य सचिव, संस्थागत वित्त, उत्तर प्रदेश शासन), श्री नवनीत सहगल (अपर मुख्य सचिव, एमएसएमई, उत्तर प्रदेश शासन), श्री देवेश चतुर्वेदी (अपर मुख्य सचिव, कृषि, उत्तर प्रदेश शासन) तथा बैंक के कार्यपालक निदेशक श्री विक्रमादित्य सिंह खीची (वर्चुअल माध्यम से) एवं अन्य बैंकों के कार्यपालकगण उपस्थित रहे.

नई दिल्ली अंचल द्वारा उप राज्यपाल/ मुख्यमंत्री राहतकोष (दिल्ली) में अंशदान

14 अगस्त, 2020 को तत्कालीन महाप्रबंधक–मुख्य समन्वयन (दिल्ली) श्री आर. के. मिगलानी तथा नई दिल्ली अंचल की अंचल प्रमुख श्रीमती सम्मिता सचदेव ने दिल्ली के मुख्यमंत्री श्री अरविन्द केजरीवाल को उप राज्यपाल/ मुख्यमंत्री राहतकोष (दिल्ली) के लिए रु. 25 लाख का चेक भेंट किया.

प्रधान कार्यालय, बड़ौदा में स्वतंत्रता दिवस का आयोजन

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त, 2020 को प्रधान कार्यालय, बड़ौदा में ध्वजारोहण किया गया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बैंक के निदेशक डॉ. भरत कुमार डांगर उपस्थित रहे. इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक श्री बी आर पटेल, महाप्रबंधक श्री के आर कनोजिया, श्री तपन दास, श्री जी के पानेरी सहित अन्य वरिष्ठ कार्यपालक तथा स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे. कार्यक्रम के दौरान बैंक के सुरक्षा कर्मियों को सम्मानित भी किया गया.

बैंक ऑफ़ बड़ौदा
Bank of Baroda

Restart Happiness
हम करें मुमकिन

सपनों के घर में गृह प्रवेश

बड़ौदा होम लोन के साथ

- ✓ अन्य बैंकों से ऋण लाने की आसान प्रक्रिया
- ✓ कोई प्रक्रिया शुल्क नहीं
- ✓ ब्याज दर में 0.25% की छूट
  (अन्य बैंकों से अपना गृह ऋण लाने वाले ग्राहकों के लिए)

मिस्ड कॉल दीजिए*: 846 700 1111

www.bankofbaroda.in

हमें फॉलो करें